

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:270। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शुक्रवार) 22 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

दिन ही नहीं रात में भी सितम

• दिल्ली में मई की सबसे गर्म रात, टूटा 14 साल का रिकॉर्ड

आईएमडी ने जारी की चेतावनी



एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में मई महीने की अब तक की सबसे गर्म रात दर्ज की गई, जब न्यूनतम तापमान 31.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार यह पिछले लगभग 14 वर्षों में सबसे अधिक न्यूनतम तापमान है। इससे पहले 26 मई 2012 को न्यूनतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार सफदरजंग और लोधी रोड सहित कई स्टेशनों पर रात में गर्म मौसम की स्थिति रही। गर्म रात तब घोषित की जाती है जब अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक रहता है और न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस अधिक होता है। स्टेशनों के अनुसार सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 31.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 5.2 डिग्री अधिक है। रिज में 30.6 डिग्री (4.4 डिग्री अधिक), पालम में 30.5 डिग्री (3.4 डिग्री अधिक), लोधी रोड में 29.6 डिग्री (4.6 डिग्री अधिक) और आयानगर में 27.4 डिग्री सेल्सियस (0.7 डिग्री अधिक) दर्ज किया गया। शहर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है क्योंकि अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है और दिन में लू चलने का अनुमान है। वायु गुणवत्ता भी सुबह 9 बजे 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज की गई।



बांदा दुनिया में तीसरा सबसे गर्म शहर

नौतपा से 4 दिन पहले ही 48°C पहुंचा तापमान

एजेंसी

बांदा। 25 मई से नौतपा शुरू हो रहे हैं, लेकिन उससे पहले ही तापमान 48°C पहुंच गया है। यह आंकड़ा उत्तर प्रदेश के बांदा में रिकॉर्ड हुआ। तापमान के लिहाज से 20 मई को बांदा दुनिया का तीसरा सबसे गर्म शहर रहा। बांदा से ज्यादा तापमान केवल मिस्र के असवान में 49.4°C और सऊदी अरब के अराफात में 48.°C रहा। दुनियाभर में सबसे ज्यादा तापमान वाले टॉप-5 शहरों में खजुराहो 47.4°C के साथ चौथे नंबर पर रहा।

देश में बांदा ही सबसे गर्म क्यों

बांदा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिनेश के मुताबिक देश में बांदा में सबसे ज्यादा तापमान होने के पीछे मुख्य कारण इसका कर्क रेखा के नजदीक होना है। इसके अलावा सीधी धूप, साफ आसमान, मिट्टी में नमी की कमी वाला पठारी इलाका, सूखती नदियां, जंगलों की कटाई और खनन शामिल हैं।

• वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट बोला-

हम अदालतों को बाध्य नहीं कर सकते

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें दिल्ली की सभी अदालतों में केसों की सुनवाई केवल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता के वकील ने सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने इस मामले को रखा और जल्द से जल्द सुनवाई करने का आग्रह किया। सीजेआई ने याचिकाकर्ता के वकील को बताया कि उन्होंने पहले ही देश के सभी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई बढ़ाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर हाई कोर्ट पहले से ही इस व्यवस्था का इस्तेमाल कर रहे हैं। सीजेआई ने यह भी स्पष्ट किया कि यह ऐसी सुविधा है, जिसे जजों और वकीलों की अपनी इच्छा और सहमति से आसानी से लागू किया जा सकता है। किसी भी अदालत को इसे अनिवार्य



रूप से लागू करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। वकील ने बेंच से अनुरोध किया कि दिल्ली की अदालतों में कम से कम तीन महीने तक अनिवार्य रूप से ऑनलाइन सुनवाई का निर्देश दिया जाए। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने जवाब दिया कि जिला अदालतों का प्रशासनिक नियंत्रण संबंधित हाईकोर्ट के पास होता है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट्स से जिला अदालतों में भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को बढ़ावा देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में फैसला लेने का अधिकार हाईकोर्ट को ही है। यह याचिका कोविड-19 महामारी के दौरान शुरू हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व्यवस्था को स्थायी रूप देने और अदालतों में भीड़ कम करने के उद्देश्य से जुड़ी मानी जा रही है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से वकीलों, मुवक्किलों और जजों को समय और संसाधनों की बचत होती है। खासकर दूरदराज के इलाकों से आने वाले लोगों के लिए यह सुविधा बहुत उपयोगी साबित हुई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश ने यह भी संकेत दिया कि अदालतों की कार्यवाही को और अधिक पारदर्शी और आसान बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल बढ़ाना जरूरी है, लेकिन इसे जबरदस्ती थोपने के बजाय स्वैच्छिक आधार पर अपनाना बेहतर होगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर आगे की सुनवाई के लिए कोई तारीख अभी तय नहीं की है।

> सीजेआई ने यह भी स्पष्ट किया कि यह ऐसी सुविधा है, जिसे जजों और वकीलों की अपनी इच्छा और सहमति से आसानी से लागू किया जा सकता है।

यूपी में सरकारी कर्मचारियों को सौगात

दो फीसदी महंगाई भत्ता बढ़ाया गया



एजेंसी

लखनऊ। यूपी सरकार ने राज्य कर्मचारियों को राहत देते हुए दो फीसदी महंगाई भत्ता बढ़ाने का एलान किया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। इस फैसले से प्रदेश के लाखों कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। बढ़ा हुआ भत्ता कर्मचारियों को एक जनवरी 2026 से दिया जाएगा। बढ़े हुए महंगाई भत्ते का लाभ राज्य कर्मचारियों और सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित और पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्य प्रभारित कर्मचारियों और यूजीसी वेतनमानों में कार्यरत पदधारकों को दिया जाएगा।

दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी: 'राजनीतिक फैसले की आलोचना करना उल्लंघन नहीं'

• राघव चड्ढा की याचिका पर हाईकोर्ट की दो टूक

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है, जिसमें उनके व्यक्तित्व अधिकारों (पर्सनैलिटी राइट्स) की रक्षा करते हुए सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ फैलाई जा रही अपमानजनक, भ्रामक और डीपफेक सामग्री को हटाने की मांग की गई है। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि व्यक्तित्व अधिकारों के व्यावसायिक उपयोग और राजनीतिक आलोचना में स्पष्ट अंतर है। अदालत ने प्रथम दृष्टया यह भी टिप्पणी की कि राघव चड्ढा के व्यक्तित्व अधिकारों का कोई उल्लंघन दिखाई नहीं देता है। कोर्ट ने कहा, 'राजनीतिक क्षेत्र में आपके द्वारा लिए गए निर्णय आलोचना का विषय हो सकते हैं। आजकल सोशल मीडिया की पहुंच बहुत ज्यादा हो गई है। ' राघव चड्ढा की याचिका में मुख्य रूप से एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो, छेड़छाड़ किए गए वीडियो, फर्जी भाषण और भ्रामक सामग्री को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से तुरंत हटाने की मांग की गई है। याचिका में इन सामग्रियों को उनके व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए कहा गया है कि इससे उनकी छवि को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों को विस्तार से सुना। चड्ढा की ओर से पेश वकील ने तर्क दिया कि सोशल मीडिया पर उनके मुवक्किल के खिलाफ लगातार गलत और अपमानजनक सामग्री वायरल की जा रही है, जो न केवल उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाती है बल्कि सार्वजनिक भ्रम भी पैदा करती है।





आस्था के महापर्व में खलल डालने वाले पाखंडी बेनकाब; ब्लैकमेलरों के खिलाफ जैन समाज एकजुट, पुलिस कार्रवाई शुरू!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंदसौर। मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक नगरी मंदसौर में इस बार इतिहास का सबसे भव्यातिभव चातुर्मास आयोजित होने जा रहा है। जैन धर्म के इतिहास में यह पहली बार है जब मंदसौर जैन तीर्थधाम पर एक साथ 5-5 पूज्य आचार्य भगवंतों का पावन मंगल प्रवेश और स्थिरता होने जा रही है। परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री अशोकसागर सूरीश्वरजी महाराज साहेब, श्री सागरचंद्रसागर जी महाराज साहेब एवं श्री सोमयचन्द्रसागर जी महाराज साहेब जैसे महान संतों की निश्रा में पूरा मंदसौर और मध्य प्रदेश का जैन समुदाय भक्ति के सागर में गोते खा रहा है। समस्त मंदसौर जैन श्री संघ द्वारा आयोजित इस चातुर्मास को लेकर भक्तों में अभूतपूर्व उत्साह है, लेकिन इस पावन और भक्तिमय माहौल को कुछ समाजकंटक और क्रिमिनल मानसिकता वाले लोग अपनी गंदी नजरों से दूषित करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं।

कथित पत्रकारों और ब्लैकमेलरों की तिकड़ी का घिनौना खेल

जैसे ही मंदसौर में इस ऐतिहासिक चातुर्मास की घोषणा हुई, समाज में छुपे कुछ आस्तीन के सांप और फिरौती बाज सक्रिय हो गए। अपने आप को जैन समुदाय का हितैषी बताने का ढोंग करने वाला कथित पत्रकार हार्दिक हुडिया, क्रिमिनल मानसिकता वाला जगत पारेख, विक्रम बाफना और कल्पेश सिंघवी सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार जहर उगल रहे हैं। ये वो चेहरे हैं जो दिन-रात जैन समाज को तोड़ने और संतों की साधना में विघ्न डालने का काम कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भ्रामक और झूठी अफवाहें फैलाकर इनका एकमात्र मकसद इस पावन चातुर्मास को किसी न किसी तरह रोकना और जैन संघ को मानसिक रूप से प्रताड़ित करना है।

भगवान महावीर का भी खौफ नहीं, चातुर्मास की आड़ में फिरौती का षड़यंत्र!

आस्था पर चोट करने वाले इन पाखंडियों को भगवान महावीर के सिद्धांतों और कर्मों के फल का भी कोई खौफ नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, चातुर्मास में बाधा उत्पन्न करने और संतों की छवि खराब करने की धमकी देकर यह पूरी मंडली जैन संघ से मोटी फिरौती वसूलने का गंदा षड़यंत्र रच रही थी। लेकिन इस बार इन ब्लैकमेलरों का पाला एक जागृत समाज से पड़ा है।

करारा तमाचा: इन कलंकित और पाखंडी तत्वों के मंसूबों पर पानी फेरते हुए पूरे मध्य प्रदेश का जैन समाज अब चट्टान की तरह एकजुट हो गया है। समाज विरोधी इन चेहरों को पहचान लिया गया है और इनके खिलाफ पुलिस प्रशासन ने भी अपनी सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

समाज से बाहर फेंकने का वक्त, महानगर मेट्रो हमेशा सत्य के साथ

ऐसे धन-लोलुप, ब्लैकमेलर और संतों की निंदा करने वाले कलंकित व्यक्तियों को जैन समाज से तुरंत बहिष्कृत (बाहर) कर देना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी आस्था के साथ खिलवाड़ करने की हिम्मत न कर सके। महानगर मेट्रो न्यूज़ हमेशा सत्य की आवाज़ रहा है और रहेगा। हमारी इस निष्पक्ष और सच्ची खबर ने इन ब्लैकमेलरों की जड़ों को हिलाकर रख दिया है। महानगर मेट्रो हर परिस्थिति में जैन समुदाय, जैन श्री संघ और पूज्य संतों के साथ खड़ा है और समाज को खोखला करने वाले ऐसे पाखंडियों को बेनकाब करने का अपना धर्म निभाता रहेगा।

सत्य, साहस और निष्पक्षता की हर बड़ी ख़बर के लिए पढ़ते रहिए — महानगर मेट्रो न्यूज़।

इबोला वायरस को लेकर हवाई अड्डे पर अलर्ट

• केंद्र ने जारी किए विशेष निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने इबोला वायरस को लेकर हवाई अड्डों पर विशेष एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों में यदि इबोला से जुड़े लक्षण दिखाई दें तो तुरंत कार्रवाई की जाए। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत निदेशालय स्वास्थ्य सेवाएं (डीजीएचएस) ने गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए जारी परामर्श में यात्रियों को स्पष्ट रूप से बताया है कि उच्च जोखिम वाले देश कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान से आने वाले या वहां से होकर गुजरने वाले यात्रियों को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। डीजीएचएस के परामर्श में बताया गया कि यदि किसी यात्री में बुखार, कमजोरी या थकान, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, दस्त या अज्ञात रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई दें तो उसे तुरंत एयरपोर्ट स्वास्थ्य अधिकारी या हेल्थ डेस्क को रिपोर्ट करना चाहिए और यह रिपोर्टिंग इमिग्रेशन क्लियरेंस से पहले करनी होगी।

एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि जिन यात्रियों का इबोला रोगी के रक्त या शारीरिक तरल पदार्थों से सीधा संपर्क हुआ है, उन्हें तुरंत स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित करना चाहिए। साथ ही ऐसे यात्रियों को आगमन के बाद 21 दिनों तक स्वयं निगरानी करनी चाहिए और यदि कोई लक्षण विकसित हों तो तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।

चंडीगढ़ के स्कूलों और हरियाणा सीएम कार्यालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी

तथाकथित ईमेल में चंडीगढ़ के स्कूलों में दोपहर 1.11 बजे बम धमाके की धमकी दी गई।

एजेंसी

चंडीगढ़। देश के अलग-अलग हिस्सों लगातार स्कूलों और सरकारी कार्यालयों को धमकीभरे संदेश मिल रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को चंडीगढ़ के कुछ स्कूलों और हरियाणा के मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। चंडीगढ़ के स्कूलों और हरियाणा सीएम के कार्यालय को ईमेल के जरिए धमकी दी गई है। तथाकथित ईमेल में चंडीगढ़ के स्कूलों में दोपहर 1.11 बजे बम धमाके की धमकी दी गई। इसमें लिखा है, 'खालिस्तान वाले बच्चियों के खिलाफ नहीं है। अपने बच्चे बचाओ।' वहीं, ईमेल में हरियाणा सीएम कार्यालय में दोपहर 3.11 बजे बम विस्फोट की धमकी दी गई है। इसमें लिखा, 'जून 1984 दरबार साहिब हिंदुस्तानी फौज के हमले में हरियाणा ने मिठाई बांटी थी। इसका बदला।' इसके अलावा, दिल्ली-अंबाला रेलवे ट्रेक पर 6 जून तक लगातार आईईडी धमाके की धमकी दी गई है। इस धमकी भरे ईमेल के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और साइबर सेल ने जांच शुरू कर दी है और संबंधित जगहों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रारंभिक जांच में ईमेल को गंभीर धमकी मानते हुए सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।

झारखंड में 27 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

• छह पर था 5-5 लाख रुपये का इनाम

एजेंसी

रांची। झारखंड में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षा बलों को अब तक की सबसे बड़ी सफलता मिली है। सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय 25 माओवादियों और प्रतिबंधित संगठन जेजेएमपी के दो उग्रवादियों समेत कुल 27 नक्सलियों ने गुरुवार को रांची स्थित पुलिस मुख्यालय में आत्मसमर्पण कर दिया। राज्य के इतिहास में एक दिन में हुआ यह अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक सरेंडर माना जा रहा है। डीजीपी तदाशा मिश्रा और पुलिस-सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में इन नक्सलियों ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। आत्मसमर्पण करने वालों में आठ हार्डकोर नक्सली ऐसे हैं, जिन पर सरकार ने लाखों का इनाम घोषित कर रखा था। इनमें पांच लाख रुपए के छह नक्सली, दो लाख रुपए का एक और एक लाख रुपए की इनामी महिला नक्सली शामिल है। पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले इन उग्रवादियों के खिलाफ राज्य के विभिन्न थानों में कुल 426 गंभीर मामले दर्ज हैं। इन पर हत्या, पुलिस बलों पर हमला, लेवी वसूली, विस्फोट और हथियारबंद गतिविधियों जैसे आरोप हैं। सरेंडर के दौरान नक्सलियों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी सुरक्षा बलों को सौंपे। इनमें एक एलएमजी इंसास, चार इंसास राइफल, नौ



एसएलआर, एक बोल्ट एक्शन राइफल, एक पिस्टल, 31 मैगजीन, 2987 कारतूस और आठ वॉकी-टॉकी शामिल हैं। सुरक्षा बलों के लगातार अभियान और झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर मुख्यधारा में लौटने वालों में भाकपा माओवादी संगठन के सात सब जोनल कमांडर, सात एरिया कमांडर और 13 सक्रिय कैडर शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले प्रमुख इनामी नक्सलियों में गादी मुंडा उर्फ गुलशन, नागेंद्र मुंडा उर्फ प्रभात मुंडा, रेखा मुंडा उर्फ जयंती, सागेन आंगारिया उर्फ दोकोल और सुलेमान हांसदा उर्फ सुनी हांसदा के नाम शामिल हैं। जेजेएमपी संगठन के सचिन बेक ने भी हथियार डाल दिए। इनके अलावा दर्शन उर्फ बिंज हांसदा, करण तियू उर्फ डांगुर, बासुमती जेराई उर्फ बासू, बैजनाथ मुंडा, रघु कायम उर्फ गुणा, किशोर सिरका उर्फ दुर्गा सिरका और राम दयाल मुंडा समेत कई अन्य उग्रवादी भी मुख्यधारा में लौटे हैं।

सरेंडर करने वाली महिला कैडरों में वंदना उर्फ शांति, सुनिता सरदार, सपना उर्फ सुरू कालुंडिया और अनिशा कोड़ा उर्फ रानी सहित कई नाम शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को राज्य सरकार की पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता और पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

राजनाथ सिंह ने सियोल के इमजिनगैक पार्क में भारतीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन किया

कोरियाई युद्ध की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बनाया गया है यह स्मारक

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की यात्रा के आखिरी दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सियोल के इमजिनगैक पार्क में भारतीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन किया। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कोरियाई प्रायद्वीप में शांति और मानवीय सहायता के

• भारतीय युद्ध स्मारक का निर्माण उसी क्षेत्र में किया गया है, जहां सितंबर 1954 में सीएफआई ने 'हिंद नगर' की स्थापना की थी

क्षेत्र में भारत के अमिट योगदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का साझा इतिहास और बलिदान भारत-कोरिया विशेष रणनीतिक साझेदारी की मजबूत नींव बने हुए हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ दक्षिण कोरिया के पूर्व सैनिक मामलों के मंत्री क्वोन ओह-यूल भी भारतीय युद्ध स्मारक के उद्घाटन में शामिल हुए। यह स्मारक कोरियाई युद्ध की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बनाया



गया है, ताकि युद्ध के दौरान भारतीय सेना की 60 पैरा फील्ड एम्बुलेंस और कस्टोडियन फोर्स ऑफ इंडिया (सीएफआई) के साहस, बलिदान और मानवीय सेवा को श्रद्धांजलि अर्पित की जा सके। दोनों मंत्रियों ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके उन बहादुर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी, जिनकी सेवा को कोरिया गणराज्य के लोग आज भी गहरे सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद करते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिकों की भूमिका को याद करने से लोगों के बीच आपसी समझ मजबूत होते हैं और दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों पर नए सिरे से ध्यान जाता है। स्मारक की स्थापना में बहुमूल्य सहयोग के लिए उन्होंने कोरिया गणराज्य की सरकार, विशेष रूप से पूर्व सैनिक मामलों के मंत्रालय के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। दक्षिण कोरिया के पूर्व सैनिक मामलों के मंत्री ने कोरियाई युद्ध के दौरान भारत की भूमिका की सराहना की। कोरियाई युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों को सम्मानित करने और उनके बीच आदान-प्रदान को मजबूत करने के उद्देश्य से दोनों मंत्रियों ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सैनिकों के निःस्वार्थ बलिदान की स्मृति में एक संस्मरण भी जारी किया गया।

खाकी में मानवीय चेहराः भीनमाल डीएसपी शंकरलाल मंसूरिया ने दिव्यांग बच्चों संग केक काट लगाया खुशियों का मेला, छात्रावास में किया पौधारोपण



महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल। पुलिस की सख्त छवि से इतर एक बेहद संवेदनशील और मानवीय चेहरा उस वक्त देखने को मिला, जब भीनमाल पुलिस उप अधीक्षक (डीएसपी) शंकरलाल मंसूरिया ने अपना जन्मदिवस तामझाम और फिजूलखर्ची से दूर रहकर समाज के वंचित और दिव्यांग बच्चों के बीच मनाया। डीएसपी मंसूरिया ने स्थानीय अर्पण दिव्यांग सेवा संस्थान पहुंचकर विशेष बच्चों के संग समय बिताया, जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे।

मिठाई खिलाकर बांटी खुशियां, बच्चों ने दिया दुआओं का उपहार

जन्मदिवस के इस सेवामयी कार्यक्रम के दौरान डीएसपी शंकरलाल मंसूरिया ने संस्थान के सभी दिव्यांग बच्चों को अपने हाथों से मिठाई खिलाई और सुरुचिपूर्ण भोजन प्रसादी वितरित की। पुलिस अधिकारी को अपने बेहद करीब और इतने दोस्ताना अंदाज में पाकर बच्चों का उत्साह चरम पर था। बच्चों ने भी तालियां बजाकर और अपनी मासूम मुस्कान के साथ डीएसपी को जन्मदिन की बधाई दी और उनके सुखद भविष्य की कामना की। इस दौरान पूरा संस्थान सेवा भाव और सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर नजर आया।

पर्यावरण संरक्षण का संदेशः मेघवाल छात्रावास में किया वृक्षारोपण

अपने जन्मदिवस को यादगार और समाज के लिए उपयोगी बनाने के संकल्प के साथ डीएसपी मंसूरिया इसके बाद स्थानीय मेघवाल छात्रावास पहुंचे। वहां उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण किया। उन्होंने उपस्थित युवाओं और नागरिकों से अपील की कि हर व्यक्ति को अपने जीवन के विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और पेड़ बनने तक उसकी देखभाल भी करनी चाहिए।

शहर के गणमान्य नागरिकों और व्यापारियों ने दी बधाई

इस अनूठी और प्रेरक पहल की सराहना करने के लिए शहर के कई प्रमुख व्यवसायी, समाजसेवी और गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी ने डीएसपी मंसूरिया को साफा पहनाकर और मालाएं अर्पण कर जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस गरिमामयी अवसर पर संयुक्त व्यापार संघ अध्यक्ष नरेश अग्रवाल, पूर्व खाद्य व्यापार संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश माहेश्वरी, प्रख्यात समाजसेवी गुमानमल सेठ, सुंधा माताजी माली समाज अध्यक्ष भंवरलाल माली, बाबूलाल माली, राकेश बिश्नोई, एडवोकेट दिनेश हिंगड़ा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी, प्रबुद्ध जन और छात्रावास के छात्र उपस्थित रहे। सभी ने पुलिस उप अधीक्षक के इस सेवा कार्य की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

बनासकांठा बॉर्डर बना 'ग्रीन कॉरिडोर': राजनीतिक रसूख और खाकी की शह पर गुजरात में करोड़ों के ड्रग्स-शराब की 'सिस्टमैटिक' घुसपैठ!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/बनासकांठा। गांधी के गुजरात में शराबबंदी के नियमों की धज्जियां उड़ाने वाला एक ऐसा खौफनाक सच सामने आया है, जो सूबे की कानून-व्यवस्था को पूरी तरह कटघरे में खड़ा करता है। राजस्थान से गुजरात की सीमा में प्रवेश करने वाले शराब और ड्रग्स से लदे कंटेनर किसी चोरी-छिपे नहीं, बल्कि उत्तर गुजरात के एक दिग्गज राजनीतिक नेता के सगे भाई के इशारे पर और उसके बेहद करीबी 'खास' आदमी सुरेश चौधरी की देखरेख में धड़ल्ले से एंट्री कर रहे हैं। चौधरी समाज के इस बड़े नेता का वरदहस्त होने के कारण, जिले का कोई भी अधिकारी सुरेश चौधरी के खिलाफ उंगली उठाने की हिम्मत तक नहीं कर पा रहा है। विश्वसनीय सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार, बनासकांठा के पुलिस अधीक्षक प्रशांत सुंबे का कथित मुख्य 'वहीवटदार' (बिचौलिया/वसूलीबाज) माना जाने वाला सुरेश चौधरी पूरे जिले में बुटलेगरों (शराब तस्करों) से लाखों-करोड़ों रुपये की अवैध वसूली का नेटवर्क चला रहा है। नेता के भाई की छत्रछाया के चलते सुरेश चौधरी इतना ताकतवर हो चुका है कि चर्चा यहां तक है कि उसे बिना किसी अड़चन के हफ्ता वसूलने के लिए खुद SP बंगले में ही पनाह दी गई है! आशंका



जताई जा रही है कि इस काली कमाई का एक बड़ा हिस्सा गृह मंत्रालय के उच्च स्तर तक भी पहुंच रहा है। दूसरी तरफ, रेंज आईजी साहब के नाम पर अवैध वसूली करने के लिए पूर्व LCB कर्मचारी राजेश परमार और रेंज आईजी सेल के पीएसआई एस. जे. परमार को मैदान में उतारा गया है। ये दोनों जवान पहले बनासकांठा एलसीबी में लंबे समय तक तैनात रह चुके हैं, जिसके कारण उन्हें हर एक बुटलेगर की कुंडली पता है। यह जोड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी सुरेश चौधरी और उसकी सिंडिकेट तक पहुंचाती है। राजनीतिक रसूख और खाकी की मिलीभगत से जिले की इन पांच सबसे संवेदनशील सीमाओं को बुटलेगरों के लिए पूरी तरह खोल दिया गया हैः गुंदरी बॉर्डर और नेनावा बॉर्डर अमीरगढ़ चेकपोस्ट अंबाजी छापरी बॉर्डर और जांबूडी चेकपोस्

बेखौफी की हदः सुरेश चौधरी खुद तय करता है कि कौन सा कंटेनर कब और किस समय बॉर्डर पार करेगा। इतना ही नहीं, इन कंटेनरों की सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए 'स्पेशल प्रोटेक्शन' के तौर पर गाड़ी के अंदर एक पुलिसकर्मी को बिठाया जाता है, जो जिला या थाना क्षेत्र बदलते ही बदल जाता है!

'महानगर मेट्रो' के तीखे सवालः बड़े मगरमच्छों को क्यों बचा रहा है सुरेश?

1 सुरेश चौधरी छोटे-मोटे बुटलेगरों को पकड़वाकर बड़े पैमाने पर तस्करी करने वाले मगरमच्छों को संरक्षण क्यों दे रहा है?

2 चौधरी समाज के वो दिग्गज नेता कौन हैं, जिनके खौफ और रसूख के आगे उच्च पुलिस अधिकारी भी नतमस्तक हैं?

3 क्या SP प्रशांत सुंबे और रेंज आईजी वाकई इस पूरे खेल से अनजान हैं या यह सब जानबूझकर अनदेखा किया जा रहा है?

अधिकारियों का लचर रवैयाः साधी चुप्पी

जब इस महा-खुलासे को लेकर बनासकांठा SP साहब से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने फोन उठाने की जहमत नहीं उठाई। वहीं, LCB PI ने 'कार्रवाई चल रही है' कहकर पल्ला झाड़ लिया, जबकि रेंज आईजी ने इस पूरे मामले से अनभिज्ञता जताई है।

पूरे जिले में वहीवटदार सुरेश चौधरी और उसके आका (नेता के भाई) का इतना खौफ है कि कोई भी अधिकारी खुलकर बोलने को तैयार नहीं है। जानकारों का मानना है कि यदि इस मामले की जांच सीधे गांधीनगर (मुख्यालय) से नहीं कराई गई, तो सरहदी जिला बनासकांठा गुजरात के युवाओं को बर्बाद करने वाला ड्रग्स और शराब का मुख्य केंद्र बन जाएगा।

दिल्ली एम्स में दोबारा पोस्टमार्टम की अर्जी कोर्ट ने खारिज की, लेकिन सीएम मोहन यादव ने की सीबीआई जांच की सिफारिश!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बहुचर्चित ट्विशा शर्मा रहस्यमय मौत मामले में एक साथ दो बड़े मोड़ सामने आए हैं। इस हाई-प्रोफाइल केस में एक तरफ भोपाल की स्थानीय अदालत ने दिल्ली एम्स में ट्विशा के शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराने की परिवार की याचिका को तकनीकी आधार पर खारिज कर दिया है। तो दूसरी तरफ, इस मामले की गंभीरता को देखते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कड़ा रुख अपनाया है। सीएम यादव ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए केंद्र सरकार को सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन जांच की सिफारिश भेजने की आधिकारिक मंजूरी दे दी है, जिससे आरोपी पक्ष में खलबली मच गई है।

भोपाल कोर्ट का अवलोकनः एम्स की रिपोर्ट पर सवाल नहीं

भोपाल स्थित ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अनुदिता गुप्ता की अदालत ने परिवार की दोबारा पोस्टमार्टम की अर्जी पर फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि ट्विशा शर्मा का प्राथमिक पोस्टमार्टम भोपाल की ही एम्स जैसी अत्यंत प्रतिष्ठित और आधुनिक



चिकित्सा संस्थान के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा किया गया है। इस संस्थान की विश्वसनीयता पर शक करने का कोई कारण नहीं है। इसलिए दिल्ली में दोबारा पोस्टमार्टम की अनुमति नहीं दी जा सकती।

परिवार की 5 मांगों में से 4 पर मुख्यमंत्री की मुहर

न्याय के लिए भटक रहे ट्विशा शर्मा के पीड़ित परिवार ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर उनके सामने मुख्य 5 मांगों का पत्र रखा था। परिवार की मांगें इस प्रकार थीं:

1 पूरे मामले की सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन द्वारा गहराई से जांच कराई जाए।

2 केस में आरोपी और सेवानिवृत्त जज, ट्विशा की सास गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका का अदालत में कड़ा विरोध कर उसे खारिज कराया जाए।

3 घटना के बाद से ही लगातार फरार चल रहे ट्विशा के पति समर्थ सिंह की तत्काल गिरफ्तारी की जाए।

4 दिल्ली में दोबारा नए सिरे से पोस्टमार्टम कराने की प्रशासनिक मंजूरी मिले।

5 पार्थिव देह के स्थानांतरण और अन्य प्रक्रियाओं के लिए सरकार द्वारा लॉजिस्टिक्स सहायता प्रदान की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परिवार का दर्द सुनने के बाद इन पांच में से 4 मुख्य बिंदुओं पर अपनी सहमति दे दी है। केवल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में आने वाले दूसरे पोस्टमार्टम के मुद्दे को छोड़कर सरकार ने सीबीआई जांच सहित सभी मांगें स्वीकार कर ली हैं। मुख्यमंत्री की इस कड़ी कार्रवाई के बाद अब इस हाई-प्रोफाइल केस में न्याय की उम्मीद और मजबूत हुई है और आने वाले दिनों में बड़े खुलासे होने की संभावना है।

रीवा में तेज रफ्तार कार ने जैन साध्वियों को रौंदा; एक की मौके पर मौत, दूसरी ने अस्पताल में तोड़ा दम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। मध्यप्रदेश के रीवा जिले से एक बेहद दर्दनाक और मानवता को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत कलेक्ट्रेट कार्यालय के समीप बुधवार सुबह एक अन नियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने पैदल विहार कर रही जैन साध्वियों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण सड़क हादसे में आचार्य विद्यासागर महाराज की शिष्या आर्यिका 105 श्रुतमति माताजी (निवासी सागर) का मौके पर ही अत्यंत दुखद निधन हो गया। वहीं, गंभीर रूप से घायल एक अन्य आर्यिका माताजी ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। तीसरी साध्वी उपशममति माताजी गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका इलाज अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना बुधवार सुबह लगभग 5:45 बजे की है, जब तीनों जैन साध्वियां सड़क के किनारे-किनारे पैदल विहार कर रही थीं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन की चपेट में आते ही संत समाज और श्रद्धालुओं में चीख-पुकार मच गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी चालक कार सहित मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना स्थल से करीब 270 किलोमीटर दूर जबलपुर के पास बदोरिपर टोल प्लाजा से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल, स्थायी प्रोटोकॉल की मांग

इस दुखद घटना पर भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट ने गहरा शोक व्यक्त किया है। ट्रस्ट ने संतों की सुरक्षा व्यवस्था में हुई इस चूक को अत्यंत चिंताजनक बताया है। ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंह यादव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को संदेश भेजकर मांग की है कि:

जैन संतों और साध्वियों के विहार मार्गों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस सहायता सुनिश्चित की जाए। संतों के रूट पर ट्रैफिक नियंत्रण के कड़े नियम लागू हों। दोषियों के खिलाफ ऐसी कठोर कानूनी कार्रवाई हो जो मिसाल बने, ताकि भविष्य में ऐसी हृदयविदारक घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। संत समाज धर्म विशेष की नहीं, संस्कृति की धरोहरः संगठन संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों–शिवम तिवारी, कृष्णा यादव, डॉ. प्रेम कुमार वैद्य, रामवेश सिंह राजावत, अनीता दुबे, युवराज सिंह राठौर, मनीष गुप्ता एवं जीवनलाल जैन (चाय वाले) ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि संत समाज किसी धर्म विशेष की आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि वे भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों के आधार स्तंभ हैं। ट्रस्ट ने स्थानीय प्रशासन और सभी सामाजिक संगठनों से भावुक अपील की है कि वे आगे आएं और संतों के सुरक्षित विहार के लिए विशेष 'सेवा दल' का गठन करें तथा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएं। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट ने दिवंगत पूज्य माताजी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घायल माताजी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

(महानगर मेट्रो न्यूज़ ब्यूरो)

इंदौर में निगम की कार्रवाई पर फूटा गुस्सा, आम विक्रेता ने बीच सड़क पर गले पर चाकू रखकर मांगी 'बड़ी लूट' से आजादी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो



इंदौर। मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में नगर निगम की रिमूवल गैंग की कार्रवाई एक बार फिर बड़े विवादों के घेरे में आ गई है। शहर में अतिक्रमण हटाने पहुंची निगम की टीम के सामने एक आम विक्रेता का ठेला हटाए जाने के बाद अचानक माहौल इतना गर्म हो गया कि वहां जमकर हंगामा खड़ा हो गया। कार्रवाई से बुरी तरह नाराज और हताश हो चुके ठेला संचालक ने निगम की टीम पर सरेआम 'बड़ी लूट' का बेहद गंभीर आरोप लगाया। इस खौफनाक मंजर को देखकर मौके पर मौजूद लोगों के हाथ-पैर फूल गए।

गले पर चाकू और 'आम की लूट' का शोर, मौके पर मची अफरा-तफरी

प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के अनुसार, नगर निगम की टीम जैसे ही सड़क किनारे लगे ठेले को जब्त करने पहुंची, ठेला संचालक का सब्र टूट गया। युवक लगातार चिल्लाता रहा कि 'आम का ठेला, आम की लूट'। उसकी चीख-पुकार सुनकर देखते ही देखते वहां सैकड़ों राहगीरों और स्थानीय दुकानदारों की भारी भीड़ जमा हो गई। युवक के हाथ में चाकू और उसके तेवर देखकर स्थिति बेहद तनावपूर्ण और संवेदनशील हो गई थी। माहौल बिगड़ता देख आसपास के कुछ समझदार नागरिकों ने अपनी जान जोखिम में डालकर उसे समझाने और शांत करने की कोशिश की। इसी बीच किसी ने स्थानीय पुलिस को भनक दी, जिसके बाद पुलिस और निगम के आला अधिकारी तुरंत मौके पर दौड़े।

मानवीय संवेदनाओं को ताक पर रख रहा निगम? जनता में भारी रोष

इंदौर में हुई इस दिल दहला देने वाली घटना ने एक बार फिर सड़क किनारे छोटा-मोटा व्यापार करके अपना पेट पालने वाले गरीब विक्रेताओं की सुरक्षा और नगर निगम की बर्बर कार्रवाई के तरीकों पर बहुत बड़े सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। घटना को लेकर स्थानीय निवासियों और प्रत्यक्षदर्शियों में निगम प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का साफ कहना है कि शहर को साफ-सुथरा और अतिक्रमण मुक्त बनाना प्रशासनिक मजबूरी हो सकती है, लेकिन कार्रवाई के दौरान मानवीय संवेदनाओं और किसी गरीब की रोजी-रोटी का भी ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है। इस तरह की एकतरफा और उग्र कार्रवाई किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है कि आखिर विवाद किस स्तर तक बढ़ा था।

भाजपा में महा-भूचाल! पूर्व गृह मंत्री हिम्मत कोठारी का अपनी ही सरकार के खिलाफ हल्लाबोल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश भाजपा में इस वक्त एक ऐसा राजनीतिक भूचाल आ चुका है जिसकी गूंज सीधे दिल्ली आलाकमान तक सुनाई दे रही है। सूबे की राजनीति के चाणक्य और प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री हिम्मत कोठारी ने अपनी ही सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है। भ्रष्टाचार और सुनवाई न होने से क्षुब्ध होकर वरिष्ठ नेता हिम्मत कोठारी रतलाम एसपी ऑफिस के बाहर कड़कड़ाती धूप में धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने दो टूक शब्दों में अपनी ही पार्टी को अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि, 'अगर मुझे और पीड़ित जनता को न्याय नहीं मिला, तो मैं भारतीय जनता पार्टी छोड़ दूंगा।' इस एक बयान ने मध्य प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी के भीतर खलबली मचा दी है। क्यों धरने पर बैठे पूर्व गृह मंत्री? क्या है पूरा मामला? सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पूर्व गृह मंत्री हिम्मत कोठारी पिछले काफी समय से स्थानीय स्तर पर पुलिस और प्रशासन की तानाशाही, भ्रष्टाचार और आम जनता की सुनवाई न होने से बेहद आहत थे। कई गंभीर मामलों में न्याय की गुहार लगाने के बावजूद जब जिला प्रशासन और पुलिस कप्तान ने उनके दावों और शिकायतों को ठंडे बस्ते में डाल दिया, तो इस कद्दावर नेता का धैर्य जवाब दे गया। हिम्मत कोठारी ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि आज की तारीख में रसूखदारों और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और रक्षक ही भक्षक बन बैठे हैं। जब सूबे के पूर्व गृह मंत्री को अपनी बात मनवाने के लिए धरने पर बैठना पड़ रहा है, तो आम आदमी की क्या बिसात होगी, इस बात ने पूरी सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। 'अब सिर्फ न्याय होगा...' बीजेपी संगठन और सरकार के उड़े तोते जैसे ही हिम्मत कोठारी के एसपी ऑफिस के बाहर धरने पर बैठने और पार्टी छोड़ने की धमकी की खबर वायरल हुई, भोपाल से लेकर रतलाम तक प्रशासनिक और राजनीतिक महकमे में हड़कंप मच गया। बीजेपी के वरिष्ठ संगठन नेता तुरंत डैमेज कंट्रोल में जुट गए हैं। स्थानीय पुलिस अधिकारियों के हाथ-पैर फूल गए हैं और वे बंद कमरों में मिन्नतें करने को मजबूर हैं। हिम्मत कोठारी ने साफ कर दिया है कि यह लड़ाई किसी पद के लिए नहीं, बल्कि सिद्धांतों और न्याय के लिए है। उन्होंने साफ कहा कि अब कोई समझौता नहीं होगा, जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। विपक्ष हमलावर, क्या डैमेज कंट्रोल कर पाएंगे सीएम? बीजेपी के इस आंतरिक विस्फोट ने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को सरकार को घेरने का सबसे बड़ा और घातक हथियार दे दिया है। विपक्ष का कहना है कि जो सरकार अपने पूर्व गृह मंत्री को सुरक्षा और न्याय नहीं दे सकती, वह प्रदेश की साढ़े सात करोड़ जनता को क्या खाक न्याय देगी?

सीएम यादव के अपने विधायक ने खोल दी सरकार की पोल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की सियासत और प्रशासनिक हलकों में इस वक्त एक बहुत बड़ा भूचाल आया हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन में करोड़ों रुपए की सरकारी जमीन की बंदरबांट का एक ऐसा खौफनाक और हैरान करने वाला खेल सामने आया है, जिसने सूबे की कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के दावों की धज्जियां उड़ा कर रख दी हैं। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली और घातक बात यह है कि इस महा-घोटाले का पर्दाफाश किसी विपक्षी दल ने नहीं, बल्कि खुद बीजेपी के ही एक कद्दावर विधायक ने अपनी सरकार की फाइलों को सरेआम खोलकर कर दिया है। इस खुलासे के बाद अब यह बड़ा सवाल गूंज रहा है– क्या मध्य प्रदेश में बीजेपी के रसूखदार नेता और अफसर मिलकर जमीनों का खूनी खेल खेल रहे हैं?

करोड़ों की जमीन, अपनों में बंदरबांटः क्या है पूरा खेल?

सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार, उज्जैन के प्राइम लोकेशन पर स्थित करोड़ों रुपए की बेशकीमती सरकारी और नजूल की जमीनों को नियमों को ताक पर रखकर रसूखदारों, चहेते बिल्डरों और रसूखदार सिंडिकेट के हवाले कर दिया गया। इस पूरे खेल में राजस्व विभाग के बड़े अधिकारियों और सत्ताधारी दल के कुछ नेताओं की मिलीभगत के गंभीर आरोप लगे हैं। कौड़ियों के दाम पर सरकारी संपत्ति की इस बंदरबांट की गूंज जैसे ही गलियारों में पहुंची, खुद बीजेपी विधायक ने मोर्चा संभाल लिया और अपनी ही सरकार के तंत्र को कटघरे में खड़ा कर दिया।

अपनों ने ही घेराः सीएम यादव के सामने बड़ी मुसीबत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हमेशा भूमाफियाओं पर बुलडोजर चलाने और कड़ा रुख अपनाने का दावा करते हैं, लेकिन जब उनके अपने ही विधायक ने उज्जैन में हो रहे इस खेल की पोल खोली, तो पूरी सरकार बैकफुट पर आ गई है। विधायक ने सीधे तौर पर प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यशैली और नीयत पर उंगली उठाई है। जनता इस वक्त बेहद आक्रोश में है और उसकी नजरें अब भोपाल की ओर टिकी हैं।

12 दिनों में सरकार के 12 बड़े फैसले; सभी मदरसों में 'वंदे मातरम' अनिवार्य, गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध और सीएए लागू!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता/नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की सियासत और प्रशासनिक व्यवस्था में इस वक्त एक ऐसा ऐतिहासिक भूचाल आ चुका है, जिसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। सरकार ने सत्ता संभालते ही महज 12 दिनों के भीतर 12 ऐसे बड़े और कड़े फैसले लिए हैं, जिन्होंने राज्य की दशकों पुरानी राजनीतिक और सामाजिक दिशा को पूरी तरह बदल कर रख दिया है। इन फैसलों में राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक गौरव और दशकों से लंबित कानूनों को अमलीजामा पहनाने की प्रतिबद्धता साफ दिखाई दे रही है। इस ताबड़तोड़ प्रशासनिक कार्रवाई के बाद जहां राष्ट्रवादियों में भारी उत्साह है, वहीं तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले खेमों में हड़कंप मच गया है। अब पश्चिम बंगाल के तमाम मदरसों में 'वंदे मातरम' का गायन अनिवार्य कर दिया गया है। सरकार का साफ मानना है कि राष्ट्रीय भावना और मातृभूमि का सम्मान हर शैक्षणिक संस्थान में सर्वोपरि होना चाहिए। इसके साथ ही, बहुप्रतीक्षित नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए (ष्ट) को राज्य में पूरी तरह लागू कर दिया गया है,



जिससे सालों से प्रताड़ित शरणार्थियों को उनका वास्तविक अधिकार और नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो गया है। सांस्कृतिक अड़चनों को दूर करते हुए सरकार ने राज्य में गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। नए नियमों के मुताबिक, अब गोवंश की हत्या और अवैध तस्करी करने वालों के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस फैसले से अवैध कत्लखानों और सीमा पार होने वाली पशु तस्करी के सिंडिकेट की कमर टूटनी तय मानी जा रही है।

राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकताः बीएसएफ को मिली जमीन

सीमा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय घुसपैठ को लेकर हमेशा से संवेदनशील रहे पश्चिम बंगाल में अब देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। सीमा पर कंटीली तार (फेन्सिंग) लगाने के काम में आ रही जमीनी बाधाओं को सरकार ने चुटकियों में खत्म कर दिया है। सरकार ने सीमा सुरक्षा बल को फेंसिंग के काम के लिए जरूरी जमीन तत्काल प्रभाव से आवंटित कर दी है। इस फैसले से भारत-बांग्लादेश सीमा पूरी तरह सुरक्षित हो सकेगी और अवैध घुसपैठ के साथ-साथ राष्ट्रविरोधी तत्वों की आवाजाही पर हमेशा के लिए लगाम लग जाएगी। महज 12 दिनों में लिए गए ये 12 फैसले साफ संकेत देते हैं कि अब पश्चिम बंगाल में कानून का राज और राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में इन फैसलों का जमीन पर क्या असर होता है, इस पर अब पूरे देश की नजरें टिकी हुई हैं। (महानगर मेट्रो न्यूज ब्यूरो, कोलकाता)

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, आदतन अपराधी और लिस्टेड गुंडा कृष्णा रजक 86 पौआ अवैध

महानगर मेट्रो ब्यूरो



राजनांदगांव। अवैध शराब तस्करी और असामाजिक तत्वों के खिलाफ राजनांदगांव पुलिस ने एक बार फिर कड़ा रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर तथा नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेण्डर किरों के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना प्रभारी निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर छापेमारी कर कैलाश नगर निवासी आदतन अपराधी कृष्णा रजक को अवैध शराब के साथ रंगे हाथों दबोच लिया।

भारी मात्रा में गोवा शराब जब्त

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी अवैध रूप से शराब बेचने की फिराक में है। सूचना पर त्वरित एक्शन लेते हुए पुलिस ने रेड की कार्रवाई की। आरोपी कृष्णा रजक के कब्जे से 86 पौआ गोवा शराब (कुल मात्रा 12.040 लीटर, अनुमानित कीमत 12,340 रुपये) जब्त की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34 (2) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया, जिसके बाद माननीय न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

थाने का 'लिस्टेड गुंडा' है आरोपी, दर्ज हैं 16 से ज्यादा मामले

पकड़ा गया आरोपी कृष्णा रजक कोतवाली थाने का रिकॉर्डेड और सूचीबाद्ध गुंडा-बदमाश है। वह इलाके में लगातार अपराधों को अंजाम देता आ रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पहले से ही मारपीट, गाली-गलौज, जुआ, आर्म्स एक्ट और अवैध शराब बिक्री के कुल 16 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं: मारपीट और आर्म्स एक्ट: वर्ष 2019, 2021 और 2022 में आरोपी पर धारा 294, 323, 506, 325, 324 और 34 (भादवि) के तहत कई मामले दर्ज हुए। वर्ष 2022 में इसके खिलाफ 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई थी। आबकारी और जुआ एक्ट: आरोपी लगातार अवैध शराब के धंधे में लिप्त रहा है। इसके खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(1), 34(2), 36(च) और जुआ एक्ट के तहत वर्ष 2019 से लेकर 2024 तक लगातार (अपराध क्र. 539/19, 631/23, 652/23, 02/24, 140/24, 260/24, 443/24, 624/24) चालान पेश किए जा चुके हैं।श

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस सफल कार्रवाई में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह, साइबर प्रभारी निरीक्षक विनय पामर, सहायक उपनिरीक्षक (सउनि) इसराफिल खान, प्रधान आरक्षक संदीप चौहान, आरक्षक अविरल भगत, अश्वनी ठाकुर और महिला आरक्षक वर्षा ध्रुव की विशेष व सराहनीय भूमिका रही।

अहमदाबादः बुलेट ट्रेन ऑपरेशन के कारण रात में बंद रहेगा कालूपुर ब्रिज, जानें दूसरा रास्ता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में गाड़ी चलाने वालों के लिए एक ज़रूरी खबर सामने आई है, जिसमें शहर के बिज़ी कालूपुर ब्रिज यानी श्री मनुभाई परमार ओवरब्रिज पर 22/05/2026 से 25/05/2026 तक रात में ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया है। अहमदाबाद शहर पुलिस ने इस बारे में एक नोटिफिकेशन जारी किया है और लोगों से रात में दूसरे रास्तों का इस्तेमाल करने की अपील की है। इस ब्रिज को बंद रखने का मुख्य कारण बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का चल रहा कंस्ट्रक्शन है। साबरमती से वटवा तक के रूट पर पायलटिंग और सेगमेंटेशन का काम किया जा रहा है। इस ऑपरेशन के तहत, क्योंकि कालूपुर ब्रिज से गुज़रने वाले बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर एक भारी सेगमेंट लगाया जाना है, इसलिए सुरक्षा के तौर पर यह सड़क सिर्फ़ 00:00 बजे से 06:00 बजे तक बंद रहेगी। इस ऑपरेशन के दौरान, कालूपुर सर्किल ब्रिज के आखिर से कालूपुर ब्रिज पर बने छोटे सर्किल तक करीब 500 मीटर का रास्ता गाड़ियों के आने-जाने के लिए पूरी तरह बंद रहेगा। जिसकी वजह से एडमिनिस्ट्रेशन ने ये दूसरे रास्ते तय किए हैं। नरोदा रोड और सरसपुर से कालूपुर सर्किल जाने के लिए, गाड़ी चलाने वाले सरसपुर सर्किल से नूतन मिल रोड, वोराना रोजा, डॉ. अंबेडकर फ्लाईओवर (चामुंडा ब्रिज), सिविल हॉस्पिटल रोड, GIDC गिरधरनगर चौराहा और बाबू जगजीवनराम ब्रिज होते हुए ईदगाह रोड से कालूपुर सर्किल जा सकेंगे।

रखियाल-गोमतीपुर से कालूपुर सर्किल जाने के लिए

सरसपुर सर्किल से गुरुद्वारा रोड, चारतोड़ा कब्रिस्तान रोड, रखियाल चौराहा, मुर्गा सर्किल, अपैरल पार्क मेट्रो स्टेशन, अनुपम सिनेमा रोड, अनुपम ब्रिज और कांकरिया रोड होते हुए सारंगपुर सर्किल से कालूपुर सर्किल जा सकेंगे।

रिलीफ़ रोड और दिल्ली दरवाज़ा से नरोदा-सरसपुर की तरफ़ जाने के लिए

कालूपुर सर्कल से, फ्रूट मार्केट, पंचकुवा, ईदगाह रोड, बाबू जगजीवनराम ब्रिज, गिरधरनगर चौराहे से होकर सिविल हॉस्पिटल रोड, मोहन सिनेमा, चमनपुरा चौराहे और अंबेडकर ब्रिज पर दाएँ मुड़ सकते हैं।

अस्टोडिया-रायपुर से रखियाल की तरफ़ जाने के लिए

आप मुर्गा सर्कल से रखियाल की तरफ़ कागदापीठ पुलिस स्टेशन, वाणिज्य भवन, कांकरिया रोड, अनुपम ब्रिज, अपैरल पार्क मेट्रो स्टेशन और सुखराम चार रास्ता होते हुए जा सकते हैं। नरोदा हॉस्पिटल रोड से सरसपुर-गोमतीपुर की तरफ़ आने-जाने वाला ट्रैफ़िक कालूपुर ब्रिज के ऊपर से गुज़र सकेगा।

'जयेशभाई जोरदार' का गुजराती एक्टर निकला मर्डर का वॉन्टेड आरोपी, 12 साल बाद पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे शातिर क्रिमिनल को गिरफ्तार किया है जिसकी कहानी किसी फिल्म की स्क्रिप्ट जितनी ही दिलचस्प है। एक आर्टिस्ट बनकर मुंबई में एक दशक से ज़्यादा समय से फरार चल रहा एक उम्रकैद का सजायाफ्ता कैदी आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ ही गया। घी कांटा मेट्रो स्टेशन के पास पकड़े गए हेमंत मोदी नाम के गुजराती आर्टिस्ट की असली पहचान सामने आने पर खुद पुलिस ऑफिसर भी हैरान रह गए। मिली जानकारी के मुताबिक, यह पूरा क्रिमिनल केस साल 2005 में शुरू हुआ था, जब हेमंत मोदी ने अहमदाबाद के नरोदा इलाके में एक बेरहमी से मर्डर किया था। कोर्ट ने उसे इस केस में दोषी पाया और उम्रकैद की सज़ा सुनाकर मेहसाणा जेल भेज दिया। जेल में रहने के दौरान मेंटली टूट चुके हेमंत ने अपनी पत्नी को भी तलाक दे दिया था, क्योंकि उसे लगा था कि अब उसकी पूरी ज़िंदगी सलाखों के पीछे ही खत्म हो जाएगी। हालांकि, साल 2014 में उसे कोर्ट से पैरोल मिल गई। जेल से बाहर आते ही, वापस लौटने के बजाय, उसने हमेशा के लिए गायब होने का प्लान बनाया।

दिखावे की राजनीति पर भारी पूजा की मूक सेवा; 6000 लावारिस शवों का किया अंतिम संस्कार, फिर भी समाज मौन!

बिना किसी भेदभाव के श्मशान में लकड़ियां चुनती दिल्ली की इस बहादुर महिला के जज्बे को सलाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद/दिल्ली। आज के इस आधुनिक युग में मानवीय संवेदनाएं जैसे सोशल मीडिया के लाइक्स और राजनीतिक फायदों तक ही सीमित होकर रह गई हैं। जब कोई बड़ा नेता या सेलिब्रेटी अपनी राजनीतिक और सामाजिक छवि को चमकाने के इरादे से किसी के निधन पर शोक व्यक्त करने जाता है, तो पूरी दुनिया और मीडिया उनकी प्रशंसा के पुल बांधने लगते हैं। और नेताजी को दयालु साबित करने की होड़ मच जाती है। लेकिन दूसरी तरफ, दिल्ली की एक आम बेटी पूजा शर्मा ने बिना किसी जात-पात, धर्म या भेदभाव के 6000 से अधिक लावारिस शवों का अपने हाथों से अंतिम संस्कार किया है, फिर भी इस तड़क-भड़क वाले समाज ने इस बहादुर महिला की कद्र करना तो दूर, उन्हें आशीर्वाद देने की भी जहमत नहीं उठाई। यह विरोधाभास हमारे समाज की खोखली मानसिकता को उजागर करता है।

मृत्यु के बाद की असली सहारा बनीं पूजा शर्मा

दिल्ली की रहने वाली पूजा शर्मा के लिए यह सफर बिल्कुल आसान नहीं था। जिस श्मशान घाट पर जाने से लोग सौ बार सोचते हैं, वहां यह बेटी हर रोज ऐसे शवों की अंतियारी करती है जिन्हें अपनाने वाला इस दुनिया में कोई नहीं होता। हादसे, बीमारी या अन्य कारणों से सड़कों पर दम तोड़ देने वाले अनजान लोगों के शव जब अस्पताल के मुर्दाघरों में अपनों की राह तकते हैं, तब पूजा शर्मा उनकी मसीहा बनकर सामने आती हैं। मृतक अगर हिंदू हो तो शास्त्रों के अनुसार अग्निदाह और अन्य धर्म का हो तो उसके रीति-रिवाजों के मुताबिक अंतिम विदाई देकर पूजा ने अब तक 6000 से अधिक आत्माओं को सम्मानजनक विदाई दी है।

नेताओं की 'इमेज बिल्डिंग' बनाम पूजा की 'खामोश सेवा'

समाज में आज किस कदर दिखावा हावी है, यह इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। कोई रसूखदार व्यक्ति किसी के शोक में शामिल होता है तो वह सुर्खियां बटोरता है, क्योंकि वहां कैमरे और पब्लिसिटी का तामझाम होता है। जबकि पूजा शर्मा श्मशान की राख और धुएं के बीच, बिना किसी पब्लिसिटी के मूक सेवा में जुटी रहती हैं। इस काम में कोई ग्लैमर नहीं है, सिर्फ बेसहारा शवों की मर्मभेदी खामोशी और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना है। शायद यही वजह है कि इस स्वार्थी दुनिया ने इस बहादुर महिला को वह सम्मान और स्नेह नहीं दिया जिसकी वह हकदार हैं। समाज ऐसी निःस्वार्थ सेवा को सराहने के बजाय अक्सर अनदेखा कर देता.

महानगर मेट्रो का सीधा सवालः कब जागेगी हमारी चेतना?

पूजा शर्मा जैसे लोग किसी पुरस्कार या सम्मान की भूख के बिना यह काम कर रहे हैं, यह सच है। लेकिन एक सजग समाज के रूप में हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम असली हीरोज और दिखावा करने वाले चेहरों के बीच का अंतर समझें। अगर हम ऐसी जांबाज बेटी के हौसले को सम्मान और संबल प्रदान नहीं कर सकते, तो हमें खुद को एक संवेदनशील समाज कहने का कोई अधिकार नहीं है। पूजा शर्मा की यह अटूट सेवा इस बात का सबूत है कि इंसानियत आज भी जिंदा है, बस उसे देखने वाली समाज की आंखें स्वार्थी हो चुकी हैं।

बंगाल में जैन शिक्षण शिविरों का भव्य समापनः 40 सराक प्रतिभाएं सम्मानित, 2000 बच्चों ने सीखे संस्कार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



बांकुड़ा। परम पूज्य सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के 70वें अवतरण दिवस के पावन अवसर पर उड़ीसा, झारखंड और पश्चिम बंगाल के विभिन्न अंचलों में आयोजित ग्रीष्मकालीन ज्ञान संस्कार बाल शिक्षण शिविरों का भव्य समापन हो गया। आचार्य श्री ज्ञेय सागर जी महाराज, आ. स्वस्ति भूषण माता जी, आ. श्री आर्ष मति माता जी एवं आ. श्री सुज्ञान मति माता जी की पावन प्रेरणा और आशीर्वाद से आयोजित इन शिविरों ने तीन राज्यों के 20 स्थानों पर लगभग 2000 शिविरार्थियों को धर्म और संस्कृति से जोड़ा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ पुरस्कार वितरण

बंगाल प्रांत के पुरुलिया और बांकुड़ा जिले में ब्र. मंजुला दीदी के कुशल निर्देशन में इन शिविरों का समापन विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत आचार्य ज्ञानसागर जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और मंगलाचरण से हुई। शिविर में बच्चों को ज्ञान दर्पण भाग 1, 2, पूजन प्रशिक्षण के साथ-साथ मेहंदी, ड्राइंग और सिलाई का प्रशिक्षण भी दिया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार और सभी शिविरार्थियों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए। इसके साथ ही, कक्षा 10वीं और 12वीं में बेहतरीन अंक हासिल करने वाली 40 स्थानीय सराक प्रतिभाओं को मेडल, प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। 'अहिंसा करुणा' पत्रिका का विमोचन और अतिथियों का सम्मान इस अवसर पर शिविर विशेषांक पत्रिका 'अहिंसा करुणा' का विमोचन किया गया। सफल आयोजन के लिए मुख्य संयोजक मनीष शास्त्री विद्यार्थी (सागर), सह-संयोजक पं. जयकुमार (दुर्ग), पं. राजकुमार शास्त्री (कर्द), पं. शिखर चंद्र जैन (भिलाई) और विदुषी बहन राखी जैन का सराक ट्रस्ट द्वारा विशेष सम्मान किया गया। शीतकालीन शिविरों की तैयारी शुरू: स्थानीय सराक ट्रस्ट के अध्यक्ष गया राम जैन सराक और मंत्री संजय जैन सराक ने इस आयोजन को धर्म प्रभावना के लिए अनुकरणीय बताया और अभी से शीतकालीन शिविरों के लिए आमंत्रण दे दिया। मुख्य संयोजक मनीष शास्त्री ने कहा कि स्थानीय समाज के सहयोग से ही ऐसे आयोजन सफल होते हैं। इस भव्य और सफल आयोजन को भारतवर्षीय दिगंबर जैन सराक ट्रस्ट दिल्ली सहित पश्चिम बंगाल, झारखंड और उड़ीसा के स्थानीय सराक ट्रस्टों के संयुक्त सहयोग से पूर्ण किया गया।

ओधव में रिंग रोड पर स्पा की आड़ में चल रहा कोठा पकड़ा गया, त्रिपुरा की महिलाएं पकड़ी गईं

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। स्पा और बॉडी मसाज पार्लर की आड़ में चल रहे गैर-कानूनी प्रॉस्टिट्यूशन नेटवर्क पर पुलिस ने एक और बड़ा हमला किया है। पुलिस ने ओधव SP रिंग रोड पर एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में चल रहे एक स्पा सेंटर पर छापा मारकर एक गैर-कानूनी कोठे का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने स्पा के मुख्य मालिक, मैनेजर और ग्राहकों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। सूचना के आधार पर एक डमी ग्राहक भेजकर छापा मारा गया पुलिस को खास जानकारी मिली थी कि ओधव SP रोड पर जाह्नवी आर्केड की दूसरी मंजिल पर 'द ब्लिस थाई स्पा' के नाम पर बाहर से महिलाओं को लाकर प्रॉस्टिट्यूशन का काम किया जा रहा है। जानकारी के आधार पर पुलिस ने पंचायत की मौजूदगी में एक डमी ग्राहक तैयार करके उसे स्पा में भेजा। डमी ग्राहक अंदर गया और फिजिकल इंटरकोर्स के लिए एक लड़की की मांग की और जैसे ही डील फाइनल हुई, उसने बाहर नजर रख रही पुलिस टीम को इशारा कर दिया। सिग्नल मिलते ही पुलिस ने स्पा सेंटर पर धावा बोल दिया और ऑपरेशन को अंजाम दिया। मालिक और मैनेजर समेत 3 लोग रंगे हाथों पकड़े गए पुलिस ने स्पा पर छापा मारा और मैनेजर अभिषेक राठौड़ और मुख्य मालिक अफरोज उर्फ सेजू साहिदखान पठान (उम्र 23, निवासी वस्त्राल, मूल रूप से मध्य प्रदेश) और उसके दोस्त कृष्णा को स्पा के काउंटर से रंगे हाथों पकड़ लिया। शुरुआती पूछताछ में पता चला कि मुख्य मालिक अफरोज बाहरी राज्यों से लड़कियों को लाकर उन्हें 20,000 रुपये महीने की सैलरी पर काम पर रखता था और उनसे प्रॉस्टिट्यूशन का धंधा करवाता था।

जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि महाराज का भव्य अभिनंदन; देश भर के संतों और गणमान्य लोगों ने किया स्वागत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के जगतगुरु सनातन सम्राट परम पूज्य स्वामी चक्रपाणि जी महाराज के जगतगुरु पद अलंकरण के उपरांत नई दिल्ली के मंदिर मार्ग स्थित हिंदू महासभा भवन में एक भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में देश भर से पधारे सैकड़ों संत-महात्माओं, भक्तों, हिंदू महासभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्वामी जी का पुष्पमालाओं एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य स्वागत किया।

समारोह में साध्वी विश्व रूपा जी, महामंडलेश्वर राजराजेश्वरानंद जी महाराज, जगद्गुरु प्रपन्नाचार्य जी, राष्ट्र संत जय गोविंदाचार्य जी और महामंडलेश्वर संतोषानंद जी सहित अनेक संत उपस्थित रहे। राजराजेश्वरानंद जी ने स्वामी जी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में सनातन धर्म परम वैभव को प्राप्त करेगा। हिंदू महासभा के विभिन्न राज्यों के अध्यक्षों और पदाधिकारियों ने भी स्वामी जी को बधाई दी और उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने सभी को राष्ट्र, धर्म, गौ और मंदिर रक्षा के लिए आगे आने का संकल्प दिलाया। श्रीराम जन्मभूमि एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि, मथुरा के प्रमुख पक्षकार फलाहारी बाबा जी ने घोषणा की कि आगामी 7 जून को आयोजित होने वाले विशाल सम्मेलन की अध्यक्षता स्वामी चक्रपाणि जी करेंगे। इसके बाद स्वामी जी ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे 7 जून को तालकटोरा स्टेडियम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को मजबूती प्रदान करें। समारोह के दौरान संगठन का विस्तार करते हुए शिवा गोस्वामी को दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष तथा कुलदीप श्रीवास्तव को महामंत्री नियुक्त किया गया। अंत में, स्वामी चक्रपाणि जी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए दिल्ली में शीघ्र ही 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' निकालने की बड़ी घोषणा की। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं ने स्वादिष्ट भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

नवजीवन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल बना लकवा मरीजों के लिए उम्मीद की नई किरण

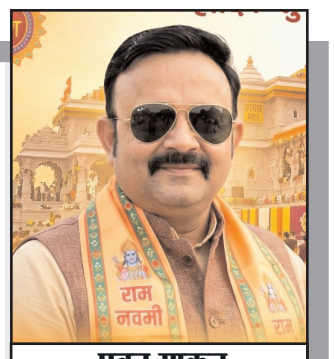


महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कहते हैं कि जब उम्मीदें टूटने लगती हैं तब एक सही इलाज और डॉक्टरों की मेहनत किसी चमत्कार से कम नहीं होती। ऐसा ही एक प्रेरणादायक मामला नवजीवन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल राजनांदगांव में सामने आया जहां लकवा (स्ट्रोक) से जूझ रहे एक मरीज को नया जीवन मिला। महरूमखुर्द बेलकाडीह निवासी मरीज को 17 अप्रैल 2026 शुक्रवार दोपहर लगभग 1:30 बजे गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया। मरीज पूरी तरह बेहोश था और परिजन लगभग उम्मीद खो चुके थे। बताया गया कि मरीज को करीब एक दिन तक अचेत अवस्था में रखने के बाद अस्पताल पहुंचाया गया था। उस समय मरीज का रक्तचाप नहीं आ रहा था तथा शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा भी बेहद कम थी। स्थिति इतनी गंभीर थी कि मरीज की जिंदगी बचाना एक बड़ी चुनौती बन चुकी थी। परिजनों ने बताया कि उन्हें लगने लगा था कि अब मरीज को बचाना संभव नहीं है लेकिन नवजीवन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल पहुंचते ही डॉक्टरों ने तुरंत उपचार शुरू किया। अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. साहू एवं उनकी टीम ने लगातार पांच दिनों तक मरीज का 24 घंटे निगरानी में इलाज किया। मरीज को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया और सही समय पर उचित दवाइयों तथा आधुनिक उपचार पद्धति से इलाज किया गया। करीब दस दिनों तक मरीज का मेडिसीन एवं फिजियोथैरेपी के माध्यम से विशेष उपचार किया गया। डॉक्टरों की मेहनत, समर्पण और सही चिकित्सा का परिणाम यह रहा कि लकवा की गंभीर स्थिति में पहुंचे मरीज ने धीरे-धीरे स्वास्थ्य लाभ लेना शुरू कर दिया। आज वही मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने पैरों पर चलकर घर लौट रहा है। मरीज की बहन ने भावुक होकर कहा हमने तो मरीज को खो दिया था लेकिन यहां उसे नया जीवन मिला है। डॉ. साहू ने बताया कि लकवा के मरीजों के लिए शुरुआती कुछ घंटे बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। यदि मरीज को 4 से 5 घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचा दिया जाए तो थ्रोम्बोलाइसिस प्रक्रिया के माध्यम से दिमाग में रक्त प्रवाह दोबारा शुरू किया जा सकता है। वहीं यदि मरीज 12 घंटे के भीतर पहुंचता है तो थ्रोम्बेक्टॉमी तकनीक से मस्तिष्क में रक्त प्रवाह को पुनः स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि यदि मस्तिष्क में तीन मिनट तक ऑक्सीजन का प्रवाह बंद हो जाए तो हाइपोक्सिक क्षति होने का खतरा बढ़ जाता है जिससे मरीज की स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसलिए लकवा के लक्षण दिखाई देते ही मरीज को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाना बेहद जरूरी है। डॉ. साहू ने कहा कि लकवा के मरीजों के लिए दवाइयों के साथ-साथ फिजियोथैरेपी की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है जिससे मरीज तेजी से सामान्य जीवन की ओर लौट सकता है। नवजीवन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की यह सफलता न केवल एक मरीज के जीवन में नई उम्मीद लेकर आई है बल्कि यह साबित करती है कि सही समय पर इलाज और डॉक्टरों की अथक मेहनत कई जिंदगियां बचा सकती है।



तमिलनाडु में तमिल राजनीति के उदय से उम्मीद की नई किरणें



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

तमिलनाडु के इस जनादेश ने एक बार फिर यही सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथ में ही होती है।विगत विधान सभा के चुनाव 26 का परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है।यह बदलती पीढ़ी,नई आकांक्षाओं,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक पुनर्जागरण की कहानी भी है।भविष्य के आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का नया अध्याय दक्षिण भारत से ही लिखा जाए।



तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से 'नई तमिल राजनीति' भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश... वैश्विक राजनीतिक पटल पर सैदव ही भारत व भारतीय लोकतंत्र की चर्चा होती रहती है।भारत में संविधान ही सर्वोपरि है।जो अपने नागरिको मौलिक अधिकारो व कर्तव्यों की स्पष्ट उल्लेख किया है। यहाँ के नागरिकों को मताधिकार दिया है।भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत रही है कि यहाँ जनता समय-समय पर सत्ता, समीकरण और राजनीतिक विचार घारों व धारणाओं को बदलती रही है।भारतीय राजनीति में कोई भी राजनीतिक दल की शक्ति स्थायी नहीं होती।कभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का प्रभाव चरम पर होता है,तो कभी क्षेत्रीय अस्मिता नई राजनीतिक धारा बनकर उभरती है। विगत दिनों दक्षिण भारत का तमिलनाडु राज्य इसी राजनीतिक परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण रहा है।सर्वविदित रहे कि सन 1967 में जब सी एन अन्ना दुरई के नेतृत्व में द्रविड़ राजनीति ने कांग्रेस के लंबे राजनीतिक वर्चस्व को समाप्त कर सत्ता के सिंघासन हासिल की थी,तब शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि आने वाले दशकों में तमिलनाडु भारतीय राजनीति की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक प्रयोगशाला बन जाएगा।उस दौर में द्रविड़ आंदोलन केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं था,बल्कि सामाजिक न्याय, भाषायी अस्मिता,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक आत्मसम्मान का बड़ा आंदोलन बन चुका था।तमिल समाज ने पहली बार यह महसूस किया कि दिल्ली की राजनीति से अलग उनकी अपनी भी एक राजनीतिक पहचान हो सकती है।यही वह दौर था जब राजनीति और सिनेमा ने मिलकर दक्षिण भारत में एक नई सामाजिक चेतना को जन्म दिया।तमिल फिल्मों के संवाद केवल मनोरंजन नहीं रहे,बल्कि राजनीतिक संदेश बन गए।फिल्मी के सुनहरे पर्दे पर गरीबों के रक्षक और अन्याय के विरुद्ध लड़ने वाले नायक जनता की वास्तविक राजनीति के नायक बनते चले गए।

इसी राजनीतिक-सांस्कृतिक वातावरण से एम जी रामा चन्द्रन जैसे करिश्माई नेता उभरे,जिन्होंने जनता के दिलों पर ऐसा प्रभाव स्थापित किया कि फिल्मों की लोकप्रियता सीधे राजनीतिक जनसमर्थन में बदल गई।उनके जे जयललिता ने भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाया और तमिल राजनीति में महिला नेतृत्व की एक अलग पहचान बनाई।दक्षिण भारत में फिल्म और राजनीति का यह अनूठा संगम धीरे-धीरे आंध्र प्रदेश तक पहुँचा,जहाँ एन टी रामा राव ने तेलुगु अस्मिता को राजनीतिक शक्ति में बदल दिया।यह वह नया दौर था जब राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के सामने क्षेत्रीय दलों की शक्ति तेजी से बढ़ रही थी।लगभग छह दशकों तक तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ दलों के इर्द-गिर्द घुमती रही।कभी डी एम के सत्ता में आई तो कभी ए आई ए डी एम के लेकिन राजनीतिक केंद्र वहीं बना रहा।जनता के सामने विकल्प बदलते रहे,किन्तु राजनीति का मूल स्वर द्रविड़ विचारधारा ही बनी रही,किन्तु समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता।राजनीति में भी पीढ़ियाँ बदलती हैं,प्राथमिकताएँ बदलती हैं और जनता की अपेक्षाएँ भी बदल जाती हैं।वर्ष 2026 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा संकेत बनकर सामने आया।इस चुनाव ने न केवल राजनीतिक पंडितों के सभी अनुमान उलट दिए,बल्कि यह भी साबित कर दिया कि जनता जब परिवर्तन का मन बना लेती है,तो दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाएँ भी हिल जाती हैं।तमिल फिल्म जगत के लोकप्रिय अभिनेता विजय के नेतृत्व में उभरी नई राजनीतिक धारा ने पहली बार तमिलनाडु की राजनीति को द्रविड़ बनाम द्रविड़ की पारंपरिक लड़ाई से बाहर निकालने का प्रयास किया।विजय ने स्वयं को केवल अभिनेता के रूप में प्रस्तुत नहीं किया,बल्कि 'नई तमिल राजनीति' के नायक के रूप में स्थापित करने की कोशिश की।उनकी सभाओं में उमड़ती युवाओं की भीड़,सोशल मीडिया पर असाधारण लोकप्रियता और पारंपरिक राजनीति के विरुद्ध आक्रोश ने चुनावी वातावरण को पूरी तरह बदल दिया।शुरूआत में राजनीतिक विश्लेषक इसे केवल 'स्टारडम का प्रभाव' मान रहे थे,लेकिन विधान सभा चुनाव के परिणामों ने यह साबित कर दिया कि तमिलनाडु की जनता बदलाव चाहती थी।तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीटों में बहुमत के लिए 118 सीटों की आवश्यकता थी।चुनाव परिणामों में विजय की पार्टी टी वी के ने 108 सीटें जीतकर सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरकर सबको चौंका दिया।वहीं डी ए के 59 सीटों पर सिमट गई और ए आई ए डी एम के गठबंधन लगभग 53 सीटों तक सीमित रह गया।कांग्रेस को केवल 5 सीटों से संतोष करना पड़ा।इन परिणामों ने केवल सरकार का गणित नहीं बदला,बल्कि तमिलनाडु की राजनीति की आत्मा में चल रहे परिवर्तन को भी उजागर कर दिया।यह चुनाव भावनात्मक नारों और पारंपरिक राजनीतिक विरासत से आगे बढ़कर नई आकांक्षाओं का चुनाव बन चुका था। युवाओं की नई पीढ़ी रोजगार चाहती है,तकनीकी विकास चाहती है,उद्योग चाहती है,डिजिटल अवसर चाहती है और सबसे अधिक पारदर्शी शासन चाहती है।

पहली बार मतदान करने वाले लाखों युवा मतदाताओं ने जातीय और परंपरागत राजनीतिक निष्ठाओं से ऊपर उठकर 'नए नेतृत्व' पर भरोसा जताया।यही कारण रहा कि शहरी क्षेत्रों,आईटी कॉरिडोर और शिक्षित युवाओं वाले निर्वाचन क्षेत्रों में पारंपरिक दलों को अपेक्षित समर्थन नहीं मिल पाया।राजनीतिक विश्लेषकों की सबसे बड़ी भूल यह रही कि वे तमिलनाडु की राजनीति को पुराने चुनावी गणित से समझने का प्रयास करते रहे,जबकि जनता का मन बदल चुका था।एग्जिट पोल और राजनीतिक सर्वेक्षण जहाँ द्रविड़ दलों की मजबूत वापसी का दावा कर रहे थे,वहीं मतदाताओं ने चुपचाप एक नया राजनीतिक संदेश लिख दिया।दरअसल तमिलनाडु में यह परिवर्तन अचानक नहीं आया।पिछले कुछ वर्षों से जनता के भीतर नेतृत्व को लेकर एक खालीपन महसूस किया जा रहा था।एम करुणा निधि और जयललिता जैसे बड़े नेताओं के जाने के बाद राजनीति में वह भावनात्मक करिश्मा दिखाई नहीं दे रहा था जिसने दशकों तक जनता को जोड़े रखा था।इसी राजनीतिक रिक्तता में नए चेहरे और नई राजनीति के लिए जगह बनी। विजय ने चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार 'तमिल अस्मिता' और 'नई पीढ़ी की राजनीति' को केंद्र में रखा।उन्होंने पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से दूरी बनाते हुए स्वयं को भविष्य की राजनीति का चेहरा साबित करने का प्रयास किया।इस चुनाव का सबसे बड़ा झटका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेश को लगा। कभी दक्षिण भारत में मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाली कांग्रेस अब गठबंधन की राजनीति तक सीमित दिखाई दे रही है। तमिलनाडु के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल क्षेत्रीय दलों के सहारे राजनीति करने से किसी राष्ट्रीय दल का जनाधार मजबूत नहीं हो सकता।कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा संकट स्थानीय नेतृत्व का अभाव है।पार्टी के पास ऐसा कोई करिश्माई चेहरा नहीं दिखता जो तमिलनाडु की जनता के भीतर नई ऊर्जा पैदा कर सके।यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक पुनर्गठन और दक्षिण भारत की नई रणनीति पर गंभीर चर्चा प्रारम्भ हो गई है।राजनीतिक दृष्टि से देखें तो तमिलनाडु का यह जनादेश केवल एक राज्य की घटना नहीं है।यह भारतीय राजनीति में बदलती सामाजिक मानसिकता का संकेत है।आने वाले समय में क्षेत्रीय पहचान,युवा नेतृत्व,डिजिटल राजनीति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रभाव और अधिक बढ़ सकता है।राजनीति के विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य की राजनीति अब केवल जातीय समीकरणों और पारंपरिक वोट बैंक के सहारे नहीं चलेगी।सोशल मीडिया,युवा मतदाता और राजनीतिक पारदर्शिता नए निर्णायक कारक बन चुके हैं। तमिलनाडु ने यह संदेश पूरे देश को दे दिया है।दिलचस्प बात यह भी रही कि इस चुनाव में जनता ने 'स्थिरता बनाम परिवर्तन' के बीच परिवर्तन को प्राथमिकता दी।यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती है कि जनता जब बदलाव चाहती है,तो सबसे मजबूत राजनीतिक किले भी ढह जाते हैं।तमिलनाडु ने एक बार फिर भारतीय राजनीति को नई दिशा देने का काम किया है।कभी इसी राज्य ने कांग्रेस के प्रभुत्व को चुनौती दी थी,फिर द्रविड़ राजनीति को राष्ट्रीय विमर्श बनाया और अब 'नई तमिल राजनीति' की चर्चा शुरू कर दी है।आज पूरा देश तमिलनाडु के राजनीतिक घटना क्रम को इसलिए ध्यान से देख रहा है क्योंकि वहाँ से उठी राजनीतिक लहर आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी बदल सकती है।तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से 'नई तमिल राजनीति' भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश।दरअसल लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता जनार्दन का मौन निर्णय होता है।राजनीतिक पंडित अक्सर आँकड़ों में उलझ जाते हैं,लेकिन जनता अपने मन का फैसला चुपचाप करती है।तमिलनाडु के इस जनादेश ने एक बार फिर यही सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथ में ही होती है।विगत विधान सभा के चुनाव 26 का परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है।यह बदलती पीढ़ी,नई आकांक्षाओं,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक पुनर्जागरण की कहानी भी है।भविष्य के आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का नया अध्याय दक्षिण भारत से ही लिखा जाए।अगर यदि ऐसा होता है,तो इतिहास यह अवश्य दर्ज करेगा कि तमिलनाडु ने एक बार फिर देश को राजनीति की नई दिशा दिखाई थी।

संपादकीय

बीमार अस्पताल

गाल बजाते राजनेता और लोक कल्याणकारी होने का दावा करती सरकारों की नाक के नीचे सरकारी अस्पतालों की कैसी बदहाली है, ये किसी से नहीं छिपा है। लोकलुभावन कार्यक्रमों पर पैसा पानी की तरह बहाने वाली सरकारों व मंत्रियों की प्राथमिकताओं में, वे सरकारी अस्पताल कभी नहीं रहे हैं, जो गरीबों व साधनविहीन लोगों का अंतिम आश्रय होते हैं। कायदे से तो सरकारों को इस मुद्दे को प्राथमिकता मानते हुए तत्काल प्रभाव से अस्पतालों की दशा सुधारनी चाहिए। लेकिन विडंबना है कि हर बार न्यायालय को ही जनहित से जुड़े मुद्दों पर सख्ती दिखाकर सरकारों को कार्रवाई करने को कहा जाता है। एक बार फिर पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश से पंजाब तथा हरियाणा सरकारों की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के संचालकों को एक बेहद जरूरी झटका लगा है। हाईकोर्ट ने दोनों राज्यों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला अस्पताल में आईसीयू सुविधाओं के साथ-साथ सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निश्चित रूप से न्यायालय के इस तरह के सकारात्मक हस्तक्षेप से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सत्ताधीशों के वायदों और उनके क्रियान्वयन के बीच बढ़ती खाई ही उजागर होती है। वहीं अदालत की कार्यवाही के दौरान पंजाब सरकार की ओर से न्यायालय को सूचित किया गया कि राज्य के 23 जिलों में से केवल छह जिला अस्पतालों में ही एमआरआई की सुविधा उपलब्ध है। दूसरी ओर राज्य के अस्पतालों में दो हजार से अधिक जनरल मेडिकल ऑफिसरों के पद और अन्य सैकड़ों विशेषज्ञों के पद खाली पड़े हुए हैं। वहीं कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में कार्यशील आईसीयू की कमी है। अदालत ने हरियाणा सरकार से भी गहन देखभाल व निदान सुविधाओं की कमियों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। निस्संदेह, इन खामियों से फिर उजागर हुआ है कि अनेक सरकारी अस्पतालों में महंगे चिकित्सा उपकरण अक्सर बिना इस्तेमाल के या कम उपयोग में क्यों रहते हैं। वहीं दूसरी ओर विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा भी गरीब व जरूरतमंद मरीजों की तात्कालिक जरूरतों को अनदेखा ही किया जाता है। न्यायालय की इस बात से बिल्कुल सहमत हुआ जा सकता है कि मौजूदा दौर में सीटी स्कैन,एमआरआई और आईसीयू तक मरीजों की पहुंच विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता बन गई है। जो इस बात पर भी बल देता है कि सरकारें जिला स्तरीय क्रियाशील बुनियादी ढांचा बनाने के बजाय अनिश्चित काल तक आउटसोर्सिंग या रेफरल प्रणालियों पर निर्भर नहीं रह सकती हैं। वास्तव में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली केवल खरीद की कमी से ही नहीं, बल्कि बिना योजना के भारी-भरकम खरीद की प्रवृत्ति से भी ग्रस्त है।

चिंतन-मनन

कौन बने राजा

भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ को पक्षियों का राजा माना गया है लेकिन वे अपने स्वामी की सेवा में इतना व्यस्त रहते थे कि उन्हें पक्षियों का हालचाल जानने का समय ही नहीं मिल पाता था। एक दिन पक्षियों ने अपनी सभा बुलाई और इस बात पर विचार-विमर्श किया कि ऐसे राजा का क्या लाभ, जो कभी हमें देखने तक नहीं आता।

सभी ने काफी सोच-विचार कर उल्लू को राजा घोषित कर दिया। उल्लू के राजतिलक की तैयारी होने लगी, तभी एक कोने में बैठे कौवे ने चिल्लाते हुए कहा कि यह फैसला हमें मंजूर नहीं है। राजा गरुड़ को भले ही हमारे पास आने का समय न मिलता हो, लेकिन जब भी मौका मिलेगा वह अवश्य आएंगे। मगर उल्लू को राजा बनाने का क्या लाभ, जिसे दिन में दिखाई ही नहीं पड़ता।

वह हमारी परेशानियों को कैसे हल करेगा। वह दूसरों की बातें सुनकर फैसला करेगा जिसका परिणाम यह होगा कि चाटुकारों का बोलबाला हो जाएगा। किसी ने तर्क दिया कि उल्लू रात में देख सकते हैं इसलिए वह रात में हमारी समस्या सुलझा देंगे। कौवे ने कहा- ऐसा राजा मुझे मंजूर नहीं जो रात में आकर हमारी नींद हराम करे। फिर हम पक्षी रात में ठीक से देख नहीं पाते। हम पहचानेंगे कैसे कि उल्लू ही आया है।

इस बात का लाभ उठाकर कोई राक्षस उसकी जगह आ सकता है और हमें मारकर खा सकता है। पक्षियों ने मान लिया कि राजा ऐसा होना चाहिए, जिसे प्रजा के दुख-दर्द दिखाई तो पड़ें। अंत में गरुड़ को ही राजा बनाए रखने का फैसला किया गया।



योगेश कुमार गोयल

प्रकृति का मौन क्रंदन, खतरे में जीवन की श्रृंखला

धरती पर जीवन का आधार केवल मनुष्य नहीं है बल्कि जीव-जंतु, पक्षी, कीट-पतंगे और पेड़-पौधे भी इस पारिस्थितिकी तंत्र का उतना ही अहम हिस्सा हैं। फिर भी मनुष्य ने अपने स्वार्थों और तथाकथित विकास के नाम पर जिस प्रकार वनों की अंधाधुंध कटाई, वन्य जीवों के आवासों का विनाश और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है, उसने धरती की जैव विविधता को गहरे संकट में डाल दिया है। जैव विविधता केवल कुछ जीवों या पौधों की गिनती भर नहीं है, यह पूरी पारिस्थितिकी का वह संतुलन है, जो जीवन को संभव और सुरक्षित बनाता है लेकिन आज यह संतुलन बुरी तरह से बिगड़ चुका है और इसके गंभीर परिणाम पूरी दुनिया भुगत रही है। धरती पर अनेक वन्य प्रजातियां या तो पूरी तरह से विलुप्त हो चुकी हैं या विलुप्त होने के कगार पर हैं। यही नहीं, हजारों प्रजातियां आज संकटग्रस्त मानी जाती हैं, जिनके अस्तित्व पर हर बीतते वर्ष के साथ खतरा और अधिक बढ़ रहा है। यह संकट केवल जीव-जंतुओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों की विविधता भी उसी तीव्र गति से घट रही है। जैव विविधता के महत्व को रेखांकित करने और लोगों को इसके संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए हर वर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरूआत 20 दिसंबर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित प्रस्ताव के माध्यम से की गई थी, जिसे 193 देशों ने समर्थन दिया था। 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट के तहत जैव विविधता पर अभिसमय को स्वीकार किया गया था, इसी कारण 22 मई को यह दिवस तय किया गया। इस वर्ष यह दिवस ह्यवैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करनाह्न विषय के अंतर्गत मनाया जा रहा है. जो इस तथ्य को उजागर करता है कि पृथ्वी को बचाने की शुरूआत छोटे-छोटे स्थानीय प्रयासों से ही होती है। आज स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि जंगलों के उजड़ने से हजारों पक्षी और जानवर अपने प्राकृतिक आवास से वंचित हो गए हैं। पक्षियों की वे प्रजातियां, जो किसानों के हित में कीट नियंत्रण का काम करती थी, जैसे गिद्ध, कौए, चील, बाज, तीतर, बटेर, मोर आदि, अब संकटग्रस्त हो चुकी हैं। यह केवल जैव विविधता का नुकसान नहीं बल्कि कृषि और खाद्य सुरक्षा के लिए भी खतरे की घंटी है। ऐसे पक्षी खेतों में कीटों का प्राकृतिक नियंत्रण करते थे लेकिन इनके लुप्त होने से अब कृत्रिम कीटनाशकों की निर्भरता बढ़ रही है, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए घातक है। पर्यावरणीय असंतुलन, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित उपयोग और लगातार बढ़ती आबादी जैव विविधता संकट के प्रमुख कारक हैं। एक ओर जहां जंगलों की अंधाधुंध कटाई के चलते पशु-पक्षियों के प्राकृतिक आवास खत्म हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां भी मानव गतिविधियों के कारण धीरे-धीरे मिट रही हैं। यही कारण है कि जैव विविधता का संरक्षण आज केवल पर्यावरणविदों का मुद्दा नहीं बल्कि यह पूरी मानव जाति के अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। वन्यजीव और वनस्पतियां धरती पर जीवन की लंबी विकास यात्रा की अहम कड़ियां हैं। ये सभी प्रजातियां अरबों वर्षों के जैविक और पारिस्थितिक विकास का परिणाम हैं। वन्य जीवन में वे सभी जीव-जंतु और पौधे शामिल होते हैं, जिन्हें मनुष्य द्वारा पाला तो नहीं जाता लेकिन उनका अस्तित्व भी मानवीय गतिविधियों से सीधे तौर पर प्रभावित होता है। जैसे-जैसे जंगल उजड़ते हैं, इन प्रजातियों का जीवन संकटग्रस्त होता जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि मनुष्य ने अपने भौतिक विकास और बढ़ती जनसंख्या के दबाव में इस पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन की अनदेखी की है। यह तथ्य अब वैज्ञानिक रूप से भी प्रमाणित हो चुका है कि जैव विविधता के घटने से पर्यावरण का असंतुलन बढ़ता है और इससे प्राकृतिक आपदाएं, जलवायु परिवर्तन, अकाल, सूखा, बाढ़, रोगों का प्रसार जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मेरी पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्न में इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई है कि जैव विविधता में आ रही कमी किस प्रकार हमारे संपूर्ण जीवन और पर्यावरण को अस्थिर बना रही है। यह केवल प्रकृति का संकट नहीं बल्कि यह हमारे भविष्य पर मंडराता हुआ खतरा है। धरती पर हर देश की अपनी विशिष्ट जलवायु और पारिस्थितिक पहचान होती है, जिससे वहां की जैव विविधता भी विशिष्ट होती है लेकिन वनों की कटाई, खनन, शहरीकरण, औद्योगीकरण, रासायनिक खेती, प्लास्टिक प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन जैसे मानवीय कारकों ने इस विविधता को संकट में डाल दिया है। दुर्भाग्य से यह संकट केवल कुछ स्थानीय प्रजातियों तक सीमित नहीं रहा बल्कि अब यह वैश्विक स्तर पर विनाश की ओर बढ़ रहा है। आज मानव अपने स्वार्थ और भौतिक जीवन के मोह में यह भूल गया है कि जीवन की आधारशिला प्रकृति ही है। वनों की कटाई, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और पारिस्थितिक तंत्र की अनदेखी मानव को उस दिशा में ले जा रही है, जहां जीवन का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। यदि समय रहते हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाले समय में ऐसी कई प्रजातियां होंगी, जो केवल पुस्तकों और संग्रहालयों में ही मिलेंगी। विकास अनिवार्य है, इसमें कोई संदेह नहीं परंतु वह विकास, जो प्राकृतिक संसाधनों को खत्म करके हासिल हो, वह आत्मघाती है। हमें ऐसा विकास मॉडल अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें प्रकृति के साथ सहअस्तित्व को महत्व दिया जाए। यदि पेड़ कटेंगे, जल स्रोत सूखेंगे, जीव-जंतु लुप्त होंगे और पक्षी गायब होंगे तो यह केवल जैव विविधता की हानि नहीं होगी बल्कि पूरी मानव सभ्यता के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा।

घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के पास अचानक इतने पत्थर कहां से आ जाते हैं?



नीरज कुमार दुबे



मुंबई के लिए मुसीबत बने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को पुलिस और प्रशासन ने करारा सबक सिखाकर देश की आर्थिक राजधानी को बड़ी राहत दिलाई है। बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास गरीब नगर इलाके में पश्चिम रेलवे द्वारा चलाया जा रहा अब तक का सबसे बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान न केवल रेलवे भूमि को मुक्त कराने की दिशा में अहम कदम साबित हुआ, बल्कि इस कार्रवाई ने यह भी उजागर कर दिया कि किस तरह अवैध कब्जाधारी कानून व्यवस्था को चुनौती देने से भी पीछे नहीं हटते। कार्रवाई के दौरान पुलिस और रेलवे अधिकारियों पर जमकर पत्थरबाजी की गई, जिससे एक बार फिर यह सवाल खड़ा हो गया कि देश के किसी भी हिस्से में अतिक्रमण हटाने या अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान चलते ही इन घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के पास अचानक इतने पत्थर कहां से आ जाते हैं?

उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे ने बांद्रा रेलवे स्टेशन के निकट गरीब नगर में फैले अवैध कब्जों को हटाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। यह मुंबई में रेलवे की अब तक की सबसे बड़ी अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई मानी जा रही है। रेलवे के अनुसार लगभग पांच हजार दो सौ वर्ग मीटर भूमि को खाली कराया जा रहा है, जिसकी कीमत करीब छह सौ करोड़ रुपये आंकी गई है। यह इलाका हार्बर लाइन की पटरियों और बिजली व्यवस्था के बेहद करीब पहुंच चुका था, जिससे रेल संचालन और यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा था।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक यहां कई बहुमंजिला झुग्गियां फुटओवर पुलों की ऊंचाई से भी ऊपर तक बना दी गई थीं। इससे भविष्य की रेलवे परियोजनाओं और ट्रेनों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न हो रही थी। रेलवे लंबे समय से इस भूमि को खाली कराना चाहता था, क्योंकि बांद्रा स्टेशन और बांद्रा कुर्ला परिसर के पास स्थित यह इलाका रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

इस मामले में कानूनी प्रक्रिया वर्ष 2017 से पहले शुरू हो चुकी थी। सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 27 नवंबर 2017 को बेदखली आदेश जारी किए गए थे। इसके बाद मामला बंबई उच्च न्यायालय और फिर उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा। इस वर्ष 29 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने अवैध अतिक्रमण हटाने की अनुमति दी थी। बाद में उच्चतम न्यायालय ने भी इस आदेश पर रोक नहीं लगाई। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी।

पश्चिम रेलवे ने करीब पांच सौ झुग्गियों को हटाने के लिए चिन्हित किया, जबकि संयुक्त सर्वेक्षण में पात्र पाए गए लगभग एक सौ ढांचों को फिलहाल नहीं छुआ गया। रेलवे का कहना है कि भविष्य में इस जमीन का उपयोग उपनगरीय और लंबी दूरी की रेल सेवाओं के विस्तार के लिए किया जाएगा। कार्रवाई को सफल बनाने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई। करीब चार सौ पुलिसकर्मी, चार सौ रेलवे सुरक्षा बल और सरकारी रेलवे पुलिस के जवान तथा लगभग दो सौ रेलवे अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए गए। बांद्रा स्टेशन और बांद्रा टर्मिनस के आसपास कई रास्तों को बंद कर दिया गया, जिससे भारी यातायात जाम लग गया और यात्रियों को सामान लेकर पैदल चलना पड़ा।

शुरूआत में कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से चल रही थी, लेकिन दूसरे दिन दोपहर बाद माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। अधिकारियों ने जब एक अवैध मस्जिद और वहां लगाए गए निजी दूरसंचार टावर को हटाने की कोशिश की तो भीड़ उग्र हो गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और प्रशासनिक टीमों पर पत्थर, बर्तन और अन्य सामान फेंकना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

इस हिंसा में सात पुलिसकर्मी और छह प्रदर्शनकारी घायल हुए। पुलिस ने दस लोगों को हिरासत में लिया और निर्मल नगर पुलिस थाने में गैरकानूनी जमावड़ा, दंगा और सरकारी कर्मचारियों पर हमला करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया। घायलों का उपचार भाभा अस्पताल और वीएन देसाई अस्पताल में कराया गया। एक पुलिसकर्मी और एक प्रदर्शनकारी को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा, हालांकि दोनों की हालत स्थिर बताई गई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अभिनव देशमुख ने चेतावनी दी है कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दूसरी ओर कुछ निवासियों ने दावा किया कि वह कई दशकों से यहां रह रहे थे और उनके पास हाउस टैक्स, वाटर टैक्स तथा बिजली कनेक्शन से जुड़े दस्तावेज भी हैं। कई परिवारों ने आरोप लगाया कि उन्हें घर खाली करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया और पुनर्वास की समुचित व्यवस्था भी नहीं की गई। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि ईद से ठीक पहले की गई कार्रवाई ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

हालांकि इन दावों और मानवीय पक्ष के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर अवैध कब्जों के खिलाफ हर कार्रवाई के दौरान पत्थरबाजी की घटनाएं क्यों सामने आती हैं? चाहे देश का कोई भी राज्य हो, अतिक्रमण हटाने पहुंची पुलिस और प्रशासन पर हमला करना अब एक तयशुदा रणनीति जैसा दिखाई देता है। इससे साफ है कि कुछ तत्व कानून व्यवस्था को बिगाड़कर सरकारी कार्रवाई को रोकना चाहते हैं। मुंबई जैसे संवेदनशील और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर में इस तरह की हिंसा न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और शहरी व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर चुनौती भी है।

हापुड़ में बत्ती गुल, दारोगा का पारा हाई, प्रदर्शनकारियों से बोला- 'अभी गर्मी से परेशान हो,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में दिल्ली रोड स्थित बिजली घर पर देर रात भीषण गर्मी के बीच घंटों से बाधित बिजली सप्लाई से नाराज स्थानीय लोगों ने पहुंचकर जमकर हंगामा और नारेबाजी की. कई मोहल्लों में लंबे समय से बिजली नहीं आने के कारण घरों में रहना मुश्किल होने पर बड़ी संख्या में परेशान लोग एकत्र हो गए, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया.

हंगामे की सूचना मिलने पर हापुड़ नगर कोतवाली प्रभारी मनीष चौहान पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे. उन्होंने लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट करके और कानून व्यवस्था का हवाला देकर सड़क खाली करवाते हुए भीड़ को वहां से हटाया.

थाना प्रभारी का लाउडस्पीकर पर सख्त अनाउंसमेंट

स्थिति बिगड़ती देख नगर कोतवाली प्रभारी मनीष चौहान ने लाउडस्पीकर संभाला और लोगों को समझाते हुए सख्त लहजे में कहा, 'घर चले जाइए, नहीं तो मुकदमा लिखवा दूंगा. अभी गर्मी से परेशान हैं, फिर मुकदमे से भी परेशान हो जाएंगे.' इस सख्त हिदायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई का डर दिखाकर भीड़ को सड़क से पूरी तरह हटा दिया.

बिजली घर पर पुलिस बल तैनात

इस पूरे बवाल के बाद प्रशासन स्थिति को नियंत्रित करने में जुटा हुआ है और एहतियात के तौर पर दिल्ली रोड बिजली घर पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है. मामले को लेकर विद्युत विभाग के जेई भोलानाथ ने भी अपनी बाइट दी है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि घंटों की कटौती से इस भीषण गर्मी में उनका जीना मुहाल हो गया है.

42 साल के अधेड़ से कराई 13 साल की बच्ची की शादी, रिश्तेदार महिला की शर्त के आगे बेबस थे परिजन, 13 पर केस



महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। राऊ थाना क्षेत्र के रंगवासा गांव से बाल विवाह का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां 13 साल की एक नाबालिग बच्ची का विवाह 42 वर्षीय व्यक्ति से कराए जाने का आरोप लगा है। मामले की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस ने दूल्हे उसके परिजनों और बालिका के दादा-दादी समेत कुल 13 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पारिवारिक और सामाजिक दबाव में हो रही थी शादी

महिला एवं बाल विकास विभाग की शिकायत पर दर्ज हुए इस मामले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक दबाव के चलते नाबालिग बच्ची की शादी कराई गई। आरोप है कि परिवार के कुछ लोगों ने आपसी रिश्तेदारी तय करने के लिए बच्ची को इस विवाह के लिए मजबूर किया।

महिला रिश्तेदार ने रखी थी शर्त

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, परिवार में पहले से एक अन्य विवाह को लेकर शर्त रखी गई थी। बताया गया कि आरोपी पक्ष की एक महिला रिश्तेदार ने कहा था कि वह तभी शादी करेगी, जब उसकी ननद यानी नाबालिग लड़की का विवाह उसके चाचा से कराया जाएगा। इसी शर्त को पूरा करने के लिए परिवार के लोगों ने बच्ची की शादी की तैयारी शुरू कर दी।

पहले प्रशासन ने रुकवाया था विवाह

जानकारी के मुताबिक 25 अप्रैल को होने वाले इस बाल विवाह की सूचना महिला एवं बाल विकास विभाग को पहले ही मिल गई थी। इसके बाद विभाग की टीम ने दोनों परिवारों को बुलाकर समझाइश दी थी और विवाह रुकवा दिया गया था। उस समय परिवार के सदस्यों ने अधिकारियों को भरोसा दिलाया था कि नाबालिग की शादी नहीं कराई जाएगी। इसके बावजूद विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सुपरवाइजरों को बच्ची पर नजर रखने के निर्देश दिए थे। इसी दौरान बालिका की मां ने विभाग और बाल कल्याण समिति को आवेदन देकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी है।



भोजशाला में 721 साल बाद शुक्रवार पूजा को लेकर तनाव, प्रशासन अलर्ट, शांति बनाए रखने की अपील

भोज उत्सव समिति ने पूजा और महाआरती का आह्वान किया है. वहीं प्रशासन ने शांति समिति बैठक कर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन सुनिश्चित करने और शांति बनाए रखने की अपील की है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धार. मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर एक बार फिर माहौल गरमा गया है. भोज उत्सव समिति ने घोषणा की है कि 721 साल बाद शुक्रवार के दिन सामूहिक अखंड पूजा की जाएगी. समिति का कहना है कि यह दिन विशेष महत्व रखता है और इस अवसर पर महाआरती का आयोजन किया जाएगा. समिति के अनुसार, शुक्रवार को दोपहर 12 बजे सकल हिंदू समाज धान मंडी में एकत्रित होगा. इसके बाद जुलूस के रूप में लोग भोजशाला पहुंचेंगे और दोपहर एक बजे महाआरती का आयोजन किया जाएगा. भोज उत्सव समिति के संरक्षक अशोक जैन ने कहा कि 721 साल बाद शुक्रवार का दिन आया है और यह हिंदू समाज के लिए स्वाभिमान का विषय है. उन्होंने कहा कि न्यायालय के फैसले के बाद अब पूजा अर्चना का अवसर मिला है और समाज इसमें शामिल होगा. स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने शांति समिति की बैठक आयोजित की. बैठक में कलेक्टर राजीव रंजन मीना और एसपी



सचिन शर्मा मौजूद रहे. प्रशासन ने स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का अक्षरशः पालन किया जाएगा.

प्रशासन ने बुलाई शांति समिति की बैठक

एसपी सचिन शर्मा ने कहा कि सभी नागरिकों, धर्मगुरुओं और आगंतुकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई है. उन्होंने कहा कि किसी भी नई परंपरा या बिना अनुमति धार्मिक गतिविधि की शुरुआत नहीं की जाएगी. सोशल मीडिया पर भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट पर भी नजर रखी जा रही है. प्रशासन ने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर गलत और भड़काऊ जानकारी फैला रहे हैं. ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और प्रशासन का सहयोग करें.

सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर जोर

पुलिस प्रशासन ने साफ किया है कि कानून व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है. किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है और सभी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है. अशोक जैन ने कहा कि हर शुक्रवार को पहले संघर्ष की स्थिति रही है, लेकिन इस बार न्यायालय के निर्णय के बाद यह अवसर मिला है. उन्होंने कहा कि यह आयोजन समाज की आस्था और स्वाभिमान से जुड़ा है.

लड़की से बात करने पर चिढ़े नाबालिग दोस्त, जिगरी यार को रील बनाने जंगल ले गए, किडनैपिंग की एक्टिंग के बहाने कर दिया मर्डर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उमरिया। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया के दौर में किशोरों की कुंठित होती मानसिकता को उजागर कर दिया है। मानपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सगमनिहा जंगल में हुई एक 15 वर्षीय नाबालिग किशोर की अंधी हत्या का मानपुर पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस खौफनाक कत्ल को अंजाम देने वाले कोई पेशेवर अपराधी नहीं, बल्कि मृतक के ही दो नाबालिग दोस्त निकले।

बाजार से सामान लेने निकला, फिर नहीं लौटा मयंक

मूल रूप से कटनी जिले के विजयराघवगढ़ का रहने वाला 15 वर्षीय मयंक चौधरी करीब 10 दिन पहले मानपुर में अपने रिश्तेदार के घर घूमने आया था। 14 मई 2026 को वह बाजार से सामान लेकर घर लौटा और फिर थोड़ी देर में बाहर चला गया। जब वह रात तक नहीं लौटा



और उसका मोबाइल भी बंद आया, तो परिजनों ने मानपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने नए कानून के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन 17 मई को सिगुड़ी क्षेत्र के जंगल में मयंक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई।

किडनैपिंग वीडियो बनाने का दिया झांसा

पुलिस टीम ने जब मयंक के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड्स और संदेह के आधार पर उसके एक नाबालिग दोस्त ;' को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, तो रूह कंपा देने वाला सच सामने आया। आरोपी ने बताया कि मयंक उसकी एक सहेली (लड़की) से बातचीत करता था, जो उसे बर्दाश्त नहीं था। इसी रंजिश के चलते उसने अपने एक अन्य नाबालिग साथी 'क्र' के साथ मिलकर मयंक को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया।

गले पर किए ताबड़तोड़ वार

घटना के दिन दोनों आरोपी मयंक को इंस्टाग्राम रील बनाने के बहाने जंगल ले गए। वहां उन्होंने मयंक को झांसा दिया कि वे किडनैपिंग का एक सीन शूट कर रहे हैं। मयंक उनकी बातों में आ गया, जिसके बाद आरोपियों ने टेप से उसके हाथ और मुंह को पूरी तरह बांध दिया। मयंक जब असहाय हो गया, तो आरोपियों ने चाकू निकालकर उसके सीने और गले पर ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया।

सामने लहरा रहा बड़ा तालाब, फिर भी बूंद-बूंद को तरस रहे लोग; घर तोड़ने का नोटिस मिलने से दोहरी मार

एक तरफ जहां NGT के नियमों के तहत उनके आशियानों पर ढहने का खतरा मंडरा रहा है, वहीं दूसरी तरफ ऐतिहासिक बड़े तालाब के ठीक बगल में रहने के बावजूद वे पानी की भयंकर किल्लत का सामना कर रहे हैं।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल का सबसे खूबसूरत हिस्सा कहा जाने वाला वीआईपी रोड इन दिनों एक बेहद अजीब और दर्दनाक विरोधाभास का गवाह बना हुआ है। जो बड़ा तालाब पूरे भोपाल के लगभग 40 फीसदी हिस्से की प्यास बुझाता है, ठीक उसी के किनारे बसे घरों में मार्च महीने से पानी की बूंद-बूंद के लिए हाहाकार मचा है। विडंबना देखिए कि इन रहवासियों के सिर पर एक तरफ जहां हत्तज्ञ के नए निर्देशों के तहत घर टूटने का नोटिस लटक रहा है, वहीं दूसरी तरफ वे रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए पानी जुटाने को भी तरस रहे हैं।

सुबह का 3 घंटे का सप्लाई गायब

स्थानीय निवासियों का कहना है कि पानी की यह किल्लत मार्च के महीने से शुरू हुई थी। पहले जहां सुबह 5 से 8 बजे के बीच तीन घंटे तक भरपूर दबाव के साथ पानी आता था, वहीं अब सप्लाई पूरी तरह अनिश्चित हो चुकी है। एक स्थानीय निवासी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अब पानी सिर्फ नाममात्र के लिए टपकता है। कई



बार तो पूरी सुबह बिना पानी के ही गुजर जाती है। लोगों का आरोप है कि पानी के इस कम प्रेशर और कटौती की मुख्य वजह वीआईपी रोड के पानी को पास की ही 'शहीद कॉलोनी' की तरफ डायवर्ट किया जाना है। हमारी खिड़कियों से पूरा बड़ा तालाब साफ नजर आता है, लेकिन हमारे पास अपनी छतों पर रखी टंकियों को भरने के लिए पानी नहीं है। समझ नहीं आता कि हम एनजीटी के डिमोलिशन नोटिस के खौफ से निपटें या रोज सुबह पानी की इस किल्लत से लड़ें। प्रशासन हमारी सुध लेने को तैयार नहीं है। नाम न छापने की शर्त पर एक रहवासी

सीएम हेल्पलाइन भी बेअसर

परेशान होकर रहवासियों ने सूबे के मुखिया की सीएम हेल्पलाइन का भी दरवाजा खटखटाया। शिकायत नंबर 38100678 दर्ज कराने के बाद हेल्पलाइन के कर्मचारी ऋषि शर्मा ने फोन पर यह आश्वासन तो दिया कि मामले को नोट कर आगे बढ़ा दिया गया है, लेकिन हकीकत में जमीन पर कोई सुधार नहीं हुआ। सबसे बड़ी बात यह है कि इस पूरे मामले पर भोपाल नगर निगम के जोन-2 के जिम्मेदार अधिकारियों ने पूरी तरह चुप्पी साध रखी है

दिल्ली-मेरठ हाइवे पर नमो भारत के पिलर से टकराई स्विफ्ट, दो की मौत, 4 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में तेज रफ्तार के कहर ने एक बार फिर दो युवकों की जान ले ली। मोदीनगर में दिल्ली-मेरठ हाइवे पर नमो भारत के पिलर से तेज रफ्तार कार के टकराने से हादसे की खबर है। कार की स्पीड 120 किलोमीटर प्रति घंटे के करीब बताई जा रही है। हादसा इतना भयानक था कि चालक सहित दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, घटना में कार सवार चार लोग घायल हुए हैं। मृतकों की पहचान लोनी के 25 वर्षीय अंकित तिवारी और परतापुर, मेरठ के 32 वर्षीय आदेश के रूप हुई है। वहीं, घटना में घायल हुए लोगों में कुलदीप,आदेशपाल, हिमांशु और रोहित शामिल हैं।

कार की हालत खस्ता

मोदीनगर हादसे में टक्कर इतनी जोरदार थी कि सफेद रंग की स्विफ्ट कार पूरी तरह से चिपकी हुई लग रही



है। टक्कर के कारण ड्राइवर और फ्रंट शीट पर बैठे पैसेंजर की मौत हो गई। वहीं, पीछे बैठे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा और भी भयानक हो सकता था। एक्सिडेंट के समय ही सामने से एक ट्रक आ रही थी। कार टक्कर के बाद पलट गई थी। लेकिन, सामने से आ रहा ट्रक कार की चपेट में आने से संयोग से बच गया। कार परतापुर के कुंडा गांव निवासी संजय के नाम पर रजिस्टर्ड है।

मौके पर पहुंची पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही मोदीनगर पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद कार से शवों को बाहर निकाला। हादसा मोदीनगर में मेरठ रोड स्थित ईएसआई अस्पताल के सामने हुआ है। कार सवार सभी युवक दिल्ली से मेरठ की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान सुबह करीब 5 बजे मोदीनगर पहुंचते ही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद नमो भारत के पिलर से जा भिड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि कार की रफ्तार करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटा थी। इस कारण टक्कर इतनी जोरदार हुई कि तेज आवाज ने हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मोदीनगर हादसे में दो युवकों की मौत हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि चार घायलों का मेरठ में इलाज चल रहा है। जांच में सामने आया है कि तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। जानकारी के अनुसार, मेरठ के परतापुर निवासी रोहित अपने दोस्तों आदेश, हिमांशु कुमार, कुलदीप, आदेश और लोनी निवासी अंकित तिवारी के साथ थे।

लखनऊ में 60 दिन के लिए निषेधाज्ञा लागू, चाहे मोहर्रम हो या भंडारा, बिना इजाजत के नहीं होंगे कई काम



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। शहर और उपनगरीय इलाकों में गुरुवार से निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा-163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू की गई है। निषेधाज्ञा 60 दिनों के लिए लागू की गई है। यानी इसके तहत 19 जुलाई तक कुछ प्रतिबंध लगे रहेंगे। प्रशासन ने बकरीद, बड़ा मंगल, मोहर्रम आदि धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ प्रवेश परीक्षाओं को देखते हुए निषेधाज्ञा लागू की है। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में निषेधाज्ञा लगाए जाने का आदेश संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार ने जारी किया है। इस आदेश में पुलिस अधिकारियों को कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निषेधाज्ञा के तहत प्रतिबंधों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

पांच या इससे अधिक लोगों के एकत्रित होने पर रोक

संयुक्त पुलिस आयुक्त की ओर से आदेश में कहा गया है कि बिना इजाजत के पांच या इससे अधिक लोगों के एकत्रित होकर ग्रुप बनाने, जुलूस निकालने या सभा करने पर रोक रहेगी। यदि कोई धार्मिक आयोजन करना हो, भंडारा, जुलूस, चल समारोह, मजलिस, संगीत का कार्यक्रम आदि आयोजित करना हो, तो इसके लिए पहले अनुमति लेना आवश्यक होगा। रात में 12 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर का प्रयोग प्रतिबंधित है।

धरना और विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध

निषेधाज्ञा के तहत लखनऊ में विधानसभा भवन और आसपास के क्षेत्रों में ट्रैक्टर ट्रॉली, घोड़ा गाड़ी, ज्वलनशील पदार्थ एवं हथियार के साथ प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। शहर के लालबत्ती चौराहा, पार्क रोड, सिविल अस्पताल, अटल चौक, बंदरिया बाग, गोल्फ क्लब और कैसरबाग सहित अन्य किसी क्षेत्र में धरना या विरोध प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा।

गोमतीनगर एक्सप्रेस में सिरकटी लाश ऑनर किलिंग केस! दो बहनों की लव मैरिज से नाराज था पिता



महानगर मेट्रो ब्यूरो

कुशीनगर। बिहार के छपरा से लखनऊ के गोमतीनगर आने वाली गोमतीनगर एक्सप्रेस में सिरकटी लाश मिलने का मामला सुलझ गया है। सिरकटी लाश मिलने के बाद सनसनी मच गई थी। लड़की की बॉडी एक बक्से में रखी गई थी। गोमतीनगर एक्सप्रेस के एस-1 कोच में बक्सा मिलने से हड़कंप मच गया था। इसके बाद मामले की जांच शुरू की गई। गोमतीनगर से छपरा तक के स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। इसके बाद जो खुलासा हुआ, वह हैरान करने वाला है। पूरा मामला ऑनर किलिंग का निकला है। दो बहनों की लव मैरिज से नाराज पिता के तीसरी बहन को मार डालने का खुलासा हुआ है।

क्या है पूरा मामला?

छपरा-गोमतीनगर एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में मिली किशोरी की सिरकटी लाश का मामला ऑनर किलिंग का निकला है। इस मामले में खुलासा हुआ है कि पिता ने ही अपनी 16 वर्षीय बेटी को मारा था। दरअसल, पिता अपनी दो बेटियों के प्रेम विवाह से पहले से नाराज था। तीसरी बेटी भी प्रेम जाल में घिरी हुई थी। इससे बौखलाए पिता ने बेटी को मारकर उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। इसमें उसके बहन-बहनोई ने भी पूरा साथ दिया। सेवरही थाना क्षेत्र के पिपराघाट मुस्तकिल गांव के टोला जयपुर निवासी बिग्गन ई-रिक्शा चलाता है। इसी से उसके परिवार का भरण-पोषण होता है। बिग्गन की तीन बेटियां और दो बेटे थे। दो बेटियों ने पहले ही लव मैरिज कर लिया था। 16 वर्षीय तीसरी बेटी भी किसी युवक से बात करती थी। बिग्गन इससे काफी नाराज था। उसने बेटी कई बार समझाया, लेकिन वह नहीं मानी।

बहनोई के कागजात पर पति ने की डॉक्टरी, अब ननद की डिग्री पर क्लीनिक चलाने वाली इनामी पत्नी भी गिरफ्तार

बहनोई की डिग्री पर जिला मेडिकल कॉलेज में कॉर्डियोलॉजिस्ट बने पति की गिरफ्तारी के बाद अब उसकी 25 हजार की इनामी पत्नी को भी पुलिस ने ननद की डिग्री पर फर्जी डॉक्टरी करने के आरोप में जेल भेज दिया है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ललितपुर। पुलिस ने अपने बहनोई के दस्तावेजों के आधार पर जिला मेडिकल कॉलेज में कॉर्डियोलॉजिस्ट बनकर तीन साल तक नौकरी करने वाले फर्जी डॉक्टर अभिनव सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. अब इस मामले की आगे की जांच के दौरान पुलिस ने अभिनव की पत्नी लवीना सिंह को भी अपनी ननद की मेडिकल डिग्री पर फर्जी तरीके से मध्यप्रदेश के बीना में डॉक्टर बनकर नौकरी करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है. फरार होने के कारण ललितपुर पुलिस अधीक्षक द्वारा लवीना पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था, जिसे अब पुलिस ने पकड़कर जेल भेज दिया है. पुलिस जांच में यह खुलासा हुआ कि आरोपी अभिनव सिंह जहां अमेरिका



में रहने वाले अपने बहनोई डॉ. राजीव गुप्ता की एमबीबीएस और एमडी की डिग्री और पहचान पत्रों का इस्तेमाल कर रहा था, वहीं उसकी पत्नी लवीना ने भी अपनी ननद डॉ. दीपाली के मेडिकल दस्तावेजों को हासिल कर लिया था. लवीना ने उन असली कागजातों से फर्जी दस्तावेज तैयार किए और उनके दम पर मध्यप्रदेश के बीना में एक चिकित्सक के रूप में नौकरी हासिल कर ली. इस फर्जीवाड़े का खुलासा होने के बाद जब पुलिस ने लवीना के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू की, तो वह मौके से फरार हो गई थी, जिसके बाद उस पर नाम रखा गया था. पुलिस के मुताबिक, इस जालसाज पति-पत्नी ने विभिन्न स्थानों पर फर्जी मेडिकल दस्तावेजों के आधार पर नौकरियां कीं और अवैध रूप से भारी धनराशि अर्जित की.

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

दिल्ली के गोविंदपुरी में डबल मर्डर, घर में घुसकर मां-बेटे की चाकू गोदकर हत्या



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोविंदपुरी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में डबल मर्डर हुआ है. गोविंदपुरी थाना क्षेत्र में बेखौफ बदमाशों ने मां-बेटे की चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी. घटना 20 और 21 मई की आधी रात के बाद की बताई जा रही है. मृतक मां-बेटे मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के रहने वाले थे. घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. जानकारी के मुताबिक यूपी के बदायूं की रहने वाली शारदा देवी अपने पति और परिवार के साथ दिल्ली के गोविंदपुरी थाना क्षेत्र के गली नंबर 10 में रहती थीं. 40 साल की शारदा देवी के पति सब्जी का व्यवसाय करते हैं. बुधवा की रात शारदा देवी अपने बेटे 14 वर्षीय खुशहाल के साथ घर में अकेली थीं. उनके पति सब्जी की दुकान लगाने गए हुए थे. शारदा देवी के पति आधी रात के बाद जब घर लौटे, दरवाजे के नीचे से खून बहता देखा. दरवाजा खोलकर जब वह घर के भीतर दाखिल हुए, भीतर पत्नी और बेटे की खून से लथपथ लाश पड़ी थी. हत्या चाकू मारकर की गई थी. पति ने घटना की सूचना तुरंत ही पुलिस को दी. सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शारदा और खुशहाल के शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्मट के लिए भिजवा दिए. पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है. पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है. शक है कि हत्या की इस वारदात को लूट के दौरान अंजाम दिया गया है. बताया जा रहा है कि घर से नकदी के साथ ही सोने और चांदी के जेवर भी गायब हैं. पुलिस का दावा है कि इस घटना का जल्द खुलासा कर आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा.

'तुम काली कलूटी हो, मेरी पत्नी सुंदर होगी...',ताने देता था देवर, मारपीट करता था पति, अब छत से गिरकर संदिग्ध मौत



महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंद्रपुरी। वेस्ट दिल्ली के इंद्रपुरी थाना इलाके में एक महिला की संदिग्ध परिस्थिति में घर की तीसरी मंजिल से गिरने से मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है. हालांकि, इस मामले में महिला वीणा के मायके वालों का साफतौर पर यह आरोप है कि उनकी बेटी को घर की छत से उसके पति राजू और दो देवरों ने धक्का मार कर नीचे फेंका है जिससे उसकी मौत हो गई.

'तुम काली कलूटी हो मेरी पत्नी सुन्दर होगी'

वीणा के परिजनों का यह कहना है कि लगभग 4 साल पहले उसकी शादी हुई थी. तब से उसके ससुराल वाले किसी न किसी चीज की मांग रखते थे. इसके अलावा वीणा के देवर उसके रंग रूप को अलग लेकर अक्सर तंज करते रहते थे, जिससे वह बेहद परेशान थी. देवर उससे कहता था - तुम काली कलूटी हो मेरी पत्नी सुन्दर होगी. हालांकि, परिजनों की मानें तो पहले भी उसका पति और देवर उसके साथ गाली गलौज मारपीट करते थे. वीणा यह सब बात अपनी बड़ी बहन को बताती थी लेकिन किसी भी तरह की पुलिस कार्रवाई करने से रोक देती थी. लेकिन जब अचानक मंगलवार रात वीणा की बड़ी बहन को उसका कॉल आया तो वह काफी रो रही थी और कह रही थी कि इसके बाद वह कभी बात नहीं कर पाएगी. उसने अपनी बहन को यह भी कहा कि वह उसके छह महीने के बेटे को अपने पास रखे. इसके बाद फोन कट गया.

'दहेज के चक्कर में मेरी बेटी को मार दिया'

जब परिजन महरौली से इंद्रपुरी के लिए चले तो रास्ते में ही वीणा के देवर ने फोन करके उसके मायके वालों को बताया कि वीणा छत से गिर गई है. फिलहाल इस मामले में एसडीएम इंक्वारी की जा रही है, जिसके बाद ही साफ हो पाएगा कि आखिर वीणा की मौत की वजह क्या है.

दिल्ली में 7-8 गोलियां मारकर युवक का मर्डर, परिवार का दावा- बदला लेने के लिए की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। श्यामलाल कॉलेज के पास बीच सड़क पर मंगलवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने एक युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं और फरार हो गए। घायल युवक को उसके परिवार वाले इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मोहम्मद अमानुल्लाह कुरैशी (22) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने अमानुल्लाह पर करीब 7 से 8 राउंड गोलियां चलाईं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक हत्या की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है। मृतक का बड़ा भाई मोईन कुरैशी हत्या के मामले में अभी जेल में बंद है।

बताया जा रहा है कि उसी हत्या का बदला लेने के लिए अमानुल्लाह कुरैशी की हत्या की गई।

बुधवार को पोस्टमार्टम करा परिजनों को शव सौंप दिया गया है।

फिलहाल वेलकम पुलिस ने हत्या और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

फायरिंग के बाद कई टीमें जांच में जुटीं

मौके पर क्राइम टीम और फॉरेंसिक की टीम भी पहुंची। आरोपियों को पकड़ने के लिए वेलकम पुलिस के अलावा, स्पेशल स्टाफ, एटीएस समेत कई टीमें जुटी हुई हैं।नॉर्थ ईस्ट जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने मंगलवार रात वेलकम पुलिस को फायरिंग की सूचना मिली थी। तुरंत पुलिसवाले श्याम लाल कॉलेज के पास घटनास्थल पर पहुंचे। वहां पर पता चला कि घायल अमानुल्लाह को परिवार वाले जीटीबी अस्पताल ले जा चुके हैं।

परिवार का दावा, बदला लेने के लिए की हत्या

अमानुल्लाह की हत्या को जनवरी में हुई फैजान उर्फ फज्जी की हत्या से जोड़कर देखा जा रहा है। अमानुल्लाह के बड़े भाई मोहम्मद मोईन कुरैशी (24) ने रंजिश में फैजान की एक कैफे में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी थी। अमानुल्लाह के परिजनों का आरोप है कि हत्या का बदला लेने के लिए फैजान के परिजनों ने मिलकर अमानुल्लाह की हत्या करवाई है। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज किए हैं। बताया जा रहा है कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने कुछ आरोपियों की पहचान कर ली है।

गोलियां, धारदार हथियार और गैंग का साया! पुणे में दिनदहाड़े ऑटो चालक पर जानलेवा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पुणे। गैंगवार एक बार फिर भड़क उठी है. बुधवार को बालाजी नगर इलाके में अज्ञात हमलावरों ने 26 वर्षीय ऑटो रिक्शा चालक पर गोलीबारी कर दी. घायल की पहचान अक्षय म्हस्के के रूप में हुई है, जो एक हत्या मामले के आरोपी के भाई बताए जा रहे हैं. पुलिस के अनुसार यह घटना शहर में चल रही गैंग रंजिश से जुड़ी मानी जा रही है. जानकारी के मुताबिक, अक्षय म्हस्के, एनसीपी कॉर्पोरेटर वनराज अंडेकर हत्याकांड के आरोपी आकाश म्हस्के के भाई हैं. पुलिस ने बताया कि वनराज अंडेकर की कथित तौर पर 1 सितंबर 2024 को नाना पेठ इलाके में उनके साले गणेश कोमकर ने निजी विवाद के चलते हत्या कर दी थी. इस पुराने मामले से जुड़ी रंजिश को मौजूदा हमले की वजह माना जा रहा है. सहकार नगर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि अक्षय म्हस्के पर बालाजी नगर फ्लाईओवर के नीचे चार से पांच लोगों ने हमला किया. हमलावरों ने उस पर तीन गोलियां चलाईं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. पुलिस के अनुसार गोलीबारी के बाद हमलावरों ने अक्षय म्हस्के पर धारदार हथियारों से भी हमला किया और मौके से फरार हो गए. गंभीर रूप से घायल अक्षय को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है. उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया है और पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है. अधिकारियों ने बताया कि हमलावरों की तलाश के लिए जांच शुरू कर दी गई है. बदले की आशंका, गैंग कनेक्शन की जांच पुलिस को इस हमले के पीछे बंदू अंडेकर गैंग का हाथ होने का संदेह है. पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि यह हमला पुराने विवाद से जुड़ा बदला हो सकता है. बंदू अंडेकर, वनराज अंडेकर के पिता हैं और वर्तमान में गणेश कोमकर के बेटे आयुष कोमकर की हत्या के मामले में जेल में बंद हैं. इस घटना को भी कथित तौर पर बदले की कार्रवाई माना जा रहा था. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है.

बांद्रा में बुलडोजर एक्शन तीसरे दिन भी जारी... अवैध कब्जा हटाने गई टीम पर पथराव, 10 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बांद्रा ईस्ट के गरीब नगर इलाके में पश्चिम रेलवे अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रहा है. बुधवार को यहां कब्जे हटाने के दौरान जमकर हंगामा हुआ. प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव के बाद इलाके में पथराव होने लगा और लाठीचार्ज की स्थिति बन गई. इस हिंसक झड़प में कुल 10 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 6 पुलिसकर्मी और 4 प्रदर्शनकारी शामिल हैं. रेलवे और पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई बांद्रा ईस्ट रेलवे स्टेशन के पास रेलवे की 1.31 एकड़ जमीन को खाली कराने के लिए की जा रही है. करीब 5300 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैली इस जमीन की अनुमानित कीमत लगभग 600 करोड़ रुपये बताई जा रही है. रेलवे का दावा है कि इस जमीन पर करीब 500 अवैध ढांचे बने हुए थे, जिनमें से अब तक लगभग 85 प्रतिशत को हटाया जा चुका है. अधिकारियों के अनुसार, बुधवार को कार्रवाई के दौरान एक धार्मिक ढांचे को भी हटाया गया, जिसके बाद इलाके में तनाव फैल गया. कुछ लोगों ने कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया और देखते ही देखते स्थिति हिंसक हो गई. प्रदर्शनकारियों की ओर से पुलिस और रेलवे कर्मचारियों पर पथराव किया गया. जवाब में पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा. स्थिति को कंट्रोल करने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों को मौके पर तैनात किया गया. रेलवे और मुंबई पुलिस ने संयुक्त रूप से पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में ले लिया. अधिकारियों के मुताबिक, मौके पर करीब 1200 पुलिस और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है ताकि आगे किसी तरह की हिंसा न हो.

6 पुलिसकर्मी और 4 प्रदर्शनकारी घायल

पथराव और झड़प के दौरान 6 पुलिसकर्मी घायल हो गए. घायल पुलिसकर्मियों की पहचान विपुल विजयकुमार कदम (39), मनीष भीमराव बच्छाव (44), जितेंद्र कुमार सतेंद्र (45), नवनाथ अन्ना मुदुल (45), ओंकार दीपक कोली (39) और चंद्रकांत धाम्बले (45) के रूप में हुई है. इनमें से जितेंद्र कुमार सतेंद्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है. बाकी पुलिसकर्मियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई. वहीं प्रदर्शनकारियों में वैभव गीते (25), फिजान अनवज खान (22), ए. रशीद खान (17) और अंसार अली बेग (49) घायल हुए हैं. इनमें अंसार अली बेग को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. डॉक्टरों के मुताबिक उनकी हालत



स्थिर है रेलवे अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमण हटाने का काम रात में भी जारी रहा. इसी वजह से अब तक करीब 85 प्रतिशत अवैध ढांचों को हटाया जा चुका है. रेलवे का कहना है कि इलाके में अब कोई धार्मिक ढांचा नहीं बचा है जिसे तोड़ा जाना हो, लेकिन कुछ झुग्गी निवासी अब भी मौके पर डटे हुए हैं. रेलवे का अनुमान है कि पूरे अभियान को पूरा करने में अभी दो और दिन लग सकते हैं. अधिकारियों ने साफ किया कि अगले चरण की कार्रवाई भी पहले जैसी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ही की जाएगी. रेलवे अधिकारियों का कहना है कि गरीब नगर क्षेत्र में रेलवे की जमीन पर लंबे समय से अवैध कब्जे थे. इस वजह से रेलवे परियोजनाओं और स्टेशन विस्तार कार्यों में दिक्कत आ रही थी.

बुलढाणा में सनसनीखेज खुलासा: पिता की गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवाने वाला बेटा ही निकला हत्यारा



बुलढाणा। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां अपने पिता की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने वाला बेटा ही पिता का हत्यारा निकला. बुलढाणा ग्रामीण पुलिस की जांच में पूरे मामले का खुलासा हुआ है. पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर हत्या का मामला दर्ज किया है. बुलढाणा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में 21 वर्षीय अनिकेत समाधान घायवट ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसके पिता पिछले दो दिनों से घर नहीं लौटे हैं. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी. पुलिस लगातार मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही थी. करीब 8 से 10 दिनों की जांच के बाद पुलिस को शिकायतकर्ता बेटे पर ही शक हुआ. इसके बाद पुलिस ने उससे कड़ी पूछताछ की, जिसमें उसने अपने पिता की हत्या करने की बात कबूल कर ली.

शराब को लेकर हुआ था विवाद

जिले के हतेडि खुर्द गांव में रहने वाले आरोपी पुत्र ने पुलिस को बताया कि उसकी मां शादी के कार्यक्रम में गांव से बाहर गई हुई थी. इसी दौरान उसके पिता शराब पीने की जिद कर रहे थे, जबकि वह उन्हें शराब पीने से रोक रहा था. पिता-पुत्र के बीच इसी बात को लेकर तीखी बहस शुरू हो गई. आरोपी बेटे ने गुस्से में अपने 44 वर्षीय पिता समाधान के गुप्तांग पर लात मारी और उनकी पिटाई शुरू कर दी. मारपीट के दौरान ही समाधान की मौके पर मौत हो गई. हत्या के बाद आरोपी ने शव को अपने खेत में रखी लकड़ियों के नीचे रखा और उसमें आग लगाकर शव को जला दिया. इसके बाद उसने सबूत मिटाने की कोशिश की. शव जलाकर ठिकाने लगाने के दो दिन बाद आरोपी पुत्र खुद पुलिस स्टेशन पहुंचा और पिता की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई. उसने पुलिस को बताया था कि उसके पिता अपने दोस्त के साथ बाहर घूमने जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे. पुलिस अधिकारी गजानन कांबले ने बताया कि मामले की जांच के दौरान सीडीआर और रिश्तेदारों से पूछताछ की गई. जांच में बेटे पर शक गहराने के बाद उसकी मां के सामने उससे सख्ती से पूछताछ की गई, जिसमें उसने हत्या की पूरी वारदात कबूल कर ली. पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है. मामले में हत्या का केस दर्ज कर आगे की जांच के लिए उसका पीसीआर लिया गया है

महाराष्ट्र की बस में बच्चों को छोड़कर प्रेमी संग भागी मां, पॉकेट में मिले नोट में लिखी बात ने किया हैरान

महानगर मेट्रो ब्यूरो



यवतमाल। महाराष्ट्र के बीड जिले से एक दिल दहला देनेवाली खबर सामने आई है। यहां बस में दो बच्चे रोते-बिलखते मिले। ये बच्चे इतनी छोटे थे की बोल भी नहीं सकते थे। लोगों ने बच्चों को देखा और उन्हें खाने कि लिए कुछ दिया और पानी लिया। बच्चे कुछ बताने की स्थिति में नहीं थे। लोगों ने एक बच्चे के पेंट की पॉकेट से एक पर्ची मिली। इसमें लिखा था कि इन बच्चों के माता-पिता नहीं हैं कृपया उन्हें बस में बैठा दें। इस पर्ची में एक मोबाइल नंबर भी लिखा था। जब पुलिस ने उस नंबर पर कॉल की तो सामने वाले ने जो बताया, उससे हर किसी के होश उड़ गए। आखिरकार बच्चों को उस फोन नंबर वाले ने भी अपनाने से इनकार कर दिया और बच्चों को अनाथालय भेज दिया गया। अधिकारी ने बताया कि बाद में बस कंडक्टर ने बच्चों को अकेले रोते हुए देखा, जिसके बाद उसने बीड में शिवाजीनगर पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर पुहंची और बाल कल्याण समिति के सदस्यों के साथ बच्चों को कस्टडी में लिया।

बच्चों के पास मिले नोट में क्या लिखा था

पुलिस ने बताया कि बच्चों के पास छोड़े गए नोट में महिला ने लिखा था, 'इन बच्चों के कोई माता-पिता नहीं हैं। कृपया इन्हें यवतमाल भेज दें और यह सुनिश्चित करें कि ये सुरक्षित पहुंच जाएं।' पुलिस के अनुसार, इसमें यवतमाल का एक पता और एक मोबाइल नंबर भी लिखा था। जब पुलिस ने उस नंबर पर कॉल की तो पता चला कि वह नंबर बच्चों के नाना का था।

सीसीटीवी फुटेज में दिखी महिला

पुलिस ने बताया कि जब सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई और पूछताछ की गई तो पता चला कि बच्चों की मां ही अपने दोनों नाबालिग बच्चों को एक सरकारी बस में छोड़कर भाग गई। वह अपने प्रेमी के साथ भागी थी। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को बच्चों को छोड़ने से पहले, महिला ने कथित तौर पर उनकी जेब में एक हाथ से लिखा हुआ नोट डाल दिया था, जिसमें यवतमाल का एक पता और उसके पिता का मोबाइल नंबर लिखा था। पुलिस के अनुसार, यवतमाल की रहने वाली यह महिला बच्चों के साथ तुलजापुर-संभाजीनगर बस में सवार हुई थी। शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि सफ़र के दौरान, वह कथित तौर पर बस से बीच रास्ते में ही उतर गई और अपने प्रेमी के साथ एक स्कूटर पर बैठकर भाग गई। पुलिस ने नोट में लिखे फोन नंबर का इस्तेमाल करके बच्चों के नाना से संपर्क किया और उन्हें 18 मई को बीड बुलाया। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि बच्चों के नाना को अपने पोते-पोतियों की हालत और भलाई के बजाय, अपनी बेटी के ले जाए गए एक स्कूटर की चिंता थी। उन्होंने बताया कि बेटी जो स्कूटर लेकर भागी है, वह उनका था। वह उनका मोबाइल फ़ोन और 20,000 रुपये कैश लेकर भी भागी है।

पुलिस ने संस्था में भेजे बच्चे

स्थानीय बाल कल्याण समिति के एक अधिकारी ने बताया कि बच्चों के नाना ने भी बच्चों को साथ ले जाने से इनकार कर दिया। उसके बाद पुलिस ने बच्चों को अपनी सुरक्षा में ले लिया और बाद में उन्हें शिरूर कासार तहसील के अरवी गांव में स्थित एक बाल देखभाल गृह में भेज दिया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे से मिले 'जिसो' के पदाधिकारी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जैन इंटरनेशनल सोशल ऑर्गनाइजेशन के शीर्ष पदाधिकारियों ने दिल्ली में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा मुंबई के लोकप्रिय सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे से उनके निवास पर एक शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान संगठन की सामाजिक गतिविधियों पर चर्चा हुई और आगामी कार्यक्रम के लिए उन्हें आमंत्रित किया गया।

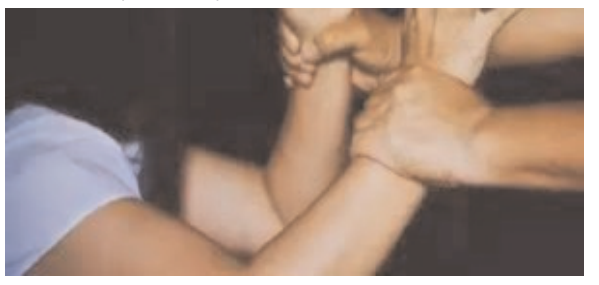
सामाजिक गतिविधियों की दी जानकारी भेंट के दौरान 'जिसो' के संस्थापक व इंटरनेशनल चेयरमैन सुरेश पुनमिया (मुंबई) ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को संगठन द्वारा देशभर में चलाई जा रही विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों से अवगत कराया। शिंदे साहब ने संगठन के सेवा कार्यों की सराहना की। ठाणे के कार्यक्रम के लिए मिला आमंत्रण 'जिसो' के राष्ट्रीय मंत्री नीलेशकुमार सुराणा (जावरा) ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी अगस्त माह में ठाणे (महाराष्ट्र) में संगठन द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने के लिए 'जिसो' पदाधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री व सांसद महोदय को भावभीना आमंत्रण पत्र सौंपा।

उपमुख्यमंत्री ने दिया आश्वासन:

'जिसो' के आमंत्रण को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सहर्ष स्वीकार किया। उन्होंने संगठन को अपनी शुभकामनाएं देते हुए आश्वस्त किया कि समय की अनुकूलता रहते हुए वे इस कार्यक्रम में अवश्य सम्मिलित होंगे।

मोमेंटो भेंट कर किया बहुमान सकारात्मक चर्चा और शिष्टाचार मुलाकात के समापन पर 'जिसो' पदाधिकारियों द्वारा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को संगठन का स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) भेंट कर उनका आत्मीय बहुमान व सम्मान किया गया।

'कमरे में घुसी, मुक्का मारा और कपड़े फाड़ने की भी कोशिश..



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में स्थित जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में सीनियर महिला रेजिडेंट डॉक्टर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक महिला मरीज जबरन डॉक्टर के कमरे में घुस आई। डॉक्टर को गोलियां दीं, मुंह पर मुक्का मारा, कपड़े फाड़ने की कोशिश की और कागज भी मुंह पर दे मारे। किसी तरह महिला को काबू कर पुलिस के हवाले किया गया। मगर महिला डॉक्टर का आरोप है कि पुलिस ने आरोपी महिला को बिना कोई कार्रवाई किए ही छोड़ दिया। डॉक्टर ने अपनी मेडिकल सुपरिंटेंडेंट को लिखित में शिकायत दी। जिसके बाद मामले में संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया।

36 वर्षीय पीड़ित डॉक्टर पूजा बैसोया JPC अस्पताल में आंखों की सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर हैं।

18 मई की सुबह से वह ड्यूटी पर थीं। इस बीच दोपहर करीब 12:40 बजे एक महिला बिना पर्ची, बिना टोकन डॉक्टर के कमरे में जाने के लिए गार्ड से लड़ने लगी। वह गार्ड से लड़ते हुए डॉक्टर के कमरे में घुस आई। जब बैसोया ने उससे बिना पर्ची या टोकन के बारे में पूछा तो वह उन्हें गालियां देने लगी। साथ ही उसने बैसौया के मुंह पर मुक्का भी मार दिया। उनके कपड़े तक फाड़ने की कोशिश की। वहां रखे पर्चे भी डॉक्टर के मुंह पर फेंक मारे। किसी तरह अस्पताल के गार्ड्स ने उसे काबू किया और अस्पताल की पुलिस चौकी में पुलिसकर्मियों के हवाले किया। दो दिन बाद दर्ज हुआ केस बैसोया का आरोप है कि पुलिस ने बिना कोई कार्रवाई किए आरोपी सायमा (35) को छोड़ दिया। बैसोया ने अपनी स्व को लिखित में शिकायत दी। मामला आला अधिकारियों तक पहुंचा, जिसके चलते बुधवार यानी कल मामले में मारपीट, अस्पताल में डॉक्टर पर हमला करने, समेत संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया।

मेट्रो की तरह मिलेगा जू का टिकट, चिड़ियाघर में लगाए जाएंगे टिकट लेने के लिए कियोस्क



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। चिड़ियाघर घूमने परिवार या दोस्तों के साथ पहुंचने वाले विजिटर्स के लिए अब टिकट खरीदना आसान होने जा रहा है। अगर किसी ने पहले से ऑनलाइन टिकट बुक नहीं कराई है और मौके पर मोबाइल इंटरनेट स्लो चल रहा है, तब भी अब परेशानी नहीं होगी। चिड़ियाघर प्रशासन विजिटर्स की सुविधा के लिए सेल्फ सर्विस टिकेटिंग कियोस्क सिस्टम शुरू करने जा रहा है। इसके जरिए लोग बाजार में सामान खरीदने की तरह आसानी से PI पेमेंट कर टिकट ले सकेंगे। शुरुआत में टिकट काउंटर परिसर में 4 कियोस्क लगाए जाएंगे।

ऐसे काम करेगा सिस्टम

विजिटर्स सीधे कियोस्क पर जाकर स्क्रीन में अपना नाम, मोबाइल नंबर और टिकटों की संख्या भरेंगे। इसके बाद UPI से पेमेंट करते ही कुछ ही सेकंड में टिकट मोबाइल पर आ जाएगी। साथ ही पेपर टिकट भी मिलेगी। चिड़ियाघर के एक अधिकारी ने बताया कि इस सिस्टम के लिए अलग इंटरनेट डोमेन की व्यवस्था की गई है। इससे इंटरनेट स्लो होने या वेबसाइट हैंग होने की समस्या से काफी राहत मिलेगी। अभी हालात यह है कि बिना ऑनलाइन टिकट बुकिंग के चिड़ियाघर पहुंचने वालों की एंट्री गेट के बाहर हर दिन लंबी लाइन लग जाती है। लोगों को ऑनलाइन टिकट फॉर्म भरना पड़ता है। इंटरनेट स्लो होने या प्रोसेस आगे नहीं बढ़ने पर दोबारा लॉगइन करना पड़ता है। इसके लिए मोबाइल नंबर और कैप्चा कोड भरना होता है। अगर कैप्चा गलत हो जाए तो पूरी प्रक्रिया फिर से करनी पड़ती है। इसके बाद पेमेंट के दौरान भी इंटरनेट स्लो होने या वेबसाइट पर ज्यादा लोड की वजह से वेबसाइट हैंग होने की शिकायत रहती है। कई बार पेमेंट होने के बाद भी टिकट रिजेक्ट होने का खतरा बना रहता है।

एअर इंडिया की फ्लाइट रनवे से टकराई

बंगलूरू (एजेंसी)। बंगलूरू हवाई अड्डे पर उतरते समय गुरूवार को एअर इंडिया के एक विमान में टेलस्ट्राइक की घटना हुई। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली से आ रहा विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और चालक दल और यात्री सामान्य रूप से विमान से उतर गए। दरअसल, टेकऑफ या लैंडिंग के दौरान जब विमान का पिछला हिस्सा रनवे के संपर्क में आता है, तब टेलस्ट्राइक की घटना होती है। टेलस्ट्राइक के बाद सभी विमानों की संरचनात्मक समस्याओं के लिए जांच की जाती है। फ्लाइट में 181 यात्री सवार थे। घटना में किसी यात्री या क्रू सदस्य के घायल होने की सूचना नहीं है। सूत्रों के अनुसार, लैंडिंग से ठीक पहले विमान 'वेक टर्बुलेंस' की चपेट में आ गया। इसके बाद पायलट ने नियमों के तहत 'गो-अराउंड' करने का फैसला लिया। पायलट ने लैंडिंग टाल दी और फ्लाइट वापस हवा में ले ली। इसी दौरान उसका पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया।

नीट लीक मामला : कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन : शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के जयपुर में गुरुवार को नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई, जिसमें पुलिस को वाटर कैनन का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेलना पड़ा। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कार्यकर्ता कांग्रेस मुख्यालय से पैदल मार्च करते हुए शहीद स्मारक पहुंचे, जहां से वे बीजेपी मुख्यालय का घेराव करने की कोशिश कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान शहीद स्मारक पर कार्यकर्ताओं ने डोटासरा को कंधे पर उठा लिया। वहीं, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास पुलिस कमिश्नरेट के सामने सड़क पर धरने पर बैठ गए। पुलिस ने विधायक मुकेश भाकर और पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी को धक्का देकर आगे बढ़ने से रोका, जबकि विधायक मनीष यादव को बैरिकेड्स पर चढ़ने का प्रयास करते हुए नीचे उतारा गया। डोटासरा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा हमला कर उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की। उन्होंने प्रधान को चोर और धोखेबाज करार देकर कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पर लोगों का विश्वास नहीं रहा है और एनटीए को भंग कर देना चाहिए। डोटासरा ने केंद्र सरकार पर जिम्मेदारी से बचने का आरोप लगाकर कहा कि 22 लाख छात्रों के भविष्य को देखते हुए नीट पेपर लीक मामले की जांच सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में सीबीआई से कराई जानी चाहिए, ताकि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो सके।

अमृतसर में घर में भीषण धमाका, दो महिलाएं झुलसीं

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर के अनगढ़ इलाके में गुरुवार सुबह एक घर में हुए जोरदार धमाके से पूरा इलाका दहल गया। घटना के कारण घर में भीषण आग लग गई और चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दो महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, एक महिला की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है और दूसरी भी बुरी तरह घायल है। आशंका है कि एक महिला की मौत हो सकती है, हालांकि इसकी पुष्टि अस्पताल की रिपोर्ट के बाद होगी। बात दें कि धमाका इतना तेज था कि घर की छत में गहरी दरारें पड़ गईं और बाहर लगे शीशे भी टूटकर बिखर गए। आग बहुत तेजी से फैली, जिससे घर को भारी नुकसान पहुंचा। फायर ब्रिगेड को सुबह करीब 11:45 बजे कंट्रोल रूम से सूचना मिली, जिसके बाद तुरंत गाड़ियां मौके के लिए रवाना की गईं। टीम जब पहुंची, तब स्थानीय लोग आग बुझाने में मदद कर रहे थे। फायर ब्रिगेड की टीमों ने लगभग 20 से 25 मिनट में आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोग आग लगने के कारणों को लेकर तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। कुछ लोगों ने पटाखों या अन्य ज्वलनशील पदार्थों से धमाके जैसी आवाज सुनने का दावा किया है। हालांकि, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं और सभी कोणों से मामले की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी तक आग लगने का कोई अंतिम कारण सामने नहीं आया है और विस्तृत जांच के बाद ही सच्चाई का पता चलेगा। पुलिस मौके से सबूत जुटाकर उचित कानूनी कार्रवाई करेगी।

राजनीतिक फैसले और बीजेपी में जाने को लेकर की जा रही आलोचना

-हाईकोर्ट ने राघव की याचिका पर कहा- यह प्राइवेसी उल्लंघन का मामला नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जस्टिस सुब्रह्मण्यम प्रसाद की बेंच ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि राघव चड्ढा के व्यक्तिगत अधिकारों के उल्लंघन का मामला नहीं बनता। उनकी आलोचना उनके राजनीतिक फैसले को लेकर और बीजेपी में जाने को लेकर की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया जिसमें उनके खिलाफ अपमानजनक सामग्री हटाने की मांग की गई थी।



हाईकोर्ट ने कहा कि व्यक्तित्व अधिकारों का कमर्शियल इस्तेमाल और आलोचना करने में अंतर है। हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा से कहा कि आपके राजनीतिक फैसले और बीजेपी में जाने की आलोचना हो रही है। प्रथम दृष्टया इसमें व्यक्तित्व अधिकारों के उल्लंघन का मामला नहीं बनता। कोर्ट ने कहा निस्संदेह आज़ादी के समय से ही हम आरके लक्ष्मण के कार्टून देखते आए हैं। उस दौर में शायद सोशल मीडिया इतना प्रभावशाली नहीं था, जितना आज है। बता दें राघव चड्ढा की याचिका में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित एआई-जनरेटेड डीपफेक, छेड़छाड़ वाले वीडियो, फैब्रिकेटेड भाषण और भ्रामक सामग्री को हटाने की मांग की गई है। कोर्ट ने राघव चड्ढा से कहा है कि ऐसे मामलों में मानहानि का केस दर्ज किया जा सकता है। पार्टी बदलना एक सार्वजनिक फैसला है, व्यक्तिगत नहीं। कोर्ट ने एआई से बने वीडियो पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर इन वीडियो पर आपत्ति है, तो विशेष याचिका दाखिल करें। व्यापक रूप से रोक लगाने की मांग नहीं की जा सकती।

गोहत्या के खिलाफ आंदोलन चला रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने किया ऐलान

शंकराचार्य गो-एलएक्स पर गाय खरीदेंगे और बेचेंगे

वाराणसी (एजेंसी)। गोहत्या के खिलाफ आंदोलन चला रहे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अब गायों की ऑनलाइन खरीद-फरोख्त का ऐलान किया है। शंकराचार्य ने गो-एलएक्स नाम से एक वेबसाइट शुरू करने का फैसला किया है, जिसके माध्यम से गायों की खरीद की जाएगी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि हम एक वेबसाइट बनवा रहे हैं। इस वेबसाइट के जरिए हम गायों को खरीदेंगे। जो पशुपालक या व्यापारी अपनी गाय बेचना चाहता है, वह वेबसाइट पर विज्ञापन दे सकता है। अगर कोई हिंदू अपनी गाय बेचना चाहता है, तो मुझे बेचे। हम खरीदने के लिए तैयार हैं। हम गायों को कटने नहीं देंगे और किसी गोहत्यारे को गाय खरीदने नहीं देंगे।



शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गुरुवार को एक वीडियो जारी किया। वीडियो में उन्होंने कहा कि हम गायों को खरीदकर उनकी सेवा करेंगे। हिंदुओं के कहने पर ही अपने वेबसाइट बनाई है। हमने इसका नाम गो-एलएक्स रखा है। लोग अपनी गाय यहां बेच सकते हैं। गो संरक्षण को समर्पित लोग भी उन गायों को खरीदकर सेवा कर सकेंगे। गायों को ऑनलाइन खरीदने का फैसला लेने की वजह बताते हुए शंकराचार्य ने कहा कि सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों से यह नैरेटिव फैलाया जा रहा कि यदि मुसलमान गाय खरीदना बंद कर देंगे या गो मांस खाना छोड़ देंगे तो हिंदू पशुपालक आर्थिक संकट में आ जाएंगे।

गो-एलएक्स का मकसद, गायों को कटने से बचाना है

शंकराचार्य ने कहा कि गो-एलएक्स मंच का उद्देश्य किसी परिस्थिति में गाय को कत्लखाने जाने से रोकना है। यह मंच ओएलएक्स की तर्ज पर कार्य करेगा। जहां गाय बेचने की इच्छा रखने वाले लोग संपर्क कर सकेंगे। गो सेवक और गो भक्त गायों को संरक्षण के लिए खरीद सकेंगे। उन्होंने कहा कि वह ऐसी गायों को खरीदेंगे जो दूध देना बंद कर दी हैं या जिनको कसाई को बेचा जा रहा। पशुपालक उन गायों को हमारी वेबसाइट पर सीधे बेच सकेंगे और हम उसकी खरीदी करेंगे। कोई भी सच्चा हिंदू अपनी गाय को कटने के लिए नहीं बेच सकता। यदि किसी व्यक्ति में वास्तविक हिंदुत्व है, तो वह कभी भी गाय को कसाई के हाथों में नहीं सौंपेगा।

मुस्लिम समाज भी गोहत्या बंदी के समर्थन में...

शंकराचार्य ने कहा कि भारत में गो हत्या बंदी के समर्थन में मुस्लिम समाज भी है। मुस्लिम समाज के काफी लोग साथ हैं। उन्होंने यह स्वीकार किया है कि इस्लाम में गो मांस खाना कोई अनिवार्य धार्मिक कर्तव्य नहीं है। हम ऐसे लोगों का स्वागत करते हैं। यदि देश में गोहत्या और गोमांस भक्षण बंद होता है, तो इससे सामाजिक सौहार्द और आपसी सद्भाव को बल मिलेगा।

इबोला वायरस को लेकर भारत सरकार ने किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अफ्रीका में फैले इबोला वायरस को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में फैले इबोला को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किए जाने के बाद भारत सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजीएचएस ने सभी इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स को एडवाइजरी भेजी है खासकर उन यात्रियों के लिए जो डीआर कांगो, युगांडा और साउथ सूडान जैसे हाई रिस्क देशों से आ रहे हैं। एडवाइजरी में कहा है कि अगर किसी यात्री में बुखार, सिरदर्द, कमजोरी, उल्टी-दस्त, गले में खराश या खून बहने जैसे लक्षण हैं तो उसे इमिग्रेशन से पहले ही एयरपोर्ट हेल्थ ऑफिसर को रिपोर्ट करना होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भारत में फिलहाल इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है और देश के लिए वर्तमान खतरा बेहद कम है। हालांकि सावधानी के तौर पर निगरानी और तैयारियों को और मजबूत किया जा रहा है। एडवाइजरी में ये भी कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति संक्रमित मरीज के खून या बॉडी फ्लूइड के संपर्क में आया है तो उस पर भी नजर रखी जाएगी। सरकार ने साफ किया है कि भारत आने के बाद 21 दिनों के अंदर अगर लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और अपनी ट्रैवल हिस्ट्री बताएं। बता दें एयरपोर्ट हेल्थ ऑर्गनाइजेशन इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रहा है। इबोला एक बेहद खतरनाक बीमारी है इसलिए केंद्र सरकार ने यात्रियों से हेल्थ स्क्रीनिंग में पूरा सहयोग करने की अपील की है।



उत्तर भारत में सूरज उगल रहा आग, यूपी के बांदा में पारा 48 पर पहुंचा



-भारत के बड़े हिस्से में 40 से 47 के बीच तापमान बना रहने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तर भारत में भीषण गर्मी जारी है। उत्तर भारत आग की भट्टी में तब्दील हो गया है। कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री से पार है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। लू की तेज हवाएं तेज धूप और उमस भरी गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को देश के करीब 50फीसदी हिस्से में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। यूपी, मध्य प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, विदर्भ और ओडिशा जैसे राज्यों में भारी गर्मी पड़ रही है। यूपी के बांदा में सबसे ज्यादा तापमान 48.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पूरे देश में सबसे ज्यादा है।

वहीं सबसे ज्यादा गर्मी यूपी, मध्य प्रदेश और विदर्भ (महाराष्ट्र) के इलाकों में पड़ रही है। बांदा, खजुराहो, वर्धा, रोहतक और नागपुर जैसे शहर इस समय सूरज की तपिश में जल रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मई के अंत तक गर्मी से राहत मिलने के आसार कम हैं। उत्तर-पश्चिम भारत, पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत और उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत के बड़े हिस्से में 40 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान बना रहने की संभावना है। लू की स्थिति भी जारी रहेगी। इस भीषण गर्मी में दिन के समय बाहर निकलना मुश्किल है। खेतों में काम करने वाले किसान, मजदूर और सड़क पर काम करने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को दोपहर में बाहर न निकलने, खूब पानी पीने, ओआरएस लेने और हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनने की सलाह दी है। सरकार और प्रशासन भी हाई अलर्ट पर हैं। स्कूलों के समय में बदलाव, पशुओं के लिए छाया और पानी की व्यवस्था जैसी तैयारियां की जा रही हैं। उत्तर भारत इस समय वाकई आग की भट्टी बना है। अगले कुछ दिनों में अगर कोई ठंडी हवा या प्री-मानसून की बारिश नहीं हुई तो स्थिति और बिगड़ सकती है।

किसान न्याय को तरसे

1961 का आवंटन आदेश और गिरदावरी रिकॉर्ड मौजूद

65 साल पुरानी सरकारी मिसल गायब!

टोंक में राजस्व रिकॉर्ड पर बड़ा सवाल, जनसुनवाई में भी नहीं सुनी गई फरियाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक, (पीयूष गौत्तम)। जिले के देवली क्षेत्र से सामने आया एक मामला अब केवल जमीन विवाद नहीं, बल्कि पूरे राजस्व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल बन गया है। ग्राम चांदली के एक किसान परिवार की वर्ष 1961 की सरकारी आवंटन मिसल संख्या 475/1961 तहसील और जिला रिकॉर्ड रूम से गायब बताई जा रही है, जबकि परिवार पिछले 65 वर्षों से लगातार उस भूमि पर काश्त करता आ रहा है।

करीब 8 बीघा भूमि से जुड़े इस मामले में पीड़ित परिवार का कहना है कि उनके पास आवंटन आदेश, गिरदावरी रिकॉर्ड, धारा 91 के नोटिस और खाता परिवर्तन सहित कई सरकारी दस्तावेज मौजूद हैं। इन दस्तावेजों में वर्षों से उनकी काश्त दर्ज है, लेकिन जब मूल मिसल मांगी गई तो प्रशासन ने रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने की बात कह दी।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2013 में प्रमाणित प्रति के लिए दिए गए आवेदन पर खुद प्रशासन ने लिखित में स्वीकार किया कि 'आवंटन पत्रावली उपलब्ध नहीं है।' इसके बाद राजस्थान संपर्क पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन वर्षों तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आखिरकार 2022 में शिकायत को 'प्रकरण ड्रॉप फरमावें' लिखकर बंद कर दिया गया।



सिस्टम का 'ब्लैक होल' : आखिर कहां गई 65 साल पुरानी फाइल?

कागजों का खेल: जब प्रशासन ने खुद 2013 में लिखित रूप से मान लिया कि 'पत्रावली उपलब्ध नहीं है', तो इतने सालों में उसे ढूंढने या 'मिसल पुनर्निर्माण' की जहमत क्यों नहीं उठाई गई?

पोर्टल बना मजाक: 'राजस्थान संपर्क पोर्टल' पर सालों तक शिकायत लटकने के बाद बिना समाधान के 2022 में उसे 'ड्रॉप' कर देना क्या बाबूशाही की तानाशाही नहीं है?

जनसुनवाई या महज खानापूर्ति-घंटों लाइन में लगने के बाद भी पीड़ित को बिना सुने वापस उसी तहसीलदार के पास बैरंग लौटा देना, किस 'जन-कल्याण' का हिस्सा है?

किसको फायदा पहुंचाने की साजिश? क्या यह महज कोई लिपिकीय भूल है, या फिर भू-माफियाओं के साथ मिलीभगत कर किसान की पुश्तैनी जमीन हड़पने का कोई सुनियोजित षड्यंत्र? बड़ा सवालः यदि सरकारी महकमों की तिजोरियों से ही दस्तावेज 'सुरक्षित' नहीं हैं, तो आम और गरीब आदमी न्याय की उम्मीद लेकर आखिर किस चौखट पर जाए?

पीड़ित परिवार का आरोप है कि उन्होंने जिला जनसुनवाई में भी गुहार लगाई, लेकिन वहां भी उन्हें राहत नहीं मिली। घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद जब नंबर आया तो अधिकारियों ने पूरी बात तक नहीं सुनी और वापस तहसीलदार के पास भेज दिया। परिवार का कहना है कि तहसील स्तर पर भी उन्हें केवल आश्वासन मिल रहे हैं, समाधान नहीं।

मामले में उपलब्ध दस्तावेज खुद यह साबित कर रहे हैं कि भूमि पर दशकों से काश्त जारी है। वर्ष 1962 की आवंटन पुष्टि रिपोर्ट, 1993-94 की गिरदावरी और 1994 के धारा 91 नोटिस जैसे रिकॉर्ड सरकारी स्तर पर काश्त को स्वीकार करते हैं। इसके बावजूद मूल मिसल का गायब होना कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

अब पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री, राजस्व मंत्री और जिला कलेक्टर से मिसल पुनर्निर्माण, उच्च स्तरीय जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। मामला यह संकेत दे रहा है कि यदि सरकारी रिकॉर्ड ही सुरक्षित नहीं हैं, तो किसानों की जमीनों का भविष्य कितना सुरक्षित है।

सांसद सायोनी घोष का सिर कलम करने पर एक करोड़ का रखा ईनाम

- बाद में धमकाने वाले भाजपा नेता ने खेद जताया

सिकंदराबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल से टीएमसी सांसद सायोनी घोष का सिर कलम करने वाले को एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा करने वाले उत्तर प्रदेश के भाजपा नेता और सिकंदराबाद नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. प्रदीप दीक्षित अब अपने बयान से बैकफुट पर आ गए हैं। सोशल मीडिया पर विवादित वीडियो वायरल होने और चौतरफा घिरने के बाद उन्होंने बुधवार शाम एक नया वीडियो जारी कर अपने बयान पर खेद व्यक्त किया है।



यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब बुलंदशहर के सिकंदराबाद में करीब पांच दिन पहले आयोजित एक धर्म ध्वज यात्रा के दौरान डॉ. प्रदीप दीक्षित ने यह भड़काऊ बयान दिया था। वीडियो सामने आने के बाद राजनीति गर्मा गई। टीएमसी सांसद सायोनी घोष ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने इसे एक महिला जनप्रतिनिधि को दी गई खुली धमकी करार दिया। सायोनी घोष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नितिन गडकरी को टैग करते हुए स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल और कोलकाता पुलिस से इस मामले में तत्काल कड़ी कार्रवाई की अपील करते हुए कहा कि वह ऐसी धमकियों से डरने वाली नहीं हैं और लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाती रहेंगी। दरअसल, यह पूरा विवाद साल 2015 की एक पुरानी सोशल मीडिया पोस्ट (शिवलिंग पर कथित कार्टून) से जुड़ा है। सायोनी घोष ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि वह पोस्ट उन्होंने नहीं की थी और उस समय वह महज 22 वर्ष की थीं। वह इस विषय पर पहले ही सार्वजनिक रूप से माफी मांग चुकी हैं और सभी धर्मों का सम्मान करती हैं।

भाजपा नेता ने दी सफाई

सांसद सायोनी घोष के कड़े रुख और पुलिस कार्रवाई की मांग के बाद भाजपा नेता डॉ. प्रदीप दीक्षित ने बैकफुट पर आते हुए बुधवार शाम एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि सायोनी घोष उस पुरानी विवादित तस्वीर को लेकर पहले ही खेद जता चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह की हिंसा के समर्थक नहीं हैं। उन्होंने अपने बयान पर खेद जताते हुए लोगों से अपील की कि न तो किसी को हिंसा की बात करने का अधिकार है और न ही किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का।

बंगाल के मदरसों में गाना पड़ेगा वंदे मातरम

-शुभेंदु सरकार ने जारी किए आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए राज्य के सभी मदरसों में 'वंदे मातरम्' गाना अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में मदरसा शिक्षा निदेशालय की तरफ से आदेश जारी कर दिया गया है। जारी किए गए आधिकारिक आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि पहले के सभी निर्देशों और प्रथाओं को निरस्त करते हुए अब राज्य के मदरसों में दैनिक कक्षाएं शुरू होने से पहले होने वाली सुबह की प्रार्थना में 'वंदे मातरम्' गाना बेहद जरूरी होगा।

यह नया नियम राज्य के सभी सरकारी मॉडल मदरसों (इंग्लिश मीडियम), मान्यता प्राप्त सरकारी सहायता प्राप्त मदरसों, अप्रूव्ड एमएसके, अप्रूव्ड एसएसके और मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त मदरसों पर समान रूप से लागू होगा। सरकार ने निर्देश दिया है कि इस आदेश को तत्काल प्रभाव से पूरे राज्य में सख्ती से लागू किया जाए। मदरसा शिक्षा निदेशक की तरफ से इस आदेश की प्रतिलिपि सभी जिलाधिकारियों, जिला शिक्षा अधिकारियों, पश्चिम बंगाल बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन और अन्य संबंधित विभागों को अनुपालन के लिए भेज दी गई है। आदेश में बताया गया है कि इसे सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद ही जारी किया गया है। पश्चिम बंगाल सरकार का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब हाल ही में केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को राष्ट्रगान जन गण मन के बराबर का दर्जा देने का एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, इस फैसले का मुख्य उद्देश्य वंदे मातरम् को भी उसी कानूनी दायरे में लाना है, जिसके तहत अभी राष्ट्रगान को सुरक्षा और सम्मान मिला हुआ है। इस नए प्रस्तावित संशोधन के लागू होने के बाद, देश में वंदे मातरम गाए जाने के दौरान किसी भी तरह का अपमान करना या उसमें बाधा डालना एक संज्ञेय अपराध की श्रेणी में माना जाएगा। मौजूदा कानूनी नियमों के तहत, यदि कोई व्यक्ति जान-बूझकर राष्ट्रगान गाने से रोकता है या उसमें किसी प्रकार का व्यवधान पैदा करता है, तो उसे 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों भुगतने पड़ सकते हैं। वहीं, बार-बार इस अपराध को दोहराने वालों के लिए कम से कम एक साल की अनिवार्य जेल का प्रावधान है। अब यही कड़े कानूनी प्रावधान और सजा वंदे मातरम् के अपमान पर भी लागू होंगे।

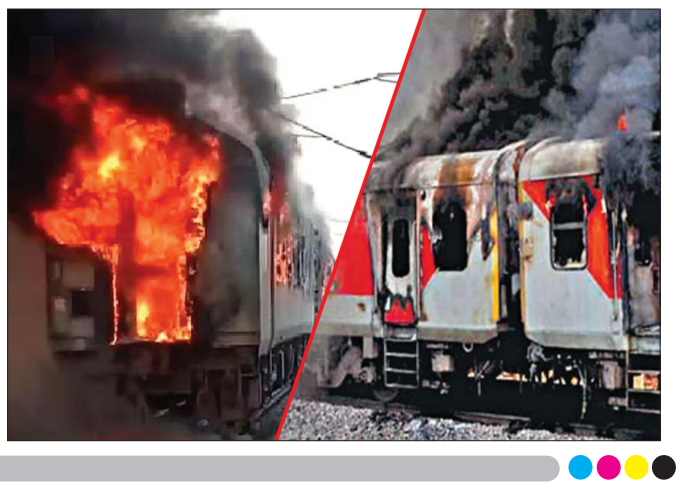


ट्रेनों में हो रही लगातार आग की घटनाएं किसी साजिश का हिस्सा हैं?

-रेलवे ने किया खुलासा, असामाजिक तत्वों की संलिप्तता की ओर किया इशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने हाल के दिनों में ट्रेनों में अचानक आग लगने की घटनाओं को लेकर खुलासा किया है। रेलवे ने बुधवार को इन हादसों को महज इत्तेफाक या तकनीकी खराबी मानने के बजाय, इसके पीछे साजिश की आशंका जताई है। आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया गया है कि अब तक हुई जांच के नतीजे असामाजिक तत्वों की संलिप्तता की ओर साफ इशारा कर रहे हैं। इस खुलासे के बाद सुरक्षा एजेंसियों और रेलवे में हड़कंप मच गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रेलवे प्रशासन ने खासतौर पर चार अलग-अलग जगहों पर हुई घटनाओं का जिक्र किया है, जिन्होंने सुरक्षा तंत्र की नींद उड़ा दी है। इनमें राजस्थान के अमरपुरा और कोटा में सामने आई घटनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, बिहार के सासाराम और पश्चिम बंगाल के हावड़ा में भी ट्रेनों में भड़की आग ने इस शक को और पुख्ता कर दिया है कि इसके पीछे कोई साजिश हो सकती है। रेलवे का कहना है कि इन सभी घटनाओं को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अमरपुरा में जहां ट्रेन के बेडरोल में आग लगाने की कोशिश की गई, वहीं हावड़ा की घटना में तो कोच के बाथरूम से पेट्रोल से सना हुआ एक कपड़ा बरामद हुआ है, जिसने साजिश के शक को और पुख्ता कर दिया है। इसी तरह कोटा में राजधानी एक्सप्रेस के बाथरूम से लपटें उठती देखी गईं। वहीं, बिहार के सासाराम स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 पर खड़ी सासाराम-पटना पैसेंजर ट्रेन के एक खाली कोच में किसी अज्ञात शख्स ने कोई जलती हुई चीज फेंक दी। हालांकि, शुरुआती जांच में सासाराम की घटना के पीछे शॉर्ट सर्किट का अंदेशा जताया गया था, लेकिन अब इसमें भी तोड़फोड़ का एंगल सामने आ रहा है। लगातार हो रही इन घटनाओं के बाद रेलवे प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है। मामलों की तह तक जाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आरपीएफ की स्पेशल टीमें हर मामले की हर एंगल से बारीकी से जांच कर रही हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि देश की जीवनरेखा माने जाने वाले रेलवे नेटवर्क को निशाना बनाने के पीछे किन लोगों का हाथ है। इन घटनाओं के मद्देनजर रेलवे ने यात्रियों से भी अतिरिक्त सतर्कता बरतने की अपील की है। रेलवे ने एडवाइजरी जारी कर कहा कि सभी यात्रियों से अनुरोध है कि वे अलर्ट और सुरक्षित रहें। अगर आपको ट्रेन या स्टेशन पर कोई भी संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो बिना कोई देर किए तुरंत रेलवे के हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल कर सूचना दें।



कच्चे तेल वायदा में जोरदार उछाल, कीमतें 9,500 के पार

हाजिर मांग और वैश्विक तेजी का असर, जून अनुबंध 106 रुपये चढ़ा

नई दिल्ली ।

मजबूत हाजिर मांग और वैश्विक तेजी के संकेतों के बीच मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर कच्चे तेल के वायदा भाव में गुरुवार को जोरदार उछाल देखा गया। जून में आपूर्ति वाले कच्चे तेल का वायदा अनुबंध 106 रुपये बढ़कर 9,569 रुपये प्रति बैरल पर बंद हुआ, जिसमें कारोबारियों ने जमकर दांव लगाए। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि प्रतिभागियों द्वारा अपनी स्थिति बढ़ाने से वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों को समर्थन मिला। इस दौरान जून अनुबंध में कुल 4,282 लॉट का कारोबार हुआ। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी कच्चे तेल के दामों में तेजी दर्ज की गई। न्यूयॉर्क में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चे तेल का भाव 0.82 प्रतिशत चढ़कर 107.77 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि ब्रेंट कच्चा तेल 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 105.56 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में जारी यह मजबूती भारतीय वायदा बाजार में भी दिखाई दी।

इंडोनेशियाई निर्यात पर सरकारी नियंत्रण, वैश्विक कमोडिटी बाजार पर बड़ा असर

राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने सस्ता निर्यात रोकने के लिए उठाया कदम

जकार्ता ।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने देश के प्रमुख कमोडिटी निर्यात पर पूर्ण सरकारी नियंत्रण स्थापित करने का ऐलान किया है, जिससे वैश्विक कमोडिटी बाजारों में हलचल मच गई है। इस ऐतिहासिक फैसले के तहत, पाम ऑयल, कोयला और फेरोएलॉय जैसे अहम निर्यात अब केवल सरकार द्वारा चुनी गई एक कंपनी के माध्यम से ही किए जाएंगे। राष्ट्रपति प्रबोवो ने संसद में अपने भाषण में कहा कि पिछले 34 वर्षों में सस्ते दामों पर संसाधनों की बिक्री से इंडोनेशिया को लगभग 908 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है, और अब देश के संसाधनों का लाभ पूरे इंडोनेशिया के लोगों को मिलना चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े पाम ऑयल और थर्मल कोयला निर्यातक होने के नाते, इंडोनेशिया के इस कदम का वैश्विक कमोडिटी बाजार पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। नई व्यवस्था के तहत, शुरुआती चरण में कोयला, पाम ऑयल और फेरोएलॉय को शामिल किया जाएगा, जबकि हर तीन महीने में समीक्षा कर अन्य कमोडिटी को भी जोड़ा जा सकता है। सरकार ने निर्यातकों को तीन महीने की ट्रांजिशन अवधि दी है, जिसमें मौजूदा सौदों को पूरा किया जा सकेगा, लेकिन सरकारी एजेंसी उनकी निगरानी करेगी। बाद में सभी निर्यात संप्रभु संपत्ति कोष डनांतारा इंडोनेशिया की निगरानी में केवल सरकारी नियुक्त कंपनी के जरिए ही होंगे। इस योजना के साथ ही, सरकार ने एक और अहम नियम लागू किया है। 1 जून से, प्राकृतिक संसाधनों का निर्यात करने वाली सभी कंपनियों को अपनी 100 फीसदी विदेशी कमाई इंडोनेशिया के सरकारी बैंकों में जमा करनी होगी। सरकार का दावा है कि यह कदम देश की मुद्रा रुपिया को स्थिर रखने में मदद करेगा।

अडानी पावर जयप्रकाश ग्रुप में बढ़ाएगी 24 फीसदी हिस्सेदारी

यूपी स्थित 180 मेगावॉट का चुर्क थर्मल पावर प्लांट खरीदेगी

मुंबई ।

अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर ने जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेपी एसोसिएट्स) के साथ एक और बड़ी डील की है। गुरुवार को कंपनी ने बताया कि उसने जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपी पावर) में 24 फीसदी हिस्सेदारी और उत्तर प्रदेश में 180 मेगावॉट का चुर्क थर्मल पावर प्लांट खरीदने के लिए डेफिनिटिव एग्रीमेंट्स किए हैं। ये समझौते जेपी एसोसिएट्स के लिए एनसीएलटी द्वारा अप्रूव्ड रेजॉल्यूशन प्लान के तहत हुए हैं। अडानी पावर ने जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपी पावर) में 24 फीसदी हिस्सेदारी करीब 2993.6 करोड़ रुपये में खरीदने के लिए शेयर परचेज एग्रीमेंट पर दस्तखत किए हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी चुर्क थर्मल पावर प्लांट और उससे जुड़ी संपत्तियों के साथ-साथ प्रयागराज पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड में जेपी एसोसिएट्स की 11.49 फीसदी हिस्सेदारी भी लगभग 1200 करोड़ रुपये में हासिल करेगी। इन डील्स का कुल मूल्य करीब 4200 करोड़ रुपये बैठता है और इन्हें कैश में पूरा किया जाएगा।

अमेरिकी उद्योग ने भारतीय सब्सिडी पर उठाए सवाल, दंडात्मक शुल्क की मांग

स्टील, फेरोएलॉय और सौर उत्पादों पर लगे आरोप; भारत ने बाजार-संचालित विकास का तर्क दिया

नई दिल्ली ।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कार्यालय की धारा 301 के तहत हुई सुनवाई ने भारत और अमेरिका के व्यापार संबंधों में नया टकराव पैदा कर दिया है।

अमेरिकी उद्योग समूहों ने भारत पर सरकारी मदद से अत्यधिक उत्पादन और बेजा सब्सिडी का आरोप लगाते हुए भारतीय सामानों पर दंडात्मक शुल्क लगाने की मांग की है। भारतीय अधिकारियों ने इसका जोरदार बचाव करते हुए कहा कि देश का विनिर्माण विस्तार बाजार-संचालित और वैश्विक व्यापार नियमों के अनुरूप है।

सुनवाई के दौरान अमेरिकी उद्योग समूहों - जिनमें स्टील, मैंगनीज फेरोएलॉय और सौर उत्पाद निर्माता शामिल हैं, ने भारत पर चीन की पुरानी चाल चलने और भारी सब्सिडी, निर्यात प्रोत्साहन व कर छूट देकर अपने उद्योगों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय उत्पादों को अमेरिका में निर्यात बढ़ाने में मदद मिली है।

अमेरिकी प्रतिनिधियों के दावों को बेबुनियाद बताते हुए, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने यूएसटीआर से कहा कि जांच अमेरिकी कानून के तहत वैधानिक सीमा को पूरा नहीं करती और इसमें किसी विशिष्ट कार्रवाई योग्य भारतीय नीति की पहचान नहीं की गई। यह जांच रद्द किए गए ट्रंप प्रशासन के जवाबी शुल्कों का संभावित विकल्प है।

बढ़ते एनपीए और घटती सेविंग ने बढ़ाई बैंकों की चिंता

नई दिल्ली ।



देश में बढ़ते कर्ज और लोगों की घटती बचत ने बैंकिंग सेक्टर की चिंता बढ़ा दी है। महंगाई और बदलती जीवनशैली के कारण लोग तेजी से लोन ले रहे हैं, जबकि बचत कम होती जा रही है। बैंकों के अनुसार पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड और वाहन ऋण में लगातार वृद्धि हो रही है। दूसरी ओर सेविंग अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट में जमा राशि की रफ्तार धीमी पड़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यही स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो बैंकों पर एनपीए का दबाव बढ़ सकता है। इससे वित्तीय संतुलन और बैंकिंग व्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

तेल संकट के बीच जापान का व्यापार मजबूत, निर्यात में बंपर उछाल

सेमीकंडक्टर निर्यात 42 फीसदी बढ़ा, युद्ध के बावजूद उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन

तोक्यो ।



ईरान में युद्ध से तेल-गैस आपूर्ति की वैश्विक चुनौतियों के बावजूद जापान का अप्रैल व्यापार उम्मीद से कहीं अधिक मजबूत रहा। वित्त मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार निर्यात में लगातार आठवीं वृद्धि दर्ज की गई, जिससे व्यापार संतुलन घाटे से निकलकर अधिशेष में आ गया। अप्रैल में निर्यात सालाना आधार पर 14.8 प्रतिशत बढ़ा, जिसमें सेमीकंडक्टर क्षेत्र का अहम योगदान रहा, जिसका निर्यात करीब 42 प्रतिशत बढ़ा। कुल मिलाकर, जापान ने 301.9 अरब येन (1.9 अरब अमेरिकी डॉलर) का व्यापार अधिशेष दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में घाटा था। चिकित्सकीय उत्पादों, कागज और विद्युत मशीनरी के निर्यात में भी बढ़ोतरी देखी गई। चीन को निर्यात 15.5 और अमेरिका को 9.5 फीसदी बढ़ा। कुल आयात में 9.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन मूल्य के हिसाब से जापान का तेल आयात में 50 प्रतिशत और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात में 20 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी आई है। ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति बाधित होने से यह कमी आई है। प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने राष्ट्रीय तेल भंडार से आपूर्ति जारी करने का निर्देश दिया है। कमजोर येन और ब्रेंट क्रूड के 70 डॉलर से 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचने के कारण जापान के लिए तेल आयात और महंगा हो गया है, जिससे नेफ्था जैसे उत्पादों का उत्पादन प्रभावित हुआ है।

इंटुइट में 3000 कर्मचारियों की छंटनी: एआई पर बढ़ते फोकस के बीच कंपनी का पुनर्गठन

वाशिंगटन।

ग्लोबल फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी फर्म इंटुइट (इंटुइट) ने अपने वैश्विक कार्यबल के 17 प्रतिशत कर्मचारियों, यानी करीब 3000 लोगों को नौकरी से निकालने की घोषणा की है। यह बड़ा कदम तब उठाया गया है जब कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर अपना ध्यान बढ़ा रही है और अपने संगठनात्मक ढांचे को सरल बनाने की दिशा में काम कर रही है।

कंपनी के आंतरिक मेमो के अनुसार, सीईओ ससन गुडाज़ी ने कर्मचारियों को बताया कि इस पुनर्गठन का मुख्य उद्देश्य जटिलता को कम करना, परिचालन को सुव्यवस्थित करना और ग्राहकों के लिए बेहतर उत्पाद व सेवाएं प्रदान करने के लिए नवाचार की गति को तेज करना है। गुडाज़ी ने बताया कि ये छंटनियां एआई द्वारा कर्मचारियों को बदलने के लिए नहीं की जा रही हैं, बल्कि यह कंपनी की कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने की एक रणनीतिक पहल का हिस्सा है। इंटुइट अपने संसाधनों को एआई-आधारित प्रौद्योगिकियों की ओर स्थानांतरित कर रहा है। हाल ही में, कंपनी ने अपने क्विकबुक्स जैसे प्रमुख वित्तीय और टैक्स सॉफ्टवेयर में एआई क्षमताओं को जोड़ने के लिए ओपन एआई और एंथ्रोपिक जैसी अग्रणी एआई कंपनियों के साथ साझेदारी की है। यह साझेदारी कंपनी को अपने ग्राहकों को अधिक उन्नत और सहज समाधान प्रदान करने में मदद करेगी। कंपनी का मानना है कि एआई एकीकरण से उसके परिचालन में सुधार आएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में इस छंटनी से प्रभावित कर्मचारियों को 16 सप्ताह का मूल वेतन दिया जाएगा, साथ ही कंपनी में बिताए गए प्रत्येक वर्ष की सेवा



के लिए अतिरिक्त 2 सप्ताह का वेतन भी उनके पैकेज में शामिल होगा।

इंटुइट की इस वैश्विक छंटनी का असर भारत पर भी पड़ना तय है, खासकर बेंगलुरु में, जो कंपनी के वैश्विक हब में से एक है। यहां उत्पाद विकास, इंजीनियरिंग और डेटा साइंस की बड़ी टीमें काम करती हैं, जिसके चलते इन कार्यालयों में भी कुछ भूमिकाएं समाप्त की जा सकती हैं। इसके अतिरिक्त, इंटुइट रेनो, नेवादा और वुडलैंड हिल्स, कैलिफोर्निया में अपने कार्यालय भी बंद कर रहा है।

यह घोषणा उसी दिन हुई जब मेटा ने अपने यहां से 8000 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया था, जो मौजूदा टेक उद्योग में व्यापक चुनौतियों और पुनर्गठन के दौर को दर्शाता है।

भारतीय वाणिज्य दूतावास अमेरिकी बाजार में निर्यात बढ़ाने 29 मई को करेगा वेबिनार

यह सत्र भारतीय उत्पादों को वैश्विक मंच पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

न्यूयॉर्क ।

न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाज़ार में प्रवेश दिलाने के उद्देश्य से 29 मई को एक विशेष वेबिनार का आयोजन कर रहा है। प्रमुख अमेरिकी खुदरा कंपनी वॉलमार्ट के सहयोग से आयोजित होने वाला यह सत्र भारतीय उत्पादों को वैश्विक मंच पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डिस्कवर पाथवे फॉर एक्सपोर्ट टू यूएसए फॉर इंडियन एक्सपोर्टर्स एंड एमएसएमई शीर्षक वाला यह वेबिनार, भारतीय निर्यातकों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अमेरिकी खुदरा दुकानों तक अपने उत्पाद पहुंचाने के लिए आपूर्ति श्रृंखला और अन्य अनुपालन आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करेगा। वॉलमार्ट के विशेषज्ञ इस दौरान निर्यात प्रक्रिया को समझने में मदद करेंगे, विशेषकर उसके 19 देशों में फैले 10,750 से अधिक स्टोरों के लिए। यह पहल सिएटल स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा पिछले महीने कॉस्टको होलसेल कॉर्पोरेशन के साथ आयोजित ऐसे ही एक सफल वेबिनार के बाद आई है, जिसमें 200 से अधिक भारतीय निर्यातकों ने भाग लिया था। ये वेबिनार भारत और अमेरिका के



बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। पिछले महीने, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इंडिया-यूएस ट्रेड फैसिलिटेशन पोर्टल का भी अनावरण किया था, जिसका लक्ष्य 2030 तक दोनों देशों के बीच 500 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य को प्राप्त करना और एमएसएमई व स्टार्टअप्स को समर्थन देना है।

एनवीडिया ने फिर तोड़े सारे रिकॉर्ड, मुनाफ़ा तीन गुना

एआई चिप की भारी मांग ने वॉल स्ट्रीट के अनुमानों को पछाड़ा

न्यूयॉर्क ।

कृत्रिम मेधा (एआई) चिप विनिर्माता एनवीडिया ने एक बार फिर वॉल स्ट्रीट के विश्लेषकों के अनुमानों को पार करते हुए प्रभावशाली तिमाही नतीजे दर्ज किए हैं। उच्च-स्तरीय एआई चिप्स की बढ़ती मांग के कारण कंपनी के राजस्व और मुनाफा में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। कंपनी ने फरवरी-अप्रैल तिमाही में 81.62 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 44.01 अरब डॉलर से 85 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान उसका शुद्ध लाभ एक वर्ष पहले के 18.78 अरब डॉलर से बढ़कर 58.32 अरब डॉलर हो गया।

विश्लेषकों ने औसतन 78.91 अरब डॉलर के राजस्व और 1.75 डॉलर प्रति शेयर आय (एकमुश्त मदों को छोड़कर) का अनुमान लगाया था, लेकिन एनवीडिया ने सभी उम्मीदों को पीछे छोड़ दिया। एनवीडिया ने अगली तिमाही के लिए भी 91 अरब डॉलर के रिकॉर्ड राजस्व का अनुमान लगाया है, जो विश्लेषकों के 87.29 अरब डॉलर के अनुमान से कहीं अधिक है। पिछले तीन वर्षों से कंपनी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है।

400 करोड़ के पावर प्लांट भूमि घोटाले में एसआइटी जांच शुरू

पांच सदस्यीय टीम ने चपरघटा में किया स्थलीय निरीक्षण, ग्रामीणों से भी की पूछताछ

कानपुर ।

पुलिस अधीक्षक द्वारा गठित पांच सदस्यीय विशेष जांच टीम (एसआइटी) ने लगभग 400 करोड़ रुपये के बहुचर्चित पावर प्लांट भूमि घोटाले की जांच शुरू कर दी है। टीम ने पहले दिन चपरघटा स्थित विवादित स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर ग्रामीणों से पूछताछ की। अब पुलिस इस पूरे प्रकरण से जुड़े कागजात और प्रक्रिया की गहनता से पड़ताल करेगी। यह घोटाला 2011 में चपरघटा में थर्मल पावर प्लांट लगाने के बजाय, गुरुग्राम की हिमावत पावर प्राइवेट लिमिटेड और उसकी सहयोगी कंपनी लैंको अनपरा पावर लिमिटेड द्वारा 2332 एकड़ जमीन पर 1500 करोड़ रुपये का ऋण लेने से संबंधित है। आरोप है कि कंपनियों ने स्वयं को दिवालिया घोषित कर दिया। बैंकों ने जमीन नीलाम कर 1100 करोड़ रुपये वसूल लिए, लेकिन शेष 400 करोड़ रुपये कंपनियों ने कथित तौर पर हड़प लिए और ऋण लेकर कोई काम भी नहीं किया।

इस मामले में भोगनीपुर तहसीलदार प्रिया सिंह ने तत्कालीन एडीएम भूमि-अध्याप्ति कानपुर नगर ओके सिंह, संबंधित कंपनियों के अधिकारियों और केनरा, पंजाब नेशनल व आइडीबीआइ बैंक की गुरुग्राम स्थित शाखाओं के कर्मियों व अधिकारियों पर मूसानगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। एसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआइटी का गठन किया था। टीम ने भूमि अधिग्रहित करने वाले कुछ किसानों से भी बातचीत कर जानकारी जुटाई।

साइप्रस ने भारतीय कंपनियों को दिया यूरोप में विस्तार का न्योता

2026 तक मुंबई में व्यापार केंद्र खोलने की घोषणा



मुंबई ।

साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स ने गुरुवार को कहा कि उनका द्वीपीय देश भारतीय कंपनियों के लिए यूरोप में विस्तार करने हेतु एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में काम कर सकता है। उन्होंने सीमा-पार साझेदारियों को सुगम बनाने के लिए भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई में एक व्यापार केंद्र स्थापित करने की भी घोषणा की। यह मुंबई व्यापार केंद्र 1 सितंबर 2026 से चालू हो जाएगा, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को प्रगाढ़ करना है। साइप्रस-भारत व्यापार मंच को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि साइप्रस यूरोपीय संघ समेत व्यापक पूर्वी भूमध्य, खाड़ी और उत्तरी अफ्रीका के बाजारों तक पहुंच बनाने के लिए एक आधार प्रदान करने को तैयार है।

उन्होंने बताया कि साइप्रस यूरोपीय संघ का सदस्य होने के नाते स्थिर, पारदर्शी और ईयू-अनुरूप कारोबारी माहौल, सामान्य कानून आधारित ढांचा, अंग्रेजी भाषी वातावरण और 15 प्रतिशत की कम कॉर्पोरेट आयकर दर प्रदान करता है। राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलाइड्स ने डिजिटल प्रौद्योगिकी, एआई, वित्तीय सेवाओं, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ सहयोग की मजबूत संभावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां, विशेषकर प्रौद्योगिकी और वित्तीय नवाचार में, यूरोप में प्रवेश के लिए तेजी से साइप्रस का उपयोग कर रही हैं।

दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रत्यक्ष हवाई संपर्क स्थापित करने पर भी काम चल रहा है।

एयरटेल का प्रायोरिटी पोस्टपेड धमाका, भीड़भाड़ में भी अब मिलेगी तेज स्पीड

मौजूदा पोस्टपेड ग्राहकों को स्वतः मिलेगा लाभ, प्रीपेड यूज़र्स को करना होगा अपग्रेड

नई दिल्ली ।

दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने अपने पोस्टपेड ग्राहकों के लिए नई प्रायोरिटी पोस्टपेड सेवा शुरू की है। यह सेवा भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी लगातार बेहतर और तेज़ स्पीड प्रदान करने का वादा करती है। एयरटेल ने ग्राहकों को भेजे पत्र में बताया कि मौजूदा पोस्टपेड ग्राहकों को इस सेवा का लाभ स्वतः मिलेगा, जबकि प्रीपेड ग्राहकों को इसका लाभ उठाने के लिए अपनी सेवा को पोस्टपेड में अपग्रेड करना होगा। भारती एयरटेल ने हाल ही में प्रायोरिटी पोस्टपेड 5जी सेवा पेश की थी, जिसका उद्देश्य ग्राहकों को भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी अधिक विश्वसनीय दूरसंचार सेवाएं देना है। इस अनूठी सुविधा को नेटवर्क स्लाइसिंग तकनीक का उपयोग करके विकसित किया गया है। यह तकनीक पोस्टपेड ग्राहकों के लिए नेटवर्क का एक समर्पित हिस्सा आवंटित करती है, जिससे वे अन्य सेवा श्रेणियों, विशेषकर प्रीपेड ग्राहकों की बड़ी संख्या से अलग होकर एक तरह से तेज़ लेन में सेवा प्राप्त करते हैं। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि कई ग्राहकों ने भीड़भाड़ वाले बाजारों या आयोजनों में वीडियो कॉल या डेटा अपलोड करने में कठिनाई की शिकायत की थी, जिसे हल करने के लिए एयरटेल प्रायोरिटी पोस्टपेड लाया गया है। यह खास तौर पर भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी लगातार बेहतर अनुभव सुनिश्चित करेगा। वैश्विक दूरसंचार कंपनियों एरिक्सन और नोकिया ने एयरटेल द्वारा नेटवर्क स्लाइसिंग तकनीक के उपयोग को भारत के मोबाइल सेवा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि बताया है। नोकिया ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी 5जी कोर और स्लाइसिंग क्षमताएं अब भारत में भी उपलब्ध हैं, जबकि एरिक्सन ने इसे भारत के डिजिटल नेतृत्व को मजबूत करने वाला कदम बताया। इस कदम के साथ भारती एयरटेल अब अमेरिका, सिंगापुर जैसे देशों के उन अग्रणी सेवा प्रदाताओं में शामिल हो गया है जो उन्नत 5जी समाधानों के माध्यम से विशिष्ट ग्राहक अनुभव प्रदान कर रहे हैं।

खुदरा ऋण में गोल्ड लोन की चमक, सुरक्षित ऋण की ओर बढ़ रहा भारत

पर्सनल लोन को पछाड़ा, एसेट क्वालिटी में भी आया सुधार

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2026 में भारतीय खुदरा ऋण बाजार में एक निर्णायक बदलाव देखा गया है, जहां सुरक्षित ऋणों की ओर रुझान बढ़ा है। गोल्ड लोन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे तेजी से बढ़ते खंड के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यह होम लोन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खुदरा ऋण वर्ग बन गया है, जिसने पर्सनल लोन को पीछे छोड़ा है। बाजार में गोल्ड लोन का बढ़ता दबदबा कुल खपत ऋण 15.3 प्रतिशत बढ़कर 118.6 लाख करोड़ रुपये हुआ, जिसे गोल्ड लोन, पर्सनल लोन और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स ने समर्थन दिया। गोल्ड लोन का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा, जिसमें सालाना आधार पर 50.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 18.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। होम और वाहन ऋण की वृद्धि स्थिर रही, जबकि सोने की बढ़ती कीमतों के कारण गोल्ड लोन का औसत आकार वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 52 प्रतिशत बढ़कर 2.19 लाख रुपये हो गया। इस असाधारण वृद्धि को नियामक ढील और बढ़ती सोने की कीमतों से बल मिला है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 2.5 लाख रुपये तक के गोल्ड लोन के लिए लोन-टू-वैल्यू सीमा को 85 प्रतिशत तक बढ़ाने के फैसले ने नए उधारकर्ताओं को आकर्षित किया। तेज विस्तार के बावजूद, गोल्ड लोन की संपत्ति



गुणवत्ता में सुधार हुआ है। मार्च 2026 में 31 से 180 दिन का पास्ट ड्यू रेशियो घटकर 1.2 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले 2 प्रतिशत था। गिरवी संपत्ति की वसूली और सोने की कीमतों में तेजी से इसमें सुधार हुआ।

हेल्थ के साथ पाएं वेल्थ

आज आयुर्वेद का जमाना है और लोग अंग्रेजी दवाइयां खाकर ऊब चुके हैं, यही नहीं इन दवाओं के साइड इफेक्ट से लोग हमेशा डरते रहते है। यदि कोई गंभीर बीमारी है तो चेकअप वगैरह कराने में ही दम फूल जाता है।

आम आदमी तो किसी सरकारी हॉस्पिटल की राह देख लेता है, पर अमीर की बात ही कुछ और है, क्यों कि वह हेल्थ इंश्योरेंस के सहारे निजी अस्पतालों में इलाज करा लेता है और उस पर असर नहीं के बराबर पड़ता है।

- आज भागमभाग की जिन्दगी में लोग अपने पुराने आचार-विचार को भूल कर प्रदूषण की दुनिया में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसा कोई घर नहीं है, जहां कोई बीमार ना हो , लेकिन ना तो उनके पास व्यायाम का समय है ना खाने न पीने का। ऐसे में बीमारियों का लगना कौन रोक सकता है।
- लोगों में प्रतिरोधक-शक्ति का विकास हो और आदमी में बीमारी से लड़ने की शक्ति जागृत हो तो छोटी-मोटी बीमारियां आदमी के ऊपर अटैक नहीं कर पाएंगी।
- हर रोज नए आयुर्वेदिक नुस्खे बताए जा रहे हैं और उनको मार्केट में डाला जा रहा है।
- डाबर के उत्पाद बाजार में छाए है बैद्यनाथ, झंडू और भी जाने कितने ही आयुर्वेद की कम्पनी जैसे रामदेव, आसाराम, सुदर्शन महाराज, महर्षि आयुर्वेद काम कर रही हैं।

फायदेमंद नुस्खा

शुगर के मरीजों को अक्सर काफी परेशानियों का सामना करना होता है। जरा से कोई बताए कि फलां औषधि फायदेमंद है, वे या उनके परिजन तुरंत ट्राई करने में लग जाते हैं। लेकिन रिस्क भी काफी रहती है।

- आइए जानते हैं एक नुस्खे के बारे में जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।
- पनीर डोडा नाम की जड़ी-बूटी आपको अत्तार के दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। आधे गिलास पानी में इसके 8-10 फल रात को पानी में भिगो दीजिये। सुबह होते ही इनको मसल के छान लें, अब जो पानी बचा है, उसको सुबह निन्हें मुंह यानी खाली पेट पी लें, एक हफ्ते में आपको लगने लगेगा कि आपका शुगर लेवल काम हो रहा है। यदि आप चाहे तो दो टाइम भी ले सकते हैं, साथ ही सुबह और शाम टहलना जारी रखें ।
- खाना ना पचने वालों के लिए भी एक उपाय है। की वह भोजन के दौरान पानी कम पीएं और खाना खाने के बाद दो घंटे बाद कम से कम एक लीटर पानी पीने की आदत डालें।
- यदि आप चाहते हैं कि आपको पथरी की शिकायत ना हो तो आपको चाहिए की खाना खाने के बाद निश्चित रूप से मूत्र विसर्जन करने की आदत डालें।

एलोविरा

आयुर्वेद की दवाइयां काफी प्रचलित हो रही हैं। आपने एलोविरा का नाम तो सुना ही होगा। यदि एलोविरा का बना कोई भी उत्पाद लें तो उसके लाभकारी परिणाम सामने आएंगे?

हर तरह से है लाभकारी

यदि आप एलोवेरा का प्रयोग शुरू करते हैं तो लाभ निश्चित है। कोई भी इसके फायदे को नकार नहीं सकता है।

- एलोविरा जेल के उपयोग से बहुत- सी असाध्य बीमारियां ठीक होती हैं।





आयुर्वेद में कहां से आया वेल्थ

बाजार में बहुत सी आयुर्वेदिक कम्पनी सक्रिय हैं, जिनके उत्पाद सिर्फ अपने सदस्यों को ही देती हैं। साथ ही उस पर इंसेंटिव भी देती है। इनको नेटवर्क से जोड़कर वे लोगों की औसत आमदनी का जरिया बना रही हैं। यदि कोई इनसे जुड़ना चाहता है तो जुड़ भी सकता है। इसका लाभ यह होता है कि इससे किसी लाइलाज बीमारी का इलाज संभव हो जाता है साथ ही दुआएं भी मिलती हैं।

- एक साइट है फॉरएवरलिविंग.कॉम इस पर जाकर इनके प्रॉडक्ट को देखा जा सकता है और किसी के माध्यम से जुड़ सकते हैं।
- यह संस्था दावा करती है कि गठिया, दमा, हृदय रोग, पाचन समस्या, किडनी समस्या, मोटापा एवं त्वचा संबंधी रोग का निदान संभव है।
- नियमित खान-पान और निश्चित व्यायाम आपके शरीर को निरोगी बना सकता है, पर समय देना आपके ऊपर है। ऐसे में आपको निर्णय लेना है कि आप धन देकर सेहतमंद रहना चाहते हैं या नियमित दिनचर्या से।
- शरीर आपका है और आप ही इसकी रखवाले हैं तो निरोगी काया रहेगी तो माया तो कमा ही सकते हैं।



खुशियों का खजाना आपके ही पास है

आइए इस बात को थोड़ा और आसान ढंग से समझते हैं। याद कीजिए कि पिछली बार कब आपने अपने शरीर और आत्मचेतना को तनावमुक्त और गैर बोझिल महसूस किया था। उस मनोदशा की विशिष्ट ऊर्जा ने आपको अपने काम में अच्छा प्रदर्शन करने, लोगों के साथ गहराई से जुड़ने, काम में खुलकर रचनात्मकता की अभिव्यक्ति करने, रेंगते हुए ट्रैफिक में मुस्कराने, जाम के खुलने का मुस्कराते हुए इंतजार करने और घर लौटकर परिवार के साथ प्यार के पलों को बांटने के लिए प्रेरित किया होगा। कल्पना कीजिए इसी खुशी की फसल अगर आप हर दिन काट सकें, तो कितना अच्छा हो? अगर आप अपना ध्यान पूरी तरह से केन्द्रित करें, तो सच्ची प्रसन्नता को हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

मालीक्युलर बॉयोलॉजिस्ट से बौद्ध भिक्षु बने मैथ्यू रिकार्ड ने शताब्दियों पुराने बौद्ध दर्शन के बौद्धिक संदेशों को आधुनिक वैज्ञानिक शोधों के निष्कर्षों के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया है। उनकी सोच के अनुसार खुश रहना मात्र एक सुखद अहसास, एक सुंदर भाव या एक अच्छे मूड से ही संबंधित नहीं है, बल्कि ये आपका बुनियादी सुखद अस्तित्व है। यह संसार की व्याख्या करने का एक तरीका है। संसार को बदलना मुश्किल होगा, पर संसार को देखने के नजरिए को बदलना तो संभव है।

निश्चित तरीका नहीं

यह सच है कि खुशी पाने का कोई एक निश्चित तरीका या फार्मूला नहीं है। इसलिए वही तरीका या ढंग अपनाएं, जो आपके लिए उपयुक्त हो। इस संदर्भ में आपको अपने ही अंदर खुशी का खजाना खोजने का दृढ़ संकल्प लेना होगा। आपको कुछ ऐसी आदतों को अपनाना होगा, जिनका पालन शताब्दियों से प्रबुद्ध लोग करते आए हैं। इन प्रबुद्धजनों की बातों को न्यूरो-साइंटिफिक रिसर्च में भी सही पाया गया है।

ध्यान लगाएं

खुश और शांत रहने के लिए मेडिटेशन से अधिक कोई भी अन्य तरीका काम नहीं करेगा। आंखें बंदकर अपना पूरा ध्यान सांस पर केन्द्रित करें। कल्पना कीजिए कि आप अपने शरीर-रूपी मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। शांति की भावना को महसूस करें। प्रारंभ में इस विधि को पांच मिनट तक करें और अभ्यास होने के साथ ही समय बढ़ाती जाएं। मेडिटेशन के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां कोई आपको बाधा न पहुंचाए।

माफ करें और भूलना सीखें

सकारात्मक सोच और दूसरों को माफ करने के जज्बे पर भरोसा रखें। क्रोध, ईर्ष्या और जलन जैसे नकारात्मक विचारों से स्वयं को मुक्त रखें, क्योंकि ऐसे विचार हमारे सुख व शांति के अहसास को छीन लेते हैं। दूसरे को माफ करना खुशियां पाने का सशक्त माध्यम है।



न दें अनुचित सुविधाएं

अक्सर लाड़-प्यार के चलते, कई माता-पिता अपने कम उम्र के बच्चों का ड्राइविंग लाइसेंस बनवा देते हैं और कई बार अपनी गन-रिवॉल्वर उनकी पहुंच के अन्दर रखते हैं। इस असावधानी के कारण आए दिन अनेक दुर्घटनाएं घटती हैं और हादसे के शिकार व्यक्तियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

- जब हम स्वयं के साथ शान्ति अनुभव नहीं करते तो हम मानसिक एवम् भावात्मक व्याधियों से ग्रस्त हो जाते है। आक्रामक एवं हिंसात्मक विचार हमारी सोच को नकारात्मक बना देते हैं तथा हमारा हृदय क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या से भर उठता है।
- टेलीविजन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बच्चों - वयस्कों के लिए आयोजित रियलिटी शो एवम् अनेक प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं अधिकांश प्रतियोगियों की मानसिकता को गलत तरीके से प्रभावित करती हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) मानव स्वास्थ्य पर शहरीकरण के प्रभावों को विशिष्ट रूप से दर्शाते हुए शहरों को एक बेहतर रहने लायक जगह बनाने पर जोर देता है।

स्वास्थ्य का रखें ख्याल

- रुपयों की इस अंधी दौड़ में भाग कर हम अपने मानसिक एवम् शारीरिक स्वास्थ्य का सत्यानाश कर रहे हैं। अपनी प्रतिभा का विकास करना अच्छी बात है, परन्तु केवल पैसे कमाने के उद्देश्य से नहीं, हम केवल निर्मल आनंद के लिए अपनी नृत्य, गायन, खेलकूद की रुचियों को विकसित क्यों नहीं करते? आधुनिक युग की चूहा दौड़ हमें एक स्वस्थ इंसान से एक बीमार पशु बना रही है ।
- हाल ही में सिंगापुर में हुए एक स्वास्थ्य सेवा सम्मलेन में विशेषज्ञों ने माना कि एशिया की स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक जीवनशैली की व्याधियों के बोझ तले दबी जा रही हैं।
- स्वाइन-बर्ड फ्लू और तपेदिक जैसे संक्रामक रोगों के साथ -साथ आर्थिक सम्पन्नता से जुड़ी हुई असंक्रामक बीमारियों का भार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।
- तम्बाकू एवम् धूम्रपान का व्यसन भी भारत समेत अन्य देशों में लाखों लोगों की सेहत पर सवालिया निशान लगा रहा है।
- सिगरेट एवं गुटखा निर्माताओं की आक्रामक विज्ञापन तकनीक के आगे, सारे तम्बाकू विरोधी अभियान असफल सिद्ध होते प्रतीत हो रहे हैं। ये कम्पनियां मर्दानगी, आधुनिकता और तनाव-मुक्ति के नाम पर जनता को विष बेच रही हैं और इनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।
- तम्बाकू सेवन का सीधा सम्बन्ध श्वास एवं फेफड़े की बीमारियों से है। जैसे कि अस्थमा, तपेदिक आदि। क्या ही अच्छा होता यदि हम तम्बाकूयुक्त पानमसाला चबाने के स्थान पर लौंग, इलाइची या सौंफ जैसी गुणकारी वस्तुओं का सेवन करने की बुद्धि रखते।



हम और हमारा स्वास्थ्य

आज वक्त की मांग है कि हम अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखें।

- स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार एवं स्वस्थ बुद्धि का मूर्त रूप ही आरोग्य है। दरअसल, आरोग्य वह अवस्था है, जिसमें हम प्रकृति एवं वातावरण से सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।
- हम वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ होते हैं ,जब हम स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करते हैं।

जीवनशैली बदलाव कर इलाज का खर्चा बचाएं

अपनी वर्तमान जीवनशैली में उचित बदलाव लाकर हम अपनी दवाइयों का खर्चा कम कर सकते हैं। केवल उचित खान-पान ही नहीं, वरन उचित विचार एवं उचित आचरण द्वारा ही हम निरोग हो सकते हैं ।

- माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों को सही आहार और साफ-सफाई से रहने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनने की भी शिक्षा देनी चाहिए।
- वसायुक्त एवं रेशाहीन आहार तथा शारीरिक श्रम का अभाव डायबिटीस, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। आज के दौर के पढ़े लिखे माता-पिता भी अपने नन्हे -मुन्नों को पिज्जा और बर्गर खिलाने तथा कोकाकोला आफर करने से गुरेज नहीं करते हैं। इस प्रकार उनका स्वाद फास्ट फूड के लिए विकसित होकर, घर के पौष्टिक खाने को नकारने लगता है।
- अब तो गावों में भी कोकाकोला, चिप्स और ब्रेड का खूब प्रचलन हो गया है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम जान बूझ कर रोगों के जाल में फंसते चले जा रहे हैं ।



स्वस्थ मां की स्वस्थ संतान

किसी भी देश का स्वास्थ्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है और केवल स्वस्थ मां ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, परन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है कि अधिकांश भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को वरीयता नहीं दी जाती है।

- पत्नी एवं माता की परम्परागत भूमिका में स्त्री का कर्तव्य परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करना है, न कि स्वयं अपना भारतीय समाज आज के युग में भी लिंग के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित करने में विश्वास रखता है। - लड़कों को अविचारी और उग्रवादी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा लड़कियों को शर्मीला और सहनशील बनाने का प्रयास होता है। आगे चल कर यही असमानता अपने रंग दिखाना शुरू कर देती है। - महिलाओं को जीवन पर्यंत भिन्न प्रकार के तिरस्कारों का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे वो लिंग आधारित भ्रूण हत्या हो या दहेज न लाने के नाम पर जलाया जाना हो अथवा बलात्कार का शिकार होना हो। जो देश महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानता, वह वास्तव में एक रोगी देश है।

बनें जिम्मेदार नागरिक

जिम्मेदार नागरिकों की हैसियत से हमें अपने रहने के स्थानों में उपवन संस्कृति को फिर से वापस लाना होगा, ताकि खुली हवा में सांस लेते हुए, हम शारीरिक व्यायाम के लाभ उठा सकें। स्कूल, कॉलेजों में खेलकूद और योगाभ्यास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मोटर बाइक और कार के स्थान पर युवक -युवतियों में साइकिल चलाना एक आधुनिक फैशन के रूप में विकसित करना होगा ।

टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा

समाज में ऐसे सुधार लाने की आवश्यकता है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं न केवल टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा दें, वरन जन मानस को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा भी प्रदान करें। यदि हमारे मन में शान्ति, प्रेम, अहिंसा के भाव होंगे तथा हम अमीरी के भड़कीले दिखावे से दूर रहेंगे, तो वास्तव में हमारा जीवन रोगमुक्त हो सकेगा। स्वस्थ रहने के लिए प्रसन्न रहना आवश्यक है और प्रसन्नता तभी मिलेगी, जब हम द्वेष के स्थान पर आनंद बांटे, तभी गांव-गांव और शहर- शहर में एक स्वस्थ और खुशहाल वातावरण बन पाएगा।

वैभव सूर्यवंशी की काबिलियत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता: संजय बांगड़



नई दिल्ली । 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से जहां विपक्षी टीम के गेंदबाजों दहशत मचा रखी है, फैंस और विश्लेषकों को अपना मुरीद बना लिया है। मंगलवार को जयपुर में लखनऊ सुपर जांयट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के इस सलामी बल्लेबाज ने 38 गेंदों पर 93 रनों की विस्फोटक पारी खेली और अपनी टीम को 7 विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वैभव की इस पारी को देखने के बाद टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर संजय बांगड़ ने उनकी जमकर तारीफ की है। संजय बांगड़ ने कहा कि जब भी वह सूर्यवंशी को खेलते हुए देखते हैं, तो उनकी तारीफ के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। जियोस्टार पर संजय बांगड़ ने कहा, 'इस लड़के की क्षमता को समझा सके, उसके लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं हैं। मैं उसके साथ न्याय नहीं कर सकता। कुछ शॉट तो बहुत बढ़िया थे, कम से कम इतना तो कह ही सकते हैं। लगातार कवर बाउंड्री के ऊपर से हिट करना, पेस के खिलाफ, स्पिन के खिलाफ, और जब भी बॉल शॉर्ट में डग की गई, वह बहुत बढ़िया था। 'बांगड़ ने आगे कहा, 'लखनऊ सुपर जायंट्स लाइन-अप में सारे गेंदबाज 145 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से गेंद फेंक रहे थे। इससे इस बच्चे को कोई फर्क नहीं पड़ा। उसने सच में एक मास्टरक्लास और शानदार वैभव सूर्यवंशी पारी खेली। जबरदस्त मनोरंजन हुआ। वह जहां भी जाएगा और जहां भी खेलेगा, पक्का भीड़ खींचेगा। '

अभिषेक से आगे पहुंचा आरआर का धुरंधर

200+ चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-5 भारतीय

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय युवा ओपनर बैटर वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के 64वें मैच में चेज करते हुए 93 रन की तूफानी पारी खेली और टीम को जीत दिलाकर प्लेयर ऑफ द मैच बने। वैभव ने अपनी इस पारी के दौरान 10 बेहतरीन छक्के भी लगाए और वो अब आईपीएल इतिहास में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए और अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

वैभव सूर्यवंशी निकले अभिषेक शर्मा से आगे-
आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले अभिषेक शर्मा पहले नंबर पर थे, लेकिन लखनऊ के खिलाफ अपनी पारी के दौरान 10 छक्के लगाकर वैभव सूर्यवंशी ने अब अभिषेक को पीछे छोड़ दिया। आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब वैभव पहले नंबर पर आ गए। उन्होंने अब तक इस लीग में चेज करते हुए 10 पारियों में कुल 42 छक्के लगाए हैं जबकि अभिषेक शर्मा ने 17 पारियों में 41 छक्के लगाए थे। आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर संजू सैमसन हैं जिन्होंने अब तक 15 पारियों में कुल 40 छक्के लगाए हैं जबकि रोहित शर्मा इस सूची में चौथे स्थान पर हैं जिन्होंने 25 पारियों में 38 छक्के जड़े हैं। केएल राहुल इस लिस्ट में 5वें भारतीय हैं जिन्होंने 200 या उससे ज्यादा का स्कोर चेज करते हुए इस लीग में 22 पारियों में कुल 36 छक्के लगाए हैं।

200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले

टॉप-5 भारतीय

- 42 छक्के : वैभव सूर्यवंशी (10 पारी)
- 41 छक्के : अभिषेक शर्मा (17 पारी)
- 40 छक्के : संजू सैमसन (15 पारी)
- 38 छक्के : रोहित शर्मा (25 पारी)
- 36 छक्के : केएल राहुल (22 पारी

क्रिकेटर मोहम्मद शमी को बड़ी राहत, चेक बाउंस मामले में बरी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चेक बाउंस मामले में बड़ी राहत मिली है। शमी को अलीपुर कोर्ट ने उनकी अलग रह रही पत्नी हसीन जहां द्वारा दायर चेक बाउंस मामले में बरी कर दिया है। क्रिकेटर मोहम्मद की पूर्व पत्नी हसीन जहां ने आरोप लगाया था कि शमी द्वारा घर के खर्च के लिए दिया गया 1 लाख रुपए का चेक बाउंस हो गया था। बुधवार को अलीपुर कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए इस मामले में सभी आरोपों से बरी कर दिया है। 'आईएएनएस' से ??बात करते हुए, शमी के वकील सलीम रहमान ने कहा, 'क्रिकेटर मोहम्मद शमी को चार साल पुराने उस मामले में बरी कर दिया गया है, जिन्हें उनकी पत्नी ने दायर किया था।' इस मामले की सुनवाई बुधवार को अलीपुर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में हुई, जहां शमी को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया।उल्लेखनीय है कि साल 2018 में, हसीन जहां ने आरोप लगाया था कि शमी ने उन्हें घरेलू खर्चों के लिए 1 लाख रुपए का चेक दिया था, जो बाद में बैंक में जमा करने पर बाउंस हो गया। इसके बाद उन्होंने कोर्ट का रुख किया और शमी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इस मामले के अलावा, उन्होंने शमी और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ कई अन्य शिकायतें भी दर्ज कराई थीं।बुधवार को शमी कोर्ट में पेश हुए। फैसले के बाद मीडिया से बात करते हुए शमी ने कहा कि उन्हें पहले से ही पता था कि फैसला उनके पक्ष में आएगा, क्योंकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया। उन्होंने कहा, 'मुझे जितने भी पैसे देने थे, मैंने उसका एक-एक रुपया चुका दिया है। चाहे मैदान के अंदर की बात हो या बाहर की, मैं हमेशा हर स्थिति को अपनी पूरी क्षमता से संभालने की कोशिश करता हूं। 'शमी फिलहाल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अपनी अलग रह रही पत्नी के साथ चल रहे कानूनी विवादों के चलते वे लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं।



लिटन दास और रिजवान भिड़े! बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने किया जमकर स्लेज



सिलहट, एजेंसी। बांग्लादेश ने इतिहास रचते हुए पाकिस्तान को अपनी सरजमीं पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। ढाका में पहले टेस्ट में बांग्लादेश ने 104 रन से और सिलहट में दूसरे टेस्ट में 78 रन से जीत हासिल की। हालांकि, सिलहट टेस्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बांग्लादेश के लिटन दास और पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान भिड़ गए। और इसके बाद तो पूरी बांग्लादेश टीम ने मिलकर रिजवान को खूब स्लेज किया। बांग्लादेश क्रिकेटरों ने यहां तक कहा कि रिजवान अच्छी एक्टिंग करता है, इसे बॉलीवुड में भेजो, लेकिन वहां भी इसे कोई नहीं लेगा। इसकी ओवरएक्टिंग इतनी है कि 50 पैसे काट लेंगे।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, सिलहट टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 437 रन का लक्ष्य दिया था। रिजवान और बांग्लादेशी खिलाड़ियों की लड़ाई पाकिस्तान की दूसरी पारी के दौरान हुई। तब पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 259 रन था। पाकिस्तान की दूसरी पारी के 72वें ओवर में तैजुल इस्लाम गेंदबाजी कर रहे थे। चौथी गेंद पर जब तैजुल ने अपना रनअप लिया तो रिजवान क्रीज से हट गए और साइट स्क्रीन की ओर इशारा करने लगे। तब रिजवान के साथ सलमान आगा क्रीज पर थे। जैसे ही रिजवान ने साइट स्क्रीन की ओर इशारा किया, विकेटकीपिंग कर रहे लिटन भड़क गए।

बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने किया स्लेज

इस घटना के बाद तो पूरी बांग्लादेशी टीम रिजवान को स्लेज करने लगी। बांग्लादेशी खिलाड़ी ज्यादा आक्रामक नजर आए और रिजवान को खूब स्लेज किया। जैसे ही तैजुल ने ओवर की पांचवीं गेंद डाली, स्टंप माइक पर किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने रिजवान को स्लेज करते हुए कहा- थोड़ा रन कर लिया है, अभी एक्टिंग चालू हो जाएगा। फिर दूसरे बांग्लादेशी खिलाड़ी ने कहा- बहुत ज्यादा एक्टिंग हो रही है, बहुत ज्यादा एक्टिंग। तैजुल की आखिरी गेंद से पहले रिजवान का ध्यान भंग हुआ और वह फिर से क्रीज से हट गए। इसके बाद ओवर की आखिरी गेंद पर रिजवान ने एक रन लिया। बांग्लादेशी खिलाड़ी यहां भी नहीं रुके। किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने रिजवान को स्लेज करते हुए कहा- चलो भाई, बॉलीवुड में जगह मिल जाएगी इसे। तो इस पर एक और बांग्लादेशी क्रिकेटर ने कहा- नहीं भाई। उधर इसे जगह नहीं मिलेगी। इतना सुनते ही रिजवान फिर अंपायर के पास पहुंचकर शिकायत करते दिखे। फिर किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने कहा- इस ओवरएक्टिंग के लिए हम 50 पैसे काटेंगे। 50 पैसे। एक और बांग्लादेशी क्रिकेटर ने कहा- एक हफ्ते बाद इसकी ट्रेनिंग है भाई बॉलीवुड में।

प्लेऑफ की उम्मीदें अब भी बरकरार

मुंबई पर जीत के बाद तालिका में छठे स्थान पर पहुंची कोलकाता

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने मुंबई इंडियंस को चार विकेट से हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है। बुधवार को ईडन गार्डन्स पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में



केकेआर ने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 148 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ कोलकाता की टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। उनके खाते में 13 अंक हो गए और नेट रन रेट +0.011 हो गया है। अब केकेआर को उनका आखिरी मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना है। कोलकाता ने इस जीत के दम पर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है।

मुंबई ने 41 के स्कोर तक अपने चार विकेट खो दिए थे। जब पारी के आठ ओवर पूरे हो गए थे, बारिश ने दखल दिया, लेकिन ब्रेक के बावजूद ओवरों में कटौती नहीं की गई। कप्तान हार्दिक पांड्या ने तिलक वर्मा के साथ पांचवें विकेट के लिए 49 गेंदों में 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। तिलक वर्मा 20 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पांड्या ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

कॉर्बिन बॉश ने दीपक चाहर के साथ आठवें विकेट के लिए 20 गेंदों में 42 रन की साझेदारी करते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। बॉश 18 गेंदों में दो छक्कों और तीन चौकों के साथ 32 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी खेमे से सौरभ दुबे, कैमरून ग्रीन और कार्तिक त्यागी ने दो-दो विकेट हासिल किए, जबकि सुनील नरेन ने एक विकेट निकाला।

इसके जवाब में केकेआर ने पहले ही ओवर में फिन एलन (8) का विकेट गंवा दिया। यहां से कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मनीष पांडे के साथ 28 गेंदों में 38 रन की साझेदारी की। रहाणे 17 गेंदों में 4 चौकों के साथ 21 रन बनाकर आउट हुए। कुछ देर बाद कैमरन ग्रीन (4) भी पवेलियन लौट गए। टीम ने 7.1 ओवरों में 54 के स्कोर तक अपने तीन विकेट खो दिए थे। यहां से रोवमैन पॉवेल ने मनीष पांडे के साथ चौथे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया।

भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया



भोपाल । भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने बुधवार को उद्धव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल साई सेंटर में सीरीज के चौथे और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में ही ऑरोरा कोवासेविच (8') के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने जल्द जवाब दिया और कप्तान स्वीटी कुजूर (13') ने शुरुआती क्वार्टर खत्म होने से पहले पहला गोल कर टीम को बराबरी दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत की दीया (25') ने गोल दागा। इस गोल से भारतीय टीम हाफटाइम तक 2-1 से आगे रही।

भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में नियंत्रण बनाए रखा और तीसरे क्वार्टर में प्रियंका मिंज (44') के गोल से अपनी बढ़त 3-1 की कर ली। नौशीन नाज (50') ने आखिरी क्वार्टर में एक और गोल किया और भारत की बढ़त 4-1 करते हुए जीत पक्की कर दी।

भारतीय टीम के लिए यह जीत बहुत अहम रही। इस जीत के बाद इस महीने के आखिर में जापान में शुरू होने वाले अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

हालांकि 4 मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 1-3 से जीत दर्ज की।सीरीज के पहले मैच में भारत को 3-4 से हार का सामना करना पड़ा था। दूसरे मैच में भारतीय टीम को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मैच में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 1-2 से हराया था।

भारतीय टीम को निश्चित रूप से शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम ने दमदार खेल का प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलियाई टीम को मैचों के दौरान मुश्किल में रखा। पहला और तीसरा मुकाबला बेहद कांटे वाला रहा।

वर्ल्ड कप की शुरुआत से पहले ब्राजील को झटका; नेमार जूनियर फिर हुए चोटिल

रियो डी जनेरियो। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के आगाज से ठीक पहले ब्राजील को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार खिलाड़ी नेमार एक बार फिर चोटिल हो गए हैं। नेमार को हाल ही में ब्राजील की विश्व कप टीम में चुना गया है। 'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के मुताबिक, 34 साल के सैंटोस स्टार बुधवार को सैन लोरेंजो के खिलाफ अपनी टीम के घरेलू कोपा सुदामेरिकाना मैच में पिंडली की चोट के कारण नहीं खेल पाए। हालांकि ब्राजील के क्लब ने नेमार की इंजरी को गंभीर नहीं बताया है। सैंटोस टीम के डॉक्टर रोड्रिगो जोगैब ने कहा कि फॉरवर्ड खिलाड़ी 27 मई को ब्राजील के पहले प्री-वर्ल्ड कप ट्रेनिंग सेशन के लिए तैयार होंगे।

'ओ ग्लोबो' ने जोगैब के हवाले से कहा, 'नेमार नेशनल टीम में फिट या लगभग पूरी तरह से फिट होने की स्थिति में ही टीम को रिपोर्ट करेंगे। इस बात की भी संभावना है कि वह अगले मंगलवार को डेपोर्टिवो कुएनका के खिलाफ खेल सकते हैं।' ब्राजील के लिए 128 इंटरनेशनल मुकाबलों में सबसे ज्यादा 79 गोल करने वाले नेमार ने ब्राजील के लिए आखिरी मुकाबला अक्टूबर 2023 में खेला था।



उरुग्वे के खिलाफ हुए वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में उनका एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फट गया था। बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व अटैकर तब से चोटों से जूझ रहे हैं; पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब सैंटोस में लौटने के बाद नेमार ने 38 मुकाबलों में सिर्फ 17 गोल किए हैं।

यह नेमार का चौथा फीफा वर्ल्ड कप होगा। इससे पहले वह 2014, 2018 और 2022 एडिशन में खेल चुके हैं। वह कैस्टिलो, जल्मा सैंटोस, निल्टन सैंटोस, पेले, एमर्सन लीओ, कैफू, रोनाल्डो और थियागो सिल्वा के साथ सबसे ज्यादा बार इस टूर्नामेंट में खेलने वाले ब्राजील के खिलाड़ी बन जाएंगे।नेमार के पास पेले के साथ जुड़ने और चार अलग-अलग वर्ल्ड कप में ब्राजील की नंबर 10 शर्ट पहनने वाले दूसरे खिलाड़ी बनने का भी मौका है। विश्व कप में नेमार ने 13 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने आठ गोल किए हैं और तीन असिस्ट किए हैं। ब्राजील अपने अभियान का आगाज 13 जून को न्यू जर्सी में मोरक्को के खिलाफ टूर्नामेंट शुरू करेगा, जिसके बाद ग्रुप सी में टीम की भिड़ंत हैती और स्कॉटलैंड से होगी।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com



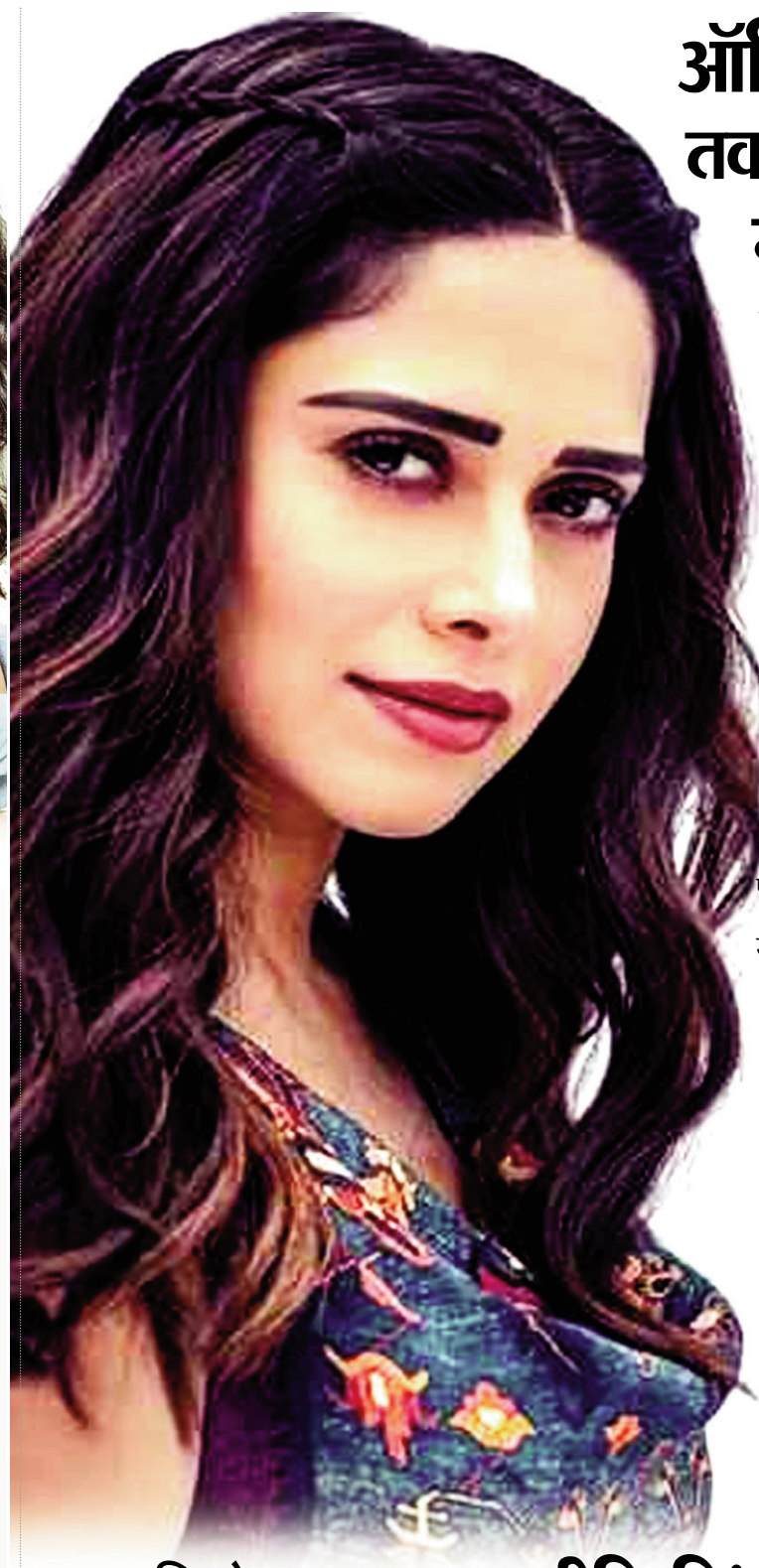
फिल्म 'आखिरी सवाल' का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि लोगों को एक गंभीर सोच से जोड़ना है

अभिनेत्री त्रिधा चौधरी फिल्म 'आखिरी सवाल' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की कहानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बाबरी मस्जिद जैसे मुद्दों के ईर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म को लेकर अभिनेत्री त्रिधा चौधरी और समीरा रेड्डी ने अपने अनुभव और विचार शेयर किए। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी का कहना है कि यह फिल्म महज एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावना है। उन्होंने कहा, 'मैंने इस फिल्म में 'सारा' नाम की छात्रा का किरदार निभाया है। मेरा मानना है कि शैक्षिक संस्थान ही वह जगह है, जहां भविष्य के नेता तैयार होते हैं। हम सभी की अपनी-अपनी विचारधाराएं होती हैं और उन पर हमारा अटूट विश्वास होता है।' त्रिधा ने आगे कहा कि सिनेमा में वह ताकत है, जो आपको अपनी बात रखने की 'सिनेमाई आजादी' देती है। उन्होंने पूरी टीम का जिक्र करते हुए कहा, 'इस फिल्म का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि लोगों को एक गंभीर सोच से जोड़ना है। फिल्म के जरिए हमने इस बात पर जोर दिया है कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में विचारधारा कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अभिनेत्री समीरा रेड्डी फिल्म के जरिए लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। उन्होंने 'आखिरी सवाल' में वामपंथी विचारधारा वाली महिला का किरदार निभाया है, जो कहानी के भीतर की स्थिति को चुनौती देती है।

समीरा ने कोलकाता आने पर प्रसन्नता जाहिर की और कहा, 'मैं यहां पर मौजूद सभी लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। साथ ही, सिटी ऑफ जॉय में वापस आकर बहुत खुश हूं। मैं कहना चाहूंगी कि मिथुन दा को 20 साल बाद देखकर मैं बहुत खुश हूं। तो यह वैसा पल है, जिसके लिए मैं सच में बहुत उत्साहित थी। मिथुन दा को देखकर बहुत अच्छा लगा। मुझे लगता है कि स्क्रिप्ट के बारे में सबसे प्रभावशाली बात, खासकर अभिजीत वरन जैसे नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक के साथ, यह थी कि वह कोई उपदेश नहीं दे रहे थे। वह बस तथ्य सामने रख रहे थे।'

अभिनेत्री ने अपने किरदार 'डॉ. पल्लवी' के बारे में बताया कि वह अलगाववादी विचारधारा की है। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा पात्र है, जो समाज में दबे हुए सवालों को कुरेदता है और लोगों के बीच हलचल पैदा करता है। एक महिला कलाकार के तौर पर इस तरह का सशक्त और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना मेरे लिए मजेदार था।'



ऑडिशन की लाइन से स्टारडम तक, प्यार का पंचनामा ने बदली नुसरत भरूचा की किस्मत

मुंबई बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने छोटे-छोटे रोल और लंबे संघर्ष के बाद इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बनाई, लेकिन उनकी किस्मत का असली मोड़ एक फिल्म से आया, जिसके लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। कई ऑडिशन और टेस्ट के बाद जब उन्हें 'प्यार का पंचनामा' में मौका मिला तो उसी फिल्म ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी और उन्हें एक नई पहचान दिलाई। नुसरत भरूचा को बचपन से ही उन्हें अभिनय में दिलचस्पी थी और इसी वजह से उन्होंने बहुत कम उम्र में टीवी इंडस्ट्री की ओर कदम बढ़ाया। उनके करियर की शुरुआत साल 2002 में टीवी शो 'किट्टी पार्टी' से हुई थी। इस शो में उनका रोल छोटा था, लेकिन कैमरे के सामने काम करने का यह उनका पहला अनुभव था। इसके बाद वह टीवी शो 'सेवन' में भी नजर आईं, जहां उन्हें लीड रोल मिला, हालांकि टीवी पर उन्हें बड़ी पहचान नहीं मिल पाई और उन्होंने फिल्मों की ओर रुख कर लिया।

साल 2006 में नुसरत ने फिल्म 'जय संतोषी मां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। यह फिल्म उनके लिए एक बड़ा मौका थी, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। इसके बाद उन्होंने 'लव सेक्स और धोखा' जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन शुरुआती दौर में उन्हें लगातार संघर्ष और असफलताओं का सामना करना पड़ा। वह इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए लगातार ऑडिशन देती रहती थी। नुसरत के करियर का सबसे बड़ा मोड़ फिल्म 'प्यार का पंचनामा' से आया लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म के लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। इस रोल के लिए कई एक्ट्रेसेस के ऑडिशन हुए थे और नुसरत को भी कई टेस्ट देने पड़े थे। काफी मेहनत और स्क्रीन टेस्ट के बाद उन्हें यह किरदार मिला।

जब फिल्म रिलीज हुई, तो उनकी एक्टिंग और स्क्रीन प्रजेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया। यह फिल्म हिट साबित हुई और यहीं से नुसरत को असली पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 'प्यार का पंचनामा 2' में भी काम किया। यह भी बड़ी सफल साबित हुई।

आगे चलकर 'सोनू के टीटू की स्वीटी' फिल्म ने उन्हें और भी लोकप्रिय बना दिया। इसके बाद नुसरत ने 'ड्रीम गर्ल', 'जनहित में जारी', 'राम सेतु', 'सेल्फी' और 'छोरी' जैसी फिल्मों में भी काम किया। इन फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। नुसरत भरूचा ने अपने करियर में कई रिजेक्शन देखे, ऑडिशन दिए और संघर्ष किया, लेकिन हर बार खुद को बेहतर बनाया। आज नुसरत उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, जिन्होंने बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के अपने दम पर सफलता हासिल की है।



क्या क्रिकेटर तिलक वर्मा को डेट कर रहीं हैं श्रीलीला

अभिनेत्री श्रीलाला इन दिनों कार्तिक आर्यन के साथ अपनी आगामी फिल्म की तैयारियों में व्यस्त हैं। मगर, फिलहाल वे अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। मुंबई इंडियंस टीम के क्रिकेटर के साथ उनका नाम जोड़ा जा रहा है। यूं तो पहले भी इन दोनों के अफेयर की अफवाहें आती रही हैं, मगर एक वायरल वीडियो के बाद एक बार फिर लोग अटकलें लगा रहे हैं। श्रीलीला का नाम जिस क्रिकेटर से जोड़ा जा रहा है, वे हैं तिलक वर्मा। उनके और श्रीलीला के अफेयर की अफवाहें एक वायरल वीडियो से शुरू हुईं। हालांकि, इस वीडियो में श्रीलीला और तिलक वर्मा साथ नजर नहीं आए। श्रीलीला की तो वीडियो में झलक तक नहीं दिखी। वीडियो में सूर्य कुमार यादव हैं और गौतम गंभीर दिखे। मगर, सूर्यकुमार यादव ने कुछ ऐसा कहा, जिसके बाद अचानक श्रीलीला का नाम तिलक वर्मा के साथ जोड़ा जाने लगा।



प्रीति जिंटा की इन बातों से प्रभावित हैं सोनम बाजवा



एक्ट्रेस सोनम बाजवा अपनी नई पंजाबी फिल्म 'पिट सियापा' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने आईपीएल सीजन के दौरान टीम पंजाब किंग्स को सपोर्ट किया है। उन्होंने टीम की को-ओनर प्रीति जिंटा से हुई मुलाकात के बारे में बात की है और तारीफ की है। सोनम बाजवा को आईपीएल 2026 के कई मैचों में पंजाब किंग्स के लिए चीयर करते देखा गया है।

प्रीति जिंटा पर सोनम ने रखी अपनी बात

सोनम बाजवा ने प्रीति जिंटा को लेकर अपने विचार साझा किए। प्रीति के बारे में बात करते हुए, सोनम ने का 'वह उन सबसे खूबसूरत और हसीन महिलाओं में से एक हैं जिन्हें मैंने कभी देखा है। मैंने उनकी पहली फिल्म से ही उन्हें फॉलो किया है। एक एक्ट्रेस के तौर पर उनका सफर देखा है। अब, मैं एक एंटरप्रेन्योर के तौर पर भी उनका सफर देख रही हूं। वह आईपीएल टीम को लीड कर रही हैं। यह सचमुच प्रेरणादायक है।'



टैबू टॉपिक्स पर काम नहीं करना चाहते आयुष्मान खुराना?

अब चुनेंगे फैमिली सब्जेक्ट्स

'शुभ मंगल सावधान' में इरेक्टाइल डिसफंक्शन हो या आयुष्मान खुराना की पहली फिल्म 'विकी डोनर' में स्पर्म डोनेशन, आयुष्मान ने हमेशा अलग और बोल्ड विषयों को चुना। उनकी इन फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला। अब इस मामले पर एक्टर ने बयान दिया है।

मैंने सारे टैबू टॉपिक्स खत्म कर दिए हैं

अब इन सब फिल्मों के बाद आयुष्मान का नजरिया थोड़ा बदल गया है। अब वह ऐसी फिल्मों पर फोकस करना चाहते हैं, जिन्हें पूरा परिवार साथ बैठकर देख सके और जो ज्यादा ज्यादा लोगों से जुड़ सकें। हाल ही में द राइट एंगल दो दिए इंटरव्यू के दौरान जब आयुष्मान से पूछा गया कि वह आगे किस टैबू सब्जेक्ट पर फिल्म करना चाहेंगे, तो उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मुझे लगता है मैंने सारे टैबू टॉपिक्स खत्म कर दिए हैं। मैंने ऐसे कई विषयों पर फिल्में की हैं। लेकिन इससे फैमिली ऑडियंस थोड़ी लिमिट हो जाती है। कोविड महामारी से पहले मैंने इस तरह की कई फिल्में कीं। उसके बाद मैंने 'चंडीगढ़ करे आशिकी' और 'डॉक्टर जी' जैसी फिल्में भी कीं, लेकिन उन्हें बॉक्स ऑफिस पर वैसा रिस्पॉन्स नहीं मिला जैसा मुझे उम्मीद थी।'

कोविड के बाद चीजें बदल गईं

हालांकि आयुष्मान का कहना है कि इससे उनके बोल्ड चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने आगे कहा, 'ओटीटी के बड़ा होने के बाद मैंने ऐसी फिल्मों पर ध्यान देना शुरू किया जो ज्यादा लोगों तक पहुंच सकें। अब मैं ऐसे रिलेटेबल सब्जेक्ट्स चुनना चाहता हूं जिन्हें लोग परिवार के साथ बैठकर देख सकें। महामारी से पहले सब कुछ अलग था। उस समय मेरी फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर शानदार रिस्पॉन्स मिलता था, लेकिन कोविड के बाद चीजें बदल गईं।'

आयुष्मान खुराना का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो आयुष्मान खुराना की हालिया रिलीज 'पति पत्नी और वो दो' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसे पहले दिन औसत ओपनिंग मिली। आने वाले समय में वह 'यह प्रेम मोल लिया' और 'उड़ता तीर' में नजर आएंगे।



मैं अपनी मम्मी जैसी बनना चाहती हूं

पलक तिवारी इंडस्ट्री के उन स्टार किड्स में से हैं, जो एक्टिंग की दुनिया में आने से पहले ही सोशल मीडिया पर स्टार बन चुकी थीं, मगर जब जानी-मानी टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की इस बेटी ने एक्टिंग की असली दुनिया में कदम रखा है, तो उन्हें भी अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ रहा है। 'बिजली बिजली' गाने से अपने करियर की शुरुआत करने वाली पलक तिवारी सलमान खान के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' में नजर आने के बाद 'भूतनी' में भी दिखीं, मगर इन दिनों वह अपनी नई सीरीज 'लुक्खे' की अपनी भूमिका से तारीफें बटोर रही हैं।

ग्लैमर जगत में आने के साथ ही पलक तिवारी की तुलना उनकी जानी-मानी मशहूर टीवी एक्ट्रेस मां श्वेता तिवारी से होने लगी थी। मगर पलक का कहना है कि लोग भले उन दोनों को एक्ट्रेस की तरह देखें, मगर असल जीवन में वो मां-बेटी हैं। पलक अपनी मां के लिए बहुत कुछ करना चाहती हैं। वह कहती हैं, 'मुझे आज तक पैसे का कोई डर नहीं रहा। जब मेरी मम्मी ने मुझे पैदा किया तो उन्हें जो बनना था, वो बन चुकी थीं। तो मुझे कभी पैसे या किसी चीज की कमी कभी नहीं रही। मगर वो जिस मध्यमवर्गीय माहौल से आती हैं, उनके दिमाग में अभी भी रहता है कि अरे 5 हजार खर्च हो गए, अरे इतने पैसे खर्च हो गए। पता नहीं मेरी मम्मी के लिए वो कितने पैसे होंगे, जब उन्हें ये सोचना न पड़े, मगर मैं इतना पैसा कमाना चाहती हूं कि वो पैसे के बारे में दो बार भी न सोचें। उन्हें कुछ खर्च करते हुए कटौती न करनी पड़े।'

मम्मी कभी कोई महंगी चीज नहीं खरीदती

'आपको एक दिलचस्प बात बताऊं, मेरी मम्मी कभी कोई महंगी चीज नहीं खरीदती, क्योंकि वो हमेशा यही सोचती हैं कि वो पैसा रेयांश और पलकू पर खर्च करूं। मेरी दिली तमन्ना है कि मैं इतनी अमीर बन जाऊं कि पैसे उन्हें हाथ का मैल लगने लगे।' अपनी बात आगे बढ़ाते हुए वे कहती हैं, 'मैं जैसे जैसे बड़ी होती जा रही हूं, अपनी मम्मी में मिलने लगी हूं। मेरे आस -पास के लोग भी यही कहते हैं, तो मैं चाहती हूं कि मैं ज्यादा से ज्यादा अपनी मां जैसी बनूं। मैं अपनी मम्मी की तरह बन रही हूं और मेरी मम्मी अपनी नानी की तरह।'



लक के साथ मेहनत जरूरी

पलक खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि फिल्मों में उनकी शुरुआत सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' से से हुई। एक्टिंग की दुनिया में अपनी जमीन तलाशती पलक अपनी जर्नी को लेकर कहती हैं, 'हर प्रोजेक्ट और हर रोल के साथ बेहतर होने की कोशिश करती हूं। आपको एक अजीब-सी बात बताऊं? किसी भी ऑडिशन या रोल के लिए मैंने उस वक्त कितना भी अच्छा क्यों न किया हो? या उस वक्त मैं उसमें कितनी ही सही क्यों न लगी होऊं, मगर बाद में मैं खुद को कभी अच्छी नहीं लगी। आज पलट कर देखती हूं, तो लगता है, छि कितनी बुरी लग रही हूं। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि वह मैंने कितना कमाल का काम किया है। मैं सोचती हूं कि ऐसा करने से मैं खुद को संवारती रह सकती हूं। जब मैंने सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ भी काम किया था, तब भी लोगों ने कहा था, तू कितनी लकी है, मगर मुझे लगता है कि लक के साथ मेहनत भी बहुत जरूरी है।'

संक्षिप्त समाचार

सूडान के पश्चिमी कोरडोफान में ड्रोन हमला, 28 लोगों की मौत

खार्तूम, एजेंसी। एक स्थानीय मानवाधिकार समूह ने बताया कि मंगलवार को मध्य सूडान के एक व्यस्त बाजार पर ड्रोन हमले में 28 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। यह हमला उस युद्ध का हिस्सा है जिसने 2023 से देश को तबाह कर दिया है। संघर्ष के दौरान हुए उल्लंघनों पर नज़र रखने वाले स्थानीय मानवाधिकार समूह 'इमरजेंसी लॉयर्स' ने एक्स पर बताया कि पश्चिमी कोरडोफान प्रांत के घुबायश कस्बे में स्थित बाजार को मंगलवार सुबह उस समय निशाना बनाया गया जब वह नागरिकों से खचाखच भरा हुआ था। समूह ने इस हमले के लिए सेना को जिम्मेदार ठहराया। सेना और उसके प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बढ़ने के बाद अप्रैल 2023 में एक पूर्ण पैमाने पर युद्ध छिड़ गया। आरएसएफ पश्चिमी कोर्डोफान पर नियंत्रण रखता है। सूडान की सेना के एक अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि सेना नागरिकों या नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना नहीं बनाती है। एक अन्य सैन्य सूत्र ने भी समूह के दावों का खंडन करते हुए कहा कि सेना के एक ड्रोन ने बाजार के पास ईंधन भरते समय आरएसएफ के दो लड़ाकू वाहनों पर हमला किया, जिससे वाहन पूरी तरह से नष्ट हो गए और उनमें सवार लोग मारे गए, लेकिन किसी भी नागरिक को कोई नुकसान नहीं हुआ।

दक्षिणी लेबनान पर इस्राइल का बड़ा हमला, बच्चों-महिलाओं समेत 19 लोगों की मौत

लेबनान, एजेंसी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को दक्षिणी लेबनान पर हुए इस्राइली हवाई हमलों में चार महिलाओं और तीन बच्चों सहित कम से कम 19 लोग मारे गए। यह इस्राइल-हिजबुल्ला युद्ध में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए नाजुक युद्धविराम के बावजूद दोनों पक्षों द्वारा लगभग दैनिक रूप से किए जा रहे हमलों की श्रृंखला में नवीनतम घटना है, जो अभी तक रुकी नहीं है।

न्यूयॉर्क: खुले गड्ढे में गिरने से एक महिला की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पुलिस और बिजली अधिकारियों ने बताया कि न्यूयॉर्क शहर की एक व्यस्त सड़क पर एक खुले गड्ढे में 56 वर्षीय महिला गिर गई और उसकी मौत हो गई। वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि यह घटना कैसे हुई होगी। पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात को मिडटाउन मैनहट्टन में फिफ्थ एवेन्यू और ईस्ट 52वीं स्ट्रीट के कोने के पास मरम्मत के लिए बने गड्ढे के ठीक बगल में डोनिके गोकाज ने अपनी कार खड़ी की। रात 11:30 बजे से कुछ देर पहले गाड़ी से बाहर निकलते समय उसमें गिर गई। दमकलकर्मियों द्वारा उसे बाहर निकालने के बाद स्थानीय अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। यूटिलिटी कंपनी कॉन एडिसन ने कहा कि निगरानी कैमरे की फुटेज से ऐसा प्रतीत होता है कि महिला के गिरने से लगभग 12 मिनट पहले एक मल्टी-एक्सल ट्रक के ऊपर से गुजरने के कारण गड्ढे का ढक्कन हट गया था।

रूस-चीन संबंधों का नया अध्याय! राष्ट्रपति पुतिन पहुंचे बीजिंग



बीजिंग, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधिकारिक यात्रा के लिए चीन की राजधानी बीजिंग पहुंच चुके हैं। बीजिंग हवाई अड्डे पर चीन के शीर्ष नेता और विदेश मंत्री वांग यी ने राष्ट्रपति पुतिन का बहुत ही गर्मजोशी और सम्मान के साथ स्वागत किया। यह यात्रा दोनों देशों के बीच भविष्य के सहयोग के लिए एक नया और पहले से अधिक मजबूत रणनीतिक आधार तैयार करने वाली है। बीजिंग के राजनीतिक गलियारों में इस हाई-प्रोफाइल दौरे को लेकर सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं और दुनिया की नजरें इस पर हैं। पुतिन की यह यात्रा दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक 'गुड-नेबरलीनेस एंड फ्रेंडली कोऑपरेशन' संधि की 25वीं वर्षगांठ के खास मौके पर आयोजित की जा रही है। साल 2001 में इस संधि की नींव स्वयं पुतिन ने रखी थी, जो आज दोनों देशों के अटूट और गहरे रिश्तों की एक बड़ी पहचान बन चुकी है। इस दौरे के माध्यम से रूस और चीन अपनी खास रणनीतिक साझेदारी को एक बिल्कुल नए और वैश्विक उच्च मुकाम पर ले जाने के लिए तैयार हैं। बीजिंग में होने वाली वार्ता दोनों देशों के व्यापक विकास और द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक गहरा करने के एजेंडे पर आधारित होगी। बीजिंग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भव्य स्वागत चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर पुतिन मंगलवार 19 मई को बीजिंग पहुंचे जहां उनका जोरदार इस्तकबाल किया गया। हवाई अड्डे पर चीन के शीर्ष नेतृत्व और विदेश मंत्री वांग यी ने स्वयं मौजूद रहकर रूसी राष्ट्रपति का औपचारिक स्वागत किया। क्रेमलिन के अनुसार इस यात्रा से दोनों देशों को बेहद ऊंची उम्मीदें हैं और यह आपसी शक्ति प्रदर्शन का एक बड़ा मौका है। यह महत्वपूर्ण दौरा रूस और चीन के बीच हुई ऐतिहासिक मैत्री संधि की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है। इस ऐतिहासिक संधि की शुरुआत साल 2001 में की गई थी जब पुतिन और जियांग जेमिन ने इस पर हस्ताक्षर किए थे। अब पुतिन और शी जिनपिंग इसी पुरानी दोस्ती को आधुनिक वैश्विक संदर्भों में एक नई और मजबूत दिशा देने वाले हैं। दुनिया की टिकी निगाहें पुतिन का यह दौरा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बीजिंग यात्रा के ठीक एक हफ्ते बाद हो रहा है जो सामरिक रूप से अहम है। दुनिया भर के कूटनीतिज्ञ इसे रूस और चीन के गठबंधन को पश्चिम के सामने एक कड़े संदेश के रूप में देख रहे हैं। बीजिंग में होने वाली यह शिखर वार्ता वैश्विक राजनीति के शक्ति समीकरणों को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखती है। पुतिन ने बीजिंग पहुंचने से पहले कहा कि रूस और चीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और रक्षा के क्षेत्रों में अपना सहयोग बढ़ा रहे हैं। दोनों देश मानवीय आदान-प्रदान और लोगों के बीच आपसी संपर्क को बढ़ावा देने के लिए भी कई महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। शी जिनपिंग के दीर्घकालिक सहयोग के प्रति कमिटमेंट की पुतिन ने जमकर तारीफ की और इसे भविष्य के लिए जरूरी बताया।

जेडी वेंस की ईरान को चेतावनी, डील नहीं हुई तो फिर शुरू हो सकता है सैन्य अभियान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ईरान के साथ गंभीर और लगातार बातचीत कर रही है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर तेहरान न्यूक्लियर हथियार हासिल करने से रोकने वाली डील पर सहमत नहीं होता है, तो अमेरिका मिलिट्री ऑपरेशन को फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए वेंस ने कहा अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ कहा है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं बना सकता। वेंस के मुताबिक, अगर ईरान परमाणु बम बना लेता है तो इससे दुनिया में हथियारों की नई दौड़ शुरू हो सकती है और मध्य पूर्व समेत कई इलाकों में अस्थिरता बढ़ सकती है। वेंस ने कहा कि सरकार को लगता है कि ईरान समझौता करना चाहता है और हाल की बातचीत में कुछ प्रगति भी हुई है। उन्होंने कहा कि हमें लगता है कि ईरान डील करना चाहता है। लेकिन इसका पता तभी चलेगा जब समझौते पर वास्तव में हस्ताक्षर होंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनकी हाल की कूटनीतिक यात्रा का मकसद यह दिखाना था कि अमेरिका ईमानदारी से



बातचीत करना चाहता है। उन्होंने कहा, 'हम यह दिखाना चाहते थे कि हम अच्छे इरादे से बातचीत कर रहे हैं। लेकिन बातचीत नाकाम रही तो राष्ट्रपति ट्रंप सैन्य दबाव बढ़ाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि दूसरा विकल्प यह है कि हम फिर से सैन्य अभियान शुरू कर सकते हैं। हम ऐसा नहीं करना चाहते, लेकिन जरूरत पड़ी तो राष्ट्रपति इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। वेंस ने ईरान को 'बहुत जटिल देश' बताया और कहा कि वहां कई ताकतवर समूह हैं, इसलिए यह समझना मुश्किल होता है कि बातचीत में ईरान वास्तव में क्या चाहता है।

उन्होंने कहा कि कई बार यह समझना कठिन हो जाता है कि ईरान बातचीत से आखिर हासिल क्या करना चाहता है। वेंस ने उन खबरों को भी खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि भविष्य के किसी समझौते के तहत रूस, ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार को अपने नियंत्रण में ले सकता है। उन्होंने कहा कि? यह हमारी मौजूदा योजना नहीं है और कभी हमारी योजना रही भी नहीं।

प्रेस ब्रीफिंग के दौरान वेंस ने सरकार की व्यापक संघर्ष नीति का बचाव भी किया और कहा कि मौजूदा संघर्ष विराम को अंतहीन युद्ध नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि सक्रिय संघर्ष करीब पांच से साढ़े पांच हफ्ते चला। यह कोई हमेशा चलने वाला युद्ध नहीं है। हम अपना काम पूरा करेंगे और वापस घर आएंगे। उपराष्ट्रपति ने घरेलू मुद्दों पर भी बात की, जिनमें इमिग्रेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और राजनीतिक हिंसा शामिल थे। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस की एंटी-फ्रॉड टीम ने मेडिकेयर, मेडिकेड और इमिग्रेशन सिस्टम में 'अरबों डॉलर की धोखाधड़ी' का पता लगाया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वेंस ने कहा कि सरकार चाहती है कि अमेरिका इस तकनीक की दौड़ में सबसे आगे रहे, साथ ही लोगों की निजता और राष्ट्रीय सुरक्षा भी सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति चाहते हैं कि हम इनोवेशन के पक्ष में रहें। वे चाहते हैं कि एआई की दौड़ में अमेरिका दुनिया के बाकी देशों से आगे रहे।' वेंस ने हाल में हुई राजनीतिक और धार्मिक हिंसा की घटनाओं की भी निंदा की। इनमें कैलिफोर्निया में एक मुस्लिम कम्युनिटी सेंटर के पास हुई घातक गोलीबारी और रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या जैसी घटनाएं शामिल थीं।

अगले महीने हो सकती है पीएम मोदी-राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात, मैक्रों के निमंत्रण से चर्चाएं तेज



पेरिस, एजेंसी। अगले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात हो सकती है। यह मुलाकात फ्रांस में होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान होने की संभावना है।

अगर ऐसा होता है, तो 16 महीनों से भी ज्यादा समय के बाद दोनों नेता पहली बार आमने-सामने होंगे। फिलहाल पूरी दुनिया की नजरें इस संभावित मुलाकात पर टिकी हैं। इमैनुएल मैक्रों के आमंत्रण पर पीएम मोदी जाएंगे फ्रांस फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में 15 से 17 जून तक जी7 शिखर सम्मेलन का आयोजन होगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी को इस बैठक में शामिल होने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया है। हालांकि भारत इस समूह का सदस्य नहीं है, फिर भी एक महत्वपूर्ण भागीदार देश के तौर पर भारत को बुलाया गया है। राष्ट्रपति मैक्रों ने फरवरी में भारत दौरे के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस सम्मेलन में आने का न्योता दिया था।

दक्षिणी कैलिफोर्निया के जंगल में लगी आग

सैक्रामेंटो, एजेंसी। दक्षिणी कैलिफोर्निया में मंगलवार को 17,000 से अधिक लोगों को निकासी के आदेश दिए गए, क्योंकि जंगल की आग से उपनगरीय घरों को खतरा था। तेज हवाओं के कारण लगी सैंडी आग सोमवार को लॉस एंजिल्स से लगभग 30 मील (48 किलोमीटर) उत्तर-पश्चिम में सिमी घाटी के ऊपर पहाड़ियों में देखी गई। वेंटुरा काउंटी अग्निशमन विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह तक आग ने दो वर्ग मील (पांच वर्ग किलोमीटर) से अधिक सूखे झाड़ियों को जलाकर राख कर दिया था और कम से कम एक घर को नष्ट कर दिया था। विभाग के प्रवक्ता एंड्रयू डाउड ने बताया कि आग की लपटें शुरू में 30 मील प्रति घंटे (48 किलोमीटर प्रति घंटे) से अधिक की रफ्तार वाली तेज हवाओं के कारण भड़क उठीं, लेकिन रात भर हवा शांत होने से दमकलकर्मियों को मदद मिली। उन्होंने कहा कि मौसम में सुधार होने से हमने इस आग पर काबू पाने में काफी प्रगति की है। उन्होंने बताया कि टीमें हवाएं फिर से तेज होने से पहले और अधिक प्रगति करने की उम्मीद कर रही हैं। 125,000 से अधिक आबादी वाले शहर सिमी वैली के कई इलाकों के लिए अभी भी निकासी के आदेश और चेतावनी जारी थी। इसी बीच, दमकलकर्मी दक्षिणी कैलिफोर्निया तट से दूर सांता रोजा द्वीप पर 23 वर्ग मील (59 वर्ग किलोमीटर) में फैली भीषण आग से जूझ रहे थे। आग ने एक केबिन और एक उपकरण शेड को नष्ट कर दिया और राष्ट्रीय उद्यान सेवा के 11 कर्मचारियों को वहां से सुरक्षित स्थान पर ले जाना पड़ा।

अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो 23 से 26 मई तक भारत दौरे पर, क्वाड और रक्षा सहयोग पर होगी अहम चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो चार दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं। वे शनिवार को भारत पहुंचेंगे और 23 से 26 मई तक देश के अलग-अलग राज्यों का दौरा करेंगे। इस दौरान क्वाड साझेदारी, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और रक्षा सहयोग पर मुख्य रूप से चर्चा होने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, मार्को रूबियो भारत यात्रा के दौरान कोलकाता, आगरा, जयपुर और दिल्ली जाएंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने मंगलवार को रूबियो की यात्रा योजनाओं की घोषणा की। विभाग ने जानकारी दी कि भारत आने से पहले 22 मई को मार्को रूबियो सबसे पहले स्वीडन के हेलसिंगबोर्ग जाएंगे, जहां वे नाटो विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी



पिगॉट ने एक बयान में कहा, 'विदेश मंत्री भारतीय वरिष्ठ अधिकारियों के साथ होने वाली बैठकों के दौरान ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और रक्षा सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे।' नई दिल्ली में भारतीय नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों के अलावा, रूबियो के क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी शामिल होने की उम्मीद है। इस बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री शामिल होंगे। एक इंटरव्यू में संयुक्त राज्य अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच के अध्यक्ष मुकेश अघी ने कहा कि रूबियो की यह यात्रा इस क्षेत्र और व्यापक भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी, दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर हो रही है। अघी ने आईएएनएस से कहा, 'अब समय आ गया है कि हम क्वाड को फिर से सक्रिय करें। खासकर मध्य पूर्व में मौजूदा चुनौतियों को देखते हुए यह बहुत महत्वपूर्ण है।' उन्होंने बताया कि अमेरिका और भारत के बीच होने वाली चर्चाओं में होर्मुज स्ट्रेट से जुड़ी समुद्री सुरक्षा चिंताओं और व्यापक क्षेत्रीय स्थिरता के मुद्दों को भी शामिल किए जाने की उम्मीद है। अघी ने कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट के संबंध में भारत और अमेरिका के बीच चर्चा होना बेहद जरूरी है। आपको यह समझना होगा कि इस क्षेत्र में भारत के पास सबसे बड़ी नौसेनाओं में से एक है।' अघी ने यह भी कहा कि भारत, चीन के साथ हाल ही में हुई राजनयिक वार्ताओं और इस क्षेत्र पर उनके संभावित प्रभावों के बारे में स्पष्टता चाहेगा। उन्होंने कहा, 'विदेश मंत्री रूबियो के लिए भारत सरकार को चीन यात्रा के बारे में जानकारी देना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका भारत पर भी असर पड़ता है।' उन्होंने आगे कहा, 'भारत यह समझना चाहेगा कि इन घटनाक्रमों का उस पर किस तरह का प्रभाव पड़ेगा। अघी के अनुसार, यह यात्रा एक 'उपयुक्त समय' पर हो रही है और उम्मीद है कि इसमें दोनों देशों को प्रभावित करने वाले कई मोर्चों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी की इटली के कलाकारों ने जमकर की प्रशंसा, बोले- यादगार रहा अनुभव

रोम, एजेंसी। पांच देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली पहुंचे हैं। यहां भारतीय नागरिकों के साथ-साथ इटली के लोग भी उनका स्वागत करने पहुंचे। इस अवसर पर इटालियन कलाकारों ने संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया। इटालियन कलाकार फ्रांसेस्को घेरार्दी ने प्रधानमंत्री मोदी के सामने प्रस्तुति देने के बाद अपना अनुभव शेयर किया। उन्होंने आईएएनएस से कहा कि भारतीय पीएम की मौजूदगी बेहद सकारात्मक थी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री पूरी प्रस्तुति के दौरान तालियां बजाते रहे और कलाकारों का उत्साह बढ़ाते रहे। फ्रांसेस्को ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री से हाथ मिलाने और तस्वीरें खिंचवाने का भी अवसर मिला। कलाकार वैलेरियो ब्रूनी ने कहा, 'मुझे लगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सचमुच बहुत उत्साहित थे। उन्होंने हमारी प्रस्तुति को ध्यान से देखा और बाद में तालियां बजाईं। मुझे लगता है कि उन्होंने हमारी प्रस्तुति की सराहना की।' निकोलो



मेलोची ने इसे अपने लिए यादगार अवसर बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के सामने पूरी टीम के साथ प्रस्तुति देना शानदार अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री से कुछ शब्दों में बातचीत करने का भी मौका मिला। वहीं एक अन्य कलाकार सिमोन मैटिएलो ने कहा कि पूरा कार्यक्रम बहुत आनंदमय था। प्रधानमंत्री मोदी कलाकारों की प्रस्तुति से जुड़ाव महसूस कर रहे थे। लियो वर्तुन्नी ने कार्यक्रम के माहौल को ऊर्जा और उत्साह से भरपूर बताते हुए कहा कि वहां मौजूद भारतीय समुदाय का अपने प्रधानमंत्री के प्रति प्रेम साफ दिखाई दे रहा था। उन्होंने कहा, 'वहां जबरदस्त ऊर्जा थी और हम भारतीय लोगों का अपने प्रधानमंत्री के प्रति प्रेम महसूस कर सकते थे। वहां उत्सव और ऊर्जा का एक दिलचस्प मेल था। मार्टिना अर्गाडा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कलाकारों की प्रस्तुति को बेहतरीन बताया। उन्होंने इस अवसर के लिए रोम स्थित भारतीय दूतावास का आभार व्यक्त किया। मार्टिना अर्गाडा ने कहा, 'उन्होंने (पीएम मोदी) हमसे कहा कि प्रस्तुति बेहतरीन थी। हम रोम में भारतीय दूतावास के बहुत आभारी हैं कि उन्होंने हमें भारतीय प्रधानमंत्री के सामने प्रस्तुति देने का अवसर दिया।' वहीं, कथक कलाकार रोसेला फेनेली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में कथक प्रस्तुति देना उनके लिए बेहद भावुक और खास अनुभव रहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में उन्हें भारत में प्रधानमंत्री मोदी से मिलने का अवसर मिलेगा। फेनेली ने कहा, 'यह मेरे और मेरे दोस्तों के लिए बहुत अच्छा अनुभव था। हम लंबे समय से इंतजार कर रहे थे, इसलिए हमारी भावनाएं बहुत उमड़ रही थीं। मैं इस अवसर को एक बहुत अच्छा अनुभव मानती हूं और मुझे उम्मीद है कि हम भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिल पाएंगे।

राजनाथ सिंह ने शहीद सैनिकों को दी श्रद्धांजलि, भारत-दक्षिण कोरिया रक्षा सहयोग बढ़ाने पर फोकस



सियोल, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल स्थित सियोल नेशनल सेमेट्री पहुंचकर देश के लिए बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने विशेष रूप से कोरियाई युद्ध के दौरान जान गंवाने वाले सैनिकों को याद करते हुए राष्ट्रीय स्मारक स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की और मौन रखकर सम्मान प्रकट किया। सियोल नेशनल सेमेट्री दक्षिण कोरिया के उन सैनिकों और नागरिकों की स्मृति में बनाया गया है जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। यह स्मारक राष्ट्रीय सम्मान, बलिदान और देशभक्ति का प्रतीक माना जाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की यह यात्रा भारत और दक्षिण कोरिया के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने के उद्देश्य से हो रही है। वह मंगलवार को दक्षिण कोरिया पहुंचे थे, जहां भारत के राजदूत गौरंगलाल दास और वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

पीएम मोदी पर नस्लीय कार्टून बनाने पर विवाद; निशाने पर आया नॉर्वे का अखबार

ओस्लो, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे यात्रा के दौरान एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। नॉर्वे के प्रमुख अखबार 'आफ्टेनपोस्टन' ने पीएम मोदी का एक बेहद नस्लभेदी और आपत्तिजनक कार्टून प्रकाशित किया है। इस कार्टून में उन्हें एक सपेरे के रूप में चित्रित किया गया है, जिसके हाथ में सांप के आकार का फ्यूल स्टेशन पाइप है। इस घटना ने पश्चिमी मीडिया की पुरानी औपनिवेशिक मानसिकता को फिर से उजागर कर दिया है।

इस विवादित इलस्ट्रेशन के साथ 'एक चतुर और थोड़ा परेशान करने वाला आदमी' शीर्षक से एक लेख भी छापा गया है। यह घटना तब सामने आई जब एक नॉर्वेजियन पत्रकार हेले लिंग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस न करने पर सवाल उठाए थे। इंटरनेट पर इस कार्टून की कड़ी आलोचना हो रही है और लोग इसे भारत का सरासर अपमान बता रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी देश की लोकतांत्रिक ताकत का मजबूती से बचाव किया है।

औपनिवेशिक मानसिकता का प्रदर्शन : इंटरनेट पर यूजर्स इस कार्टून को नस्लभेदी और पुराने औपनिवेशिक रूढ़ियों से प्रेरित बता रहे हैं। लोगों का कहना है कि पश्चिमी मीडिया अभी भी भारत को केवल सपेरों के देश के रूप में देखता है। यह नकारात्मक छवि भारत और उसके चुने हुए लोकतांत्रिक नेता दोनों के प्रति गहरी असम्मान की भावना दिखाती है।

यह घटना बेहद विडंबनापूर्ण है क्योंकि पीएम मोदी ने स्वयं इस पुरानी धारणा का स्पष्ट जिक्र किया था। साल 2014 में अमेरिका में उन्होंने कहा था



कि भारत अब सपेरों का नहीं बल्कि माउस चार्मर्स का देश है। तकनीक के क्षेत्र में भारत की भारी प्रगति के बावजूद पश्चिमी देशों में ऐसी पिछड़ी सोच आज भी जीवित है।

पश्चिमी मीडिया की कड़ी आलोचना : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई यूजर्स ने इस कृत्य की बहुत ही कड़े शब्दों में निंदा की है। एक यूजर ने लिखा कि यूरोपीय लोग अभी भी अपनी पुरानी औपनिवेशिक कल्पनाओं से पूरी तरह बाहर नहीं आ पाए हैं। साल 2022 में भी स्पेन के एक अखबार ने भारत की आर्थिक वृद्धि पर ऐसा ही एक विवादित कार्टून छापा था। यह पूरा विवाद नॉर्वेजियन पत्रकार हेले लिंग के एक तीखा सवाल पूछने के तुरंत बाद शुरू हुआ था। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस न होने और भारत में मानवाधिकारों को लेकर कई तीखे सवाल उठाए थे। इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी बहस छिड़ गई। विदेश मंत्रालय की कड़ी प्रतिक्रिया भारतीय विदेश मंत्रालय के सचिव सिबी जॉर्ज ने आलोचकों को करारा जवाब देते हुए भारत का दृढ़ता से बचाव किया। उन्होंने कहा कि अकेले दिल्ली में 200 टीवी चैनल हैं जो हमारी मजबूत मीडिया की स्वतंत्रता को दर्शाते हैं। उन्होंने चुनिंदा और अज्ञानी एनजीओ की रिपोर्टों के आधार पर राय बनाने वालों की बहुत कड़ी आलोचना की।

भारतीय राजनयिक ने स्पष्ट किया कि पश्चिमी आलोचकों को भारत के बड़े पैमाने की कोई समझ बिल्कुल नहीं है। यहां हर दिन अलग-अलग भाषाओं में ब्रेकिंग न्यूज आती है जो हमारे मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे का एक बड़ा सबूत है। संविधान द्वारा दिए गए अधिकार यह साबित करते हैं कि भारत एक जीवंत और पूरी तरह से स्वतंत्र देश है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.